निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, सोमवार 24 नवम्बर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 187 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

जोहान्सबर्ग में आयोजित इंडिया-ब्राजील-साउथ अफ्रीका लीडर्स समिट में हिस्सा लेते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

सीएम हेमंत सोरेन आज करेंगे झारखंड के पहले कमर्शियल फ्लाइंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का उद्घाटन, सभी तैयारियां पूरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दुमका। झारखंड ही नहीं बल्कि पूर्वी क्षेत्र का पहला झारखंड कामर्शियल फ्लाइंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का उद्घाटन आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दुमका के एयरपोर्ट पर करेंगे। झारखंड सरकार की ओर से संचालित इस इंस्टीट्यूट में प्रत्येक वर्ष 30 योग्य छात्रों को ट्रेनिंग दी जाएगी जिसमें 15 सीट आरक्षित श्रेणी का होगा। आरक्षित श्रेणी के प्रशिक्षुओं को निशुल्क ट्रेनिंग दी जाएगी। प्रशिक्षुओं को दो चरणों में ट्रेनिंग दिया जाएगा। पहले चरण में दुमका में कामर्शियल पायलट लाइसेंस विद मल्टी इंजन रेटिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा जबकि दूसरे चरण का प्रशिक्षण टाइप रेटिंग आन एयर बस ए-320 का दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण देश के प्रमुख सिविलेयेटर ट्रेनिंग सेंटरों के माध्यम से कराया जाएगा। पूरी ट्रेनिंग 200 घंटे की होगी। दुमका में प्रशिक्षण के लिए तमाम तैयारियां व आधारभूत संरचनाएं पूरी कर ली गई है। वर्तमान में दुमका में तीन जेलिन एयरकाफ्रट, तीन ग्लाइडर और एक स्टीमी एयरक्राफ्ट है। डीजीसीए के तय मानकों को पूरा करने के उपरांत एफटीओ का लाइसेंस भी हासिल कर लिया गया है। इधर सोमवार को होने वाले उद्घाटन को लेकर दुमका एयरपोर्ट पर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। इसके अलावा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को दुमका एयरपोर्ट पर ही आयोजित सेवा का अधिकार सप्ताह समारोह के तहत दुमका के लोगों को कई बड़ी सौगात देंगे। नागर विमानन महानिदेशालय यानी डीजीसीए के स्तर से तय मानकों को पूरा करने के उपरांत ही कामर्शियल पायलट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का संचालन संभव है। इसके लिए डीजीसीए की ओर से सेफ्टी और क्वालिटी पर विशेष फोकस किया गया है। इसके लिए सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट्स का पालन अनिवार्य किया गया है। कामर्शियल पायलट तैयार करने वाले फ्लाइंग ट्रेनिंग आर्गनाइजेशन के लिए विस्तृत और कड़े नियम लागू किए हैं। इन नियमों का मुख्य उद्देश्य पायलट ट्रेनिंग की गुणवत्ता और विमानन सुरक्षा को सर्वोच्च स्तर पर बनाए रखना है। लाइसेंसिंग और अनिवार्य मानक कामर्शियल पायलट ट्रेनिंग शुरू करने के लिए किसी भी संस्थान को सबसे पहले डीजीसीए अप्रूव्ड एफटीओ के रूप में लाइसेंस लेना अनिवार्य है।

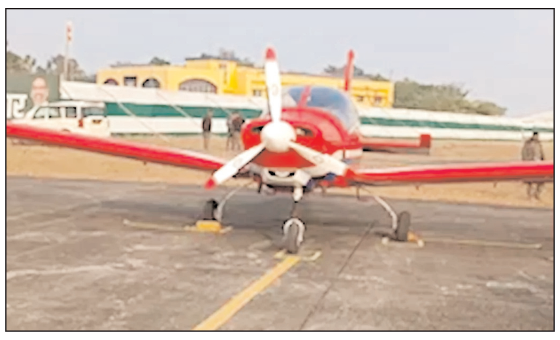

तेज रफ्तार हाइवा घर पर पलटी, पिता-पुत्री की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सरायकेला। सरायकेला-खरसावां जिले के हुदु पंचायत के पालोबेड़ा गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। सड़क निर्माण कार्य में लगे तेज रफ्तार गिट्टी लदे हाइवा ट्रक ने अचानक नियंत्रण खो दिया और सीधे गांव के निवासी 35 वर्षीय बिरबल मुर्मू के घर पर पलट गया। दुर्घटना के समय परिवार घर के अंदर सो रहा था। हाइवा की चपेट में आने से बिरबल मुर्मू और उनकी दो वर्षीय पुत्री की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में बिरबल की पत्नी शेफाली मुर्मू गंभीर रूप से घायल हो गईं। ग्रामीणों ने तुरंत उन्हें बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर भेजा जहां उनका उपचार जारी है। बताया जाता है कि लीडिंग कंस्ट्रक्शन द्वारा हरीभंगा से कालाझोर तक सड़क निर्माण का काम चल रहा है। काम के दौरान ही हाइवा अनियंत्रित होकर घर पर पलट गया जिससे यह दुखद घटना घटी। सूचना मिलते ही कांड्रा थाना प्रभारी विनोद मुर्मू पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले का निरीक्षण किया। वहीं हादसे के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि निर्माण कार्य में लगे वाहनों की रफ्तार पर कोई नियंत्रण नहीं है जिसके कारण यह जानलेवा दुर्घटना हुई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक ठेकेदार/प्रोप्राइटर पर हत्या का मामला दर्ज नहीं किया जाता और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा नहीं दिया जाता, वे शव को उठने नहीं देंगे। वर्तमान में घटनास्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुटी हुई है और माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। प्रशासन लोगों को शांत कराने का प्रयास कर रहा है लेकिन ग्रामीण न्याय और कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

पलामू में खेत से मिला शव

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो) पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र के जंघासी गांव के 45 वर्षीय श्रवण भुइयां का शव खेत से संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद किया गया। देर रात जब उनके घर के लोग खाना लेकर खेत की ओर गए तब उन्हें श्रवण का कोई अता-पता नहीं मिला। आसपास तलाश की गई तो खेत के किनारे उनका शव पड़ा हुआ मिला। घटना की सूचना रविवार को पुलिस को दी गई। पाटन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया। अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पूरी तरह पुष्टि हो पाएगी।

सड़क हादसे ने ले ली युवक की जान

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। झरिया घनुवाडीह के दुर्गापुर कुम्हारपट्टी निवासी दो ममेरे-फुफ़ेरे भाई गौतम पंडित और जोगिंदर पंडित बाइक दुर्घटना का शिकार हो गए। इस हादसे में 35 वर्षीय गौतम पंडित की मौत हो गई, जबकि जोगिंदर गंभीर रूप से घायल हैं। यह घटना कोट मोड़ के समीप उस समय हुई जब दोनों अपनी स्प्लेंडर बाइक से शादी समारोह से वापस झरिया लौट रहे थे। अचानक सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें तेज कट मार दिया जिससे दोनों का संतुलन बिगड़ गया जिससे वे हादसे के शिकार हो गये।

एसएसबी जवान पर धोखाधड़ी का आरोप

जमशेदपुर(नबिटा ब्यूरो)। सिदगोड़ा थाना की पुलिस को लोगों ने एसएसबी जवान अखिलेश गिरि को डेढ़ करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में पकड़ कर सौंपा था। साथ ही जवान और उसकी पत्नी के विरुद्ध सिदगोड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस मामले में पुलिस ने जवान को नोटिस देने के बाद थाना से छोड़ दिया। जवान बारीडीह के विजया गार्डेन का निवासी है। सिदगोड़ा थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि जवान को उसके विरुद्ध दर्ज मामले में नोटिस दी गई है।

विस्फोटक बरामद

जमुई(नबिटा ब्यूरो)। गरही थाना क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के मंसूबों को नाकाम करते हुए भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया है। जनकपुरा गांव के जंगली इलाके में सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए ये विस्फोटक लगाए गए थे। एसएसबी की 16वीं वाहिनी को शनिवार को परासी गांव में गुप्त सूचना मिली थी। जानकारी के अनुसार जनकपुरा गांव से ऊपर पहाड़ी जंगली क्षेत्र मां-बेटा पहाड़ गिद्धेश्वर में सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए जंगली रास्ते में अवैध विस्फोटक पदार्थ लगाए गए थे।

करंट से हथिनी की मौत

गढ़वा(नबिटा ब्यूरो)। चिनियां थाना क्षेत्र के मुख्य सड़क चपकली मोड़ स्थित कारी-माटी जंगल के निकट रविवार को अहले सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया। चिनियां के जगलों में विचरण कर रहे हाथियों के झुंड में शामिल एक हथिनी की बिजली तार की चपेट में आ जाने से मौत हो गई।

तेज रफ्तार की चपेट में आने से दो युवकों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गढ़वा। जिले में रंका-रमकंडा रोड के बरवाटांड के पास सुबह चार बजे आर्मी भर्ती की तैयारी कर रहे दो युवकों को तेज रफ्तार हाइवा ने टक्कर मार दी जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मरने वालों में मानपुर टेढ़ा महुआ निवासी राजू और अनिल शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने हादसे के बारे में बताया कि दुर्घटना इतनी खौफनाक थी कि शव के अलग-अलग हिस्से सड़क पर बिखर गए थे। ओवरलोड हाइवा गिट्टी लेकर गढ़वा की ओर जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हाइवा क्रशर से गिट्टी लेकर गढ़वा की ओर जा रहा था और काफी तेज रफ्तार में था। उसी दौरान सड़क किनारे दौड़ रहे दोनों युवाओं को वाहन ने रौंद दिया। आर्मी की भर्ती के लिए युवक प्रतिदिन सुबह दौड़ लगाने निकलते थे और हाल ही में होने वाली सेना भर्ती की तैयारी कर रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही रंका थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हाइवा को जब्त कर लिया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इसके साथ ही यह भी पता लगा रही है कि हाइवा ओवरलोड क्यों था और चालक कौन था? वहीं स्थानीय लोगों का आरोप है कि रंका-रमकंडा रोड पर ओवरलोड वाहनों की तेज गति की वजह से हादसे हो रहे हैं लेकिन इन हादसों को रोकने के लिए पुख्ता कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

एक ही परिवार के चार लोगों का शव मिलने से सनसनी

पत्नी-बच्चे का घर और पति का खेत में मिला शव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दुमका। जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र के बरदेही गांव से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां पति-पत्नी और उसके दो बच्चों का शव बरामद किया गया है। घटना की जानकारी पाकर पुलिस मौके पर पहुंच मामले की जांच में जुटी गई है। यह घटना दुमका जिला मुख्यालय से लगभग 45 किलोमीटर दूर पर हुई है। पुलिस के मुताबिक पत्नी और दोनों बच्चे का शव घर से बरामद किया गया है जबकि पति की डेडबॉडी घर से थोड़ी दूर एक खेत में मिला है। उसके गले पर रस्सी के निशान मिले हैं। मृतकों की पहचान बीरेंद्र कुमार (32), आरती कुमारी (27), विराज कुमार (02) पुत्र और रूही कुमारी (04) के रूप में हुई है। दरअसल हंसडीहा थाना क्षेत्र के बरदेही गांव का रहने वाले बीरेंद्र कुमार (उम्र 32 वर्ष) जो पेशे से मछली विक्रेता थे, वह बीते शुक्रवार को ही अपनी पत्नी आरती कुमारी को मायके से अपने घर लाए थे। इस बीच रविवार सुबह परिजनों ने देखा कि पत्नी और दो बच्चे मृत अवस्था में पड़े हैं। इस बीच जब लोगों ने बीरेंद्र कुमार की खोजबीन शुरू की तो उनका शव घर से थोड़ी दूर पर खेत में मिला। इसके बाद लोगों ने तुरंत हंसडीहा पुलिस को मामले की सूचना दी। थाना प्रभारी ताराचंद अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और अनुसंधान शुरू किया। इस मामले में दुमका एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने बताया कि हमें भी शव बरामद होने की सूचना मिली है। पति, पत्नी और उनके दो बच्चों के शव बरामद किए गए हैं। एसपी ने बताया कि पुलिस टीम घटनास्थल पर मौजूद है। पुलिस जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है कि आखिर मौत कैसे हुई।

चतरा में इको पार्क का लोकार्पण 29 को

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। जिला मुख्यालय में निर्मित इको पार्क का लोकार्पण 29 नवंबर हो रहा है। लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल रहने के लिए पर्यटन मंत्री सदिव्य कुमार सोनू को निमंत्रित किया गया है। संभावना है कि राज्य के पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री लोकार्पण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। उनके साथ वन एवं पर्यावरण विभाग के शीर्ष अधिकारी उपस्थित रहेंगे। यहां पर स्पष्ट कर दें कि प्रदेश के रजत जयंती वर्ष पर 15 नवंबर को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राजधानी रांची से आनलाइन पार्क का उद्घाटन किए हैं। इसीलिए 29 नवंबर को यहां पर लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में स्थानीय सांसद कालीचरण सिंह, स्थानीय विधायक जनार्दन पासवान, उपायुक्त कीर्तिश्री जी, पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी व प्रबुद्ध जन उपस्थित रहेंगे।।

रांची में लगेंगे स्मार्ट टॉयलेट, सिक्का डालते ही खुलेगा दरवाजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची में पब्लिक टॉयलेट की गंदगी और खराब रख-रखाव को लेकर लगातार शिकायतें मिलती रही हैं। पानी की कमी, टूटी फिटिंग, दुर्गंध और नियमित सफाई न होने से शहरवासी परेशान होते रहे हैं। अब रांची नगर निगम इस समस्या को आधुनिक तकनीक की मदद से खत्म करने की तैयारी में है। निगम जल्द ही शहर में पे-एंड-यूज स्मार्ट टॉयलेट सिस्टम शुरू करने जा रहा है। इसमें सिक्का डालते ही टॉयलेट का दरवाजा अपने-आप खुल जाएगा और हर उपयोग के बाद ऑटो-फ्लश सिस्टम टॉयलेट को साफ कर देगा। नगर निगम के अधिकारी बताते हैं कि राजधानी में प्रतिदिन हजारों लोग आते-जाते हैं और साफ-सुथरे पब्लिक टॉयलेट की जरूरत लगातार महसूस की जाती है। स्मार्ट टॉयलेट इसी जरूरत को ध्यान में रखकर तैयार किया गया मॉडल है जो साफ-सफाई को सुनिश्चित करेगा और गलत उपयोग को भी रोकेगा। मशीन में सिक्का डालने के बाद ही दरवाजा अनलॉक होगा जिससे उपयोग नियंत्रित रहेगा और टॉयलेट हमेशा साफ-सुथरा अवस्था में मिलता रहेगा। इस योजना के तहत धुर्वा में सबसे पहले एक स्मार्ट टॉयलेट लगाया जाएगा। कुछ हफ्तों तक इसका ट्रायल चलाया जाएगा। इसमें मशीन की क्षमता, पानी की व्यवस्था, ऑटो-फ्लश के कामकाज और लोगों की प्रतिक्रिया का विशेष रूप से मूल्यांकन होगा। अगर टॉयलेट मॉडल सफल होता है तो निगम पूरे शहर में ऐसे टॉयलेट लगाने की योजना पर आगे बढ़ेगा। इसके लिए मुख्य बाजारों, पार्कों, बस स्टैंडों और व्यस्त सड़कों के किनारे स्थानों की पहचान शुरू कर दी गई है। रांची नगर निगम के अधिकारी गौतम कुमार साहू ने बताया कि इस पूरे प्रोजेक्ट का खाका तैयार कर लगातार मंथन जारी है। उन्होंने कहा कि शहर को सुंदर, स्वच्छ और स्मार्ट बनाने की दिशा में कई पहल की जा रही है और स्मार्ट टॉयलेट उसी कड़ी का अहम हिस्सा है। स्मार्ट टॉयलेट की एक और खास बात यह होगी कि यदि किसी दिन पानी की कमी हो जाए तो सिक्का डालने के बावजूद दरवाजा नहीं खुलेगा। यह नियम टॉयलेट में गंदगी और दुर्गंध की समस्या को काफी हद तक रोकने में मदद करेगा। इसके साथ-साथ नगर निगम अब शहर में जागरूकता अभियान भी चलाएगा, ताकि लोग सार्वजनिक सुविधाओं को जिम्मेदारी से उपयोग करें।

बाबा बैद्यनाथ धाम में नवान्न पर्व पर उमड़ी भीड़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में रविवार को नवान्न पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की ऐसी अभूतपूर्व भीड़ देखी गई। सुबह से ही कांवड़िया पथ से लेकर गर्भगृह तक भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। हजारों की संख्या में लोग अपने खेतों की पहली फसल लेकर पहुंचे और 'साकल' बनाकर बाबा भोलेनाथ को अर्पित किया। चावल, गुड़, घाघरा, मूली और अन्य खेती की उपज से बना यह साकल भक्तों के लिए वर्षभर सुख-समृद्धि की कामना का प्रतीक माना जाता है। बाबा को नई फसल अर्पित करने की यह परंपरा सदियों पुरानी है। यह विश्वास जुड़ा है कि किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत बाबा के आशीर्वाद के बिना अधूरी है। बाबा बैद्यनाथ धाम में नवान्न पर्व का अलग ही महत्व है। स्थानीय पुरोहितों के अनुसार यह परंपरा बहुत प्राचीन है और पीढ़ियों से भक्त इसे निभाते आ रहे हैं। पुरोहित बताते हैं कि नई फसल को सबसे पहले भगवान को अर्पित करने से वर्षभर अच्छी उपज होती है। घर-परिवार में शांति बनी रहती है। इस पर्व में देवघर के अलावा दुमका, गोड्डा, जमुई, बांका, गिरिडीह समेत आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं। कांवड़िया पथ पर भक्तों की आवाजाही लगातार जारी रही। हर श्रद्धालु अपनी क्षमता और आस्था के अनुसार नई फसल लेकर पहुंचा और गर्भगृह में बाबा के चरणों में अर्पित किया। जल, बेलपत्र और नए अनाज की पूजा के साथ मंदिर परिसर में घंटियों और मंत्रोच्चार की गूंज पूरे वातावरण को भक्तिमय करती रही। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन पहले से ही सतर्क दिखा। मंदिर परिसर में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ाई गई थी। प्रवेश और निकास मार्गों पर बैरिकेडिंग की गई और भक्तों की कतार को व्यवस्थित ढंग से गर्भगृह तक पहुंचाया गया। भीड़ के बावजूद पूजा-अर्चना शांतिपूर्वक संपन्न हुई।

एसआइआर के खिलाफ 14 दिसंबर को दिल्ली में कांग्रेस की रैली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। वोट चोरी और एसआईआर के खिलाफ कांग्रेस 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल रैली करने जा रही है। इस रैली में झारखंड से पांच हजार कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता शिरकत करेंगे। रविवार को इसकी घोषणा करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि दिल्ली की महारैली को सफल बनाने के लिए सभी जिला अध्यक्षों, सोशल मीडिया विभाग और बड़े संगठनों को निर्देश दे दिए गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने राज्य में गठबंधन की सरकार द्वारा 21 नवंबर से जारी 'सेवा सप्ताह' की सराहना करते हुए कहा कि राज्य की जनता के हितों की रक्षा करने के प्रति समर्पित सरकार चल रही है। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कांग्रेस भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस रैली में झारखंड से 5000 कांग्रेस कार्यकर्ता विभिन्न प्रमंडलों से भाग लेंगे। इसके लिए जिला अध्यक्षों को रैली में शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं की सूची तैयार करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि संचार के विभिन्न माध्यमों से रैली का प्रचार प्रसार किया जाएगा। देश में मतों की चोरी कर सरकार बनाई जा रही है। चुनाव आयोग ने सत्ता के इशारे पर पूरी चुनावी प्रक्रिया की गरिमा को ताक पर रख दिया है। इसलिए लोकतंत्र को बचाने के लिए जनता की आवाज को हमें बुलंद रखना है। उन्होंने कहा कि विगत वर्ष समस्याओं के तुरंत समाधान हेतु गठबंधन सरकार ने 'आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम चलाया था। इस कार्यक्रम की सराहना पूरे देश में हो रही है। लोक सेवा अधिनियम 2011 को सबसे पहले पहले मध्य प्रदेश, उसके बाद राजस्थान एवं झारखंड में एक साथ पारित किया गया था। यह अधिनियम तय समय सीमा में जनता के कार्यों को संपन्न करने की गारंटी देता है। नहीं होने पर इसमें दंडात्मक प्रावधान है। अधिनियम में निहित तथ्यों के तहत सरकार सेवा का अधिकार सप्ताह 21 से 28 नवंबर तक मना रही है। इसके लिए मुख्यमंत्री बधाई के पात्र हैं, जिनकी अगुवाई में सरकार जनता के दरवाजे पर पहुंच रही है। उन्होंने सभी वार्ड एवं मंडल अध्यक्षों को इस सेवा के अधिकार सप्ताह के तहत जन समस्याओं के समाधान के लिए पहल करने का निर्देश दिया। कांग्रेस ग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि इस देश के लोकतंत्र, संविधान और आम जनों के वोट के अधिकार की रक्षा के लिए जो लड़ाई कांग्रेस ग्रेस नेतृत्व ने छेड़ी है, उसकी सफलता के लिए हम संघर्ष की राह पर चलते रहेंगे। भाजपा और उसका नेतृत्व शासन में अपनी धमक देना चाहता है जिसका हम विरोध करते हैं। कहीं वोट चोरी करके वोटर लिस्ट से मतदाताओं का नाम हटाकर, कभी विधायकों की खरीद फरोख्त करके भाजपा सरकार बना रही है। इस चोरी के विरोध में दिल्ली की रैली में संविधान, लोकतंत्र और वोट के अधिकार पर विश्वास रखने वाली जनता शामिल होगी। यह रैली तय करेगी कि यह देश लोकतांत्रिक व्यवस्था से चलेगा। संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुंजनी, लाल किशोर नाथ शाहदेव, सोनाल शांति, केदार पासवान और राजन वर्मा उपस्थित थे।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।

2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।

3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

C M Y K

आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम अंतर्गत 'सेवा का अधिकार सप्ताह' के तहत शिविर आयोजित

गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन व उपायुक्त ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पात्र लाभुकों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने को लेकर उपायुक्त सक्रिय जनसेवा में किसी भी प्रकार की कोताही या लापरवाही नहीं चलेगी, शिविर निरीक्षण के दौरान उपायुक्त का स्पष्ट निर्देश गिरिडीह प्रखंड के बेरडोंगा पंचायत में 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम अंतर्गत 'सेवा का अधिकार सप्ताह' के तहत आयोजित शिविर का आज विधायक, कल्पना मुर्मू सोरेन एवं उपायुक्त रामनिवास यादव द्वारा निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान विधायक, गांडेय एवं उपायुक्त ने शिविर की व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन करते हुए आवेदन काउंटर, संबंधित विभागों के स्टॉल, शिविर में उपलब्ध विभिन्न सेवाओं, आवेदन की प्रक्रिया, आमजनों की सहभागिता एवं विधि-व्यवस्था का जायजा लिया। वहां उपस्थित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि आने वाले लाभार्थियों की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाए इस दौरान विधायक गांडेय ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम जनता को सरकारी सेवाएं उनके द्वार तक उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से प्रदान करें तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी शिविर में जाति, आवासीय एवं आय प्रमाण पत्र, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वास्थ्य बीमा, श्रम विभाग की योजनाओं सहित विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए, जिनमें से कई आवेदनों का मौके पर ही निष्पादन भी किया गया। उपायुक्त ने लोगों से अपील किया कि अधिक से अधिक संख्या में अपने नजदीकी शिविर में उपस्थित होकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। उक्त कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न विभागों से संबंधित जन शिकायतों का निवारण, लंबित मामलों का निष्पादन तथा आवश्यक सेवाओं का त्वरित लाभ लोगों तक पहुँचाया जा रहा है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सभी जरूरतमंद व्यक्ति शिविर में उपस्थित हो कर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाएं। साथ ही लोगों से आग्रह किया गया कि उन्हें जो भी समस्याएँ हो रही हैं, उन्हें जिला प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत करें, ताकि संबंधित मामलों का शीघ्र एवं प्रभावी समाधान किया जा सके। जिला प्रशासन आम नागरिकों की सुविधा एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और "सेवा का अधिकार सप्ताह" इसी दिशा में एक सार्थक पहल है।

कल्पना मुर्मू सोरेन का आगमन बेहद खास रहा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। दोपहर गांडेय विधायक और मुख्यमंत्री की पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन का आगमन बेहद खास रहा। दोपहर 12 बजे जैसे ही वे नए परिसदन भवन पहुंचीं, वहां पहले से मौजूद कार्यकताओं और नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

इस दौरान मंत्री सुदिव्य कुमार, डीसी रामनिवास यादव, एसपी डॉ. विमल कुमार, झामुमो जिला अध्यक्ष संजय सिंह समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे। कल्पना सोरेन के स्वागत में फूल-मालाओं, जयकारों और उत्साह की कोई कमी नहीं दिखी। पूरा परिसर एक उत्सवी माहौल में बदल गया। नया परिसदन भवन पहुंचने के बाद कल्पना मुर्मू सोरेन ने कुछ देर पदाधिकारियों और मंत्री सुदिव्य कुमार के साथ बैठक की। क्षेत्रीय विकास, योजनाओं की स्थिति और कार्यक्रमों को लेकर संक्षिप्त चर्चा के बाद वे आगे के कार्यक्रम के लिए निकल पड़ीं। इसके बाद कल्पना सोरेन और मंत्री सुदिव्य कुमार बेदोंगा पंचायत में आयोजित 'आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना हुए। यह कार्यक्रम लोगों तक सरकारी योजनाओं को सीधे पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। कल्पना सोरेन के आगमन को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था सख्त और व्यवस्थित रखी थी। नए परिसदन भवन से लेकर बेदोंगा पंचायत तक पुलिस बल सक्रिय रहा। एसपी डॉ. विमल कुमार की देखरेख में सुरक्षा टीम पूरी मुस्तैदी से तैनात रही, जिसके कारण पूरा दौरा शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित रहा।

गढ़वा में करंट लगने से हथिनी की मौत, इलाके में शोक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा जिले के चिनियां थाना क्षेत्र के कारी-माटी चपकली रोड पर रविवार तड़के एक दर्दनाक हादसा हुआ। जंगल की ओर लौट रहे जंगली हाथियों के झुंड में शामिल एक हथिनी 11,000 वोल्ट के हाईटेंशन बिजली तार की चपेट में आकर मौके पर ही मर गई।

ग्रामीणों के अनुसार, झुंड में आगे चल रही हथिनी बिजली पोल से टकराई, जिससे बिक्रॉस आर्म का नट-बोल्ट टूट गया और तार नीचे झुक गया। नीचे आए तार में करंट प्रवाहित होने के कारण हथिनी की तत्काल मौत हो गई। घटना की खबर फैलते ही आसपास के गांवों से लोग जुट गए और बिजली व्यवस्था की लापरवाही पर आक्रोश व्यक्त किया। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। प्रभारी वनपाल अनिमेष कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में करंट लगना ही मौत का कारण प्रतीत होता है। अंतिम पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद होगी।हादसे ने एक बार फिर जंगली हाथियों की सुरक्षा और विद्युत संरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हाईवा की चपेट में आने से दो युवकों की मौत, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा जिले के रंका-रमकंडा मुख्य सड़क पर रविवार सुबह गिट्टी से भरे एक अनियंत्रित हाईवा ने दौड़ का अभ्यास कर रहे दो युवकों को रौंद दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा रंका थाना से करीब 200 मीटर दूर एक तीखे मोड़ पर हुआ, जहां हाईवा पलट गया और दोनों युवक गिट्टी के नीचे दब गए। मृतकों की पहचान मानपुर गांव के राजू कुमार रवि (22) और अनिल कुमार रवि (21) के रूप में हुई।

घटना के बाद ग्रामीणों ने आक्रोश में सड़क जाम कर दिया। मौके पर एसडीओ रुद्र प्रताप, एसडीपीओ रोहित रंजन सिंह सहित पुलिस बल पहुंचा और शवों को जेसीबी से गिट्टी हटाकर बरामद कर थाना लाया गया। पुलिस ने दोनों की मौत की पुष्टि की है।

गिरिडीह बार एसोसिएशन चुनाव के लिए नामांकन जारी, कुल 47 क्लबों में दाखिल किया नामांकन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। बार एसोसिएशन चुनाव के लिए नामांकन के अंतिम दिन शनिवार को कुल 45 क्लबों ने अपना नामांकन नामांकन दाखिल किया। वंही इस दौरान कोर्ट पायल में काफी गहरी गमी का मनमोहक नजारा देखने को मिला। गिरिडीह बार एसोसिएशन के चुनाव को लेकर जारी नामांकन के अंतिम दिन शनिवार को कोर्ट पाइल में काफी गहरा गमी का माहौल रहा। इस दौरान नामांकन के अंतिम दिन अलग-अलग नामांकन के लिए कई नामांकनों ने नामांकन दाखिल किया।

इससे पहले उन्होंने कोर्ट परिसर में स्थित हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की, जिसके बाद उन्होंने संघ भवन क्षेत्र के लिए अपनी जांच के साथ नामांकन किया, जहां पुरिनासीन की भूमिका के अनुरूप उन्होंने नामांकन नामांकन की नियुक्ति की प्रकिर्या दिन भर चले नामांकन के दौरान पद के लिए मीरा कुमारी और अमित सिन्हा ने अपनी दावेदारी के साथ फिरसीन मूर्ति के पास नामांकन पद के लिए नामांकन किया। जबकि नामांकित सदस्यों के लिए नामांकित अमित सिन्हा के अपाचे में विभिन्न-अलग-अलग स्थानों के लिए नामांकित नामांकन शामिल थे। इस एसोसिएशन में पुरसीनों के लिए नामांकन फॉर्म दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि रविवार को सभी नामांकन फॉर्म की स्कूटनी की जाएगी, इसके बाद दूसरे दिन नाम वापस लेने की प्रक्रिया होगी और 4 दिसंबर को नामांकन फॉर्म की स्कूटनी की जाएगी। इस मशीन पर सभी चुनावी रूपरेखाएँ मौजूद थीं।

सरकार आपके द्वार का लाभ उठाएं जनता : सुदिव्य

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नम्बर 04, 05 और 06 का संयुक्त रूप से बाजार समिति गिरिडीह में रविवार को आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार अंतर्गत सेवा सप्ताह अभियान में झारखंड सरकार के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने पहुंचकर विभिन्न विभागों के द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया ।

मौके पर मंत्री ने कई लाभुकों के बीच योजना का लाभ संबंधी स्वीकृति पत्र वितरित किया । शिविर में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अबुआ सरकार जनता की सेवा के लिए तत्पर है। सेवा का अधिकार कानून 2011 के तहत विभिन्न विभागों के सूचीबद्ध कार्य ससमय होना चाहिए। उन्होंने उप नगर आयुक्त प्रशांत कुमार लायक को निर्देश दिया कि सभी विभागों में आवेदन देने वाले आवेदकों की समस्या का समाधान शिविर में ही करना सुनिश्चित करें। जिसका समाधान नहीं हो सके वैसे आवेदकों को एक रिसिविंग जरूर मिलना चाहिए ताकि एक समय सीमा के अंदर उन लोगों की समस्याओं का समाधान हो सके। मौके पर झामुमो के जिला उपाध्यक्ष शाहनवाज अंसारी, जिला प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा, नगर अध्यक्ष रॉकी सिंह, नूर अहमद, निरंजन राय सहित कई लोग मौजूद थे।

वैक्सीनेशन अवेयरनेस प्रोग्राम का सफल आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सलूजा गोल्ड कॉलेज ऑफ फामेर्सी, गिरिडीह द्वारा 64वें नेशनल फामेर्सी वीक 2025 के उपलक्ष्य में टीकाकरण जागरूकता रैली वैक्सीनेशन अवेयरनेस प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया। यह जागरूकता रैली ग्रामीण क्षेत्र में स्थित विद्यालय एवं आसपास के समुदाय में चलायी गयी इस रैली का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों में टीकाकरण के महत्व, स्वास्थ्य सुरक्षा तथा रोगों की रोकथाम के प्रति जागरूकता फैलाना था।

कॉलेज के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने लोगों को जागरूक करने हेतु पोस्टर, स्लोगन, पंपलेट तथा जनसंदेश के माध्यम से टीकाकरण की अनिवार्यता और लाभ समझाए कॉलेज के प्रधानाध्यापक दिवाकर तिवारी ने कहा की हमारे कॉलेज द्वारा समय-समय पर ऐसे सामाजिक एवं स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों का आयोजन किया जाता रहा है। इस प्रकार के कार्यक्रम आगे भी निरंतर चलाए जाएंगे ताकि समाज के अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य एवं टीकाकरण के प्रति जागरूक किया जा सके रैली में फामेर्सी छात्रों, फैकल्टी सदस्यों तथा कॉलेज प्रशासन ने सक्रिय रूप से सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य संदेश था कि टीकाकरण ही रोगों से बचाव का सबसे सुरक्षित और प्रभावी तरीका है।

गुरु तेग बहादर सिमरै घर नउ निध आवे धाय

■ हिंद की चादर कहे जाने वाले श्री गुरु तेग बहादर साहेब जी का 350 वां शताब्दी शहीदी दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद, सेवा भारती, समेत कई संस्थाओं से जुड़े हुए लोगों ने लिया भाग हिन्द की चादर कहे जाने वाले सिखों के 9 वें गुरू धन धन श्री गुरू तेग बहादर जी का 350 वां शताब्दी शहीदी दिवस दिवस बहुत ही श्रद्धापूर्वक स्टेशन रोड स्थित गुरूद्वारा में रविवार को गुरूद्वारा गुरु सिंघ सभा प्रबंधन कमिटी की ओर से मनाया गया। इस दौरान गुरूद्वारा के मुख्य ग्रंथी भाई सतनाम सिंह के द्वारा शबद-कीर्तन प्रस्तुत किया गया।

उन्होंने गुरु तेग बहादर सिमरै घर नउ निध आवे धाय शीश दिया पर सी न ऊंचरी समेत कई शबद-कीर्तन प्रस्तुत किए और उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला गया। जिसे सुनकर सात संगत की आंखे नम हो गई। शहीदी दिवस को लेकर बीते 8 नवंबर से चल रहे सहज पाठ का समापन आज रविवार को हो गया। शहीदी दिवस को लेकर 6 नवंबर से रोजाना गुरुद्वारे में उनकी वाणी को पढ़ा गया। मौके पर गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के मुख्य प्रधान सेवक गुणवंत सिंह मोंगिया ने कहा कि जब धर्म के नाम पर मर मिटने की बात आती है तो सिख समुदाय का नाम हमेशा ही सम्मान के साथ लिया जाता है। सिखों के नौवें गुरु गुरु तेग बहादुर ऐसे ही एक विलक्षण प्रतिभा के धनी थे जिन्होंने हिंदू धर्म के सम्मान को बरकरार रखने के लिए अपनी जान की भी परवाह नहीं की। हिंदू धर्म की रक्षा के लिए गुरु तेग बहादुर ने हंसते हंसते बलिदान दे दिया किंतु हिंदू धर्म को झुकने नहीं दिया। वे भारत और भारतीयता अर्थात हिंदुत्व की रक्षा के लिए सदैव स्मरण किए जाएंगे। कहा की गुरु तेग बहादुर को हिंद की चादर कहा जाता है। कहां की जब औरंगजेब ने कश्मीरी पंडितों पर अत्याचार शुरू कर दिया। तो उन्होंने गुरु तेग बहादुर जी से गुहार लगाई। इस पर गुरु ने धर्म की रक्षा के लिए और कश्मीरो पंडितों को बचाने के लिए अपना शीश न्योछावर कर दिया। इस दौरान आरएसएस के धर्मवीर सिंह ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी और उनके पुत्र गुरु गोबिंद सिंह जी और उनके चारों पोते यानि चारों साहिबजादे और उनके परिवार की जीवनी को विद्यालय महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच भी जानकारी देनी चाहिए। कहां की इस बार आरएसएस ने संकल्प लिया है कि वह घर-घर तक जाकर शहीदों की शहीदी के बारे में बताएंगे। मौके पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सचिव नरेंद्र सिंह सलूजा उर्फ सम्मी आदि मौजूद थे।

पाटन में एक व्यक्ति का शव बरामद

पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पाटन थाना क्षेत्र के जंघासी गांव में 45 वर्षीय श्रवण भुइयां का शव संदिग्ध अवस्था में खेत से बरामद हुआ। परिजनों के मुताबिक, शनिवार रात पिता जब खाना देने पहुंचे तो श्रवण मृत पाया गया। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने गांव के ही सलीम मियां पर 6 साल पुराने जमीनी विवाद को लेकर हत्या का शक जताया है। घटना की जानकारी मिलने पर जिला परिषद सदस्य संग्राम सिंह ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर तीन सदस्यीय मेडिकल टीम से पोस्टमार्टम करवाया और दोषियों को कठोर सजा देने की मांग की।

श्रमेव जयते देश के श्रम शक्ति का कवच, मोदी ने ऊंचा किया देश का मस्तक : अविनाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्य समिति सदस्य अविनाश कुमार वर्मा ने एक बयान जारी कर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ मनसुख मंडावीया को देश में चार श्रम संहिताएं लागू करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश में पहली बार श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए जो निर्णय लिए गए हैं वह आत्मनिर्भर भारत के लिए मिल का पत्थर है।

अविनाश वर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि 21 नवंबर 2025 से श्रम संहिताओं को अधिसूचित करते हुए जो कानून बनाए गए हैं उसमें मजदूरी संहिता 2019, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020, औद्योगिक संबंध संहिता 2020 व व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य दशाएं संहिता 2020 शामिल हैं। इसके अंतर्गत देश के सभी श्रमिकों को अनिवार्य रूप से नियुक्ति पत्र निर्गत करना, न्यूनतम मजदूरी के साथ समय पर वेतन का भुगतान करना, महिला व पुरुष श्रमिकों को एक समान वेतन का भुगतान करना, देश के सभी 40 करोड़ श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा निश्चित करना, सभी श्रमिकों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच अनिवार्य करने जैसे कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। यह अपने आप में मोदी सरकार के द्वारा लिए गए कई ऐतिहासिक फैसलों में से एक है। अविनाश वर्मा ने कहा कि उक्त कानून के लागू हो जाने से अब देश में किसी भी स्तर की कंपनियां, संस्थाएं या घराने से जुड़े श्रमिक या कर्मचारीयों को अपनी मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा। श्रमिकों व कर्मचारियों के शोषण से संबंधित आचरण व घटनाओं पर अंकुश लगेगा। वर्मा ने कहा कि आज श्रमिकों व कर्मचारी के मजबूरी का फायदा पुराने श्रम कानून की आड़ में कई कंपनियां, फैक्ट्रीयां व संस्थाओं के प्रबंधकों के द्वारा अपनी मनमानियां पर अनावश्यक रूप से न्यायालय का डर दिखाकर शोषण किए जाते थे, वहां पर अब लगाम लगेगा। उन्होंने कहा कि उक्त कानून लागू हो जाने से अन्य क्षेत्रों के साथ सर्वाधिक सुखद अनुभव करने वाले क्षेत्र में से एक मीडिया घरानों के श्रमिक व कर्मी भी होंगे, जहां मीडिया व डिजिटल वर्क्स को आधिकारिक कवर के साथ पत्रकार, डबिंग आर्टिस्ट, फ्रीलांसर को भी लेबर प्रोटेक्शन के दायरे में लाया गया है। इसका सुखद पहलू यह है कि अब उन्हें भी नियुक्ति पत्र, समय पर वेतन के साथ उनके कार्य अवधि भी तय किए जाएंगे। वर्मा ने कहा कि देश के इतने बड़े श्रमिकों के समूह को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने देश के पुराने 29 श्रमिक कानूनों को विलोपित करते हुए एक नए रूप में कानून बनाकर भारत के कार्यबल को सुरक्षा कवच के साथ नए युग के शुभारंभ के लिए तैयार करते हुए अपने देश के श्रम शक्ति पर गर्व किया है। जबकि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी श्रमिकों व कर्मचारी के सम्मान में श्रमेव जयते का नारा देकर देश के श्रम शक्ति का मस्तक ऊंचा किया है।

रामकृष्ण महिला महाविद्यालय में एनसीसी दिवस मनाया गया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। रामकृष्ण महिला महाविद्यालय गिरिडीह में आज एनसीसी दिवस मनाया गया। जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरूआत सीटीओ द्वारा अतिथियों को पौधा भेंट कर किया गया और अतिथियों का स्वागत करते हुए एनसीसी दिवस की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. मधुश्री सेन सान्याल ने छात्राओं को संदेश देते हुए कहा कि आप में नेतृत्व क्षमता का विकास होगा।

आप सभी देश की सेवा समर्पण की भावना के साथ कार्य करें।एकता और अनुशासन को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपनाए और देश की प्रगति में योगदान दें। उन्होंने छात्राओं द्वारा कार्यक्रम की सफल संचालन की सराहना की, और कहा कि इस अवसर आप सभी के बीच आकर मै बहुत हर्षित हूं। प्राचार्य डॉ. के. एन शर्मा ने कहा कि एनसीसी ना सिर्फ अनुशासन और एकता सिखाता है बल्कि जीवन में चरित्र निर्माण नेतृत्व क्षमता से आत्मविश्वास बढ़ता है। इस अवसर पर महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम के आयोजन किए गए दौड़ में आकृति, शायला और नंदनी ,पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में साल्वी, प्रीति और काजल को प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान मिला। रंगोली और नृत्य प्रतियोगिता में भी छात्राओं ने उम्दा प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विजेता हुई छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन कैडेट आकृति साव और धन्यवाद ज्ञापन कैडेट् शिवांगी ने किया। कार्यक्रम में डॉ संजीव कुमार सिन्हा, प्रो. रेणुका साहू,प्रो नम्रता तिर्की, प्रो. दीपिका कुमारी ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में कैडेट्स निशा, गीता, मन्नत आयशा, संतोषी, शाजिया श्रीमान साल्वी, महेंद्र कुमार, प्रतिमा देवी, चिंता देवी ने अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

बच्चों के द्वारा मनाया गया 78वां एनसीसी दिवस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। डीएवी पब्लिक स्कूल सीसीएल, गिरिडीह के प्रांगण में 78वां एनसीसी दिवस एनसीसी के बच्चों के द्वारा मनाया गया। एनसीसी दिवस के मुख्य अतिथि प्राचार्य ओम प्रकाश गोयल, सुपरवाइजरी हेड शबाना रब्बानी और सुपरवाइजरी हेड विश्वनाथ घोषाल थे।

बच्चों ने एक नाटक और एक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। एनसीसी के बच्चों ने एकता और अनुशासन को एनसीसी का मूल मंत्र बताया। आज के इस कार्यक्रम का मंच संचालन श्वेता और आराध्या ने किया। मुख्य अतिथि सुपरवाइजरी हेड शबाना रब्बानी ने कहा कि एनसीसी लगन, दृढ़ता, साहस और अनुशासन का प्रतीक है। हमारे विद्यालय के बच्चे इस राह पर चलने को अग्रसर है।धन्यवाद ज्ञापन देते हुए शिक्षिका अनीता ओझा ने सभी अतिथियों सहित सभी उपस्थित शिक्षकों का धन्यवाद देते हुए कहा कि छुट्टी के बावजूद वह यहां एनसीसी के बच्चों को उत्साहित करने के लिए आए हैं उन सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद। कार्यक्रम का समापन एनसीसी गान के साथ हुआ।

कतरीसराय से पांच साइबर ठग गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। गुप्त सूचना के आधार पर नालंदा पुलिस ने साइबर ठगी करने वाले एक सक्रिय गिरोह पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर की गई, जिसके लिए थाना स्तर पर एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया था। छापामारी टीम सूचना सत्यापन के लिए प्रखंड कार्यालय कतरीसराय के पीछे स्थित गुड्डू कुमार के घर पहुंची। घेराबंदी के दौरान घर से कई युवक भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुल पांच व्यक्तियों को मौके पर ही पकड़ लिया, जबकि दो आरोपी भागने में सफल रहे। गिरफ्तार व्यक्तियों के पास से साइबर फ्रॉड में उपयोग किए जाने वाले कई आपत्तिजनक उपकरण और दस्तावेज बरामद किए गए। सभी को थाना लाया गया है। दो फरार आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापामारी जारी है। इस संबंध में संबंधित थाना में कांड दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। गिरफ्तार आरोपियों में गुड्डू कुमार, कुंदन कुमार उर्फ चंदन कुमार, राजकरण यादव, आकाश कुमार एवं एक विधि-विरुद्ध किशोर शामिल है। सभी आरोपी कतरीसराय के निवासी हैं। आरोपियों के पास से 08 मोबाइल फोन,39 हजार नकद, 02 एटीएम कार्ड, 03 बैंक पासबुक बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार बरामद मोबाइल और दस्तावेजों की तकनीकी जांच की जा रही है, जिससे गिरोह के नेटवर्क के बारे में और भी महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की संभावना है। छापामारी टीम में थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार,अपर थानाध्यक्ष आदित्य कुमार, पु.अ.नि. संजय कुमार सिंह, स.अ.नि. मनीष कुमार, धर्मेंद्र कुमार शामिल थे।

विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा, डा. मानव एवं मुख्य पार्षद ने किया उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हिलसा (नालंदा)। बाल वैज्ञानिकों ने अपनी प्रतिभा का बेजोड़ प्रदर्शन किया है, ये उनके अंदर की मेधा शक्ति को दर्शाता है जो बेहद ही प्रेरक है। उक्त बातें समाजसेवी डा. आशुतोष कुमार मानव एवं नगर परिषद हिलसा के मुख्य पार्षद धनंजय कुमार ने बिहार रोड स्थित विद्या विहार के प्रांगण में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी सह बाल मेला का विधिवत शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने कहा कि छोटे छोटे बच्चों ने विज्ञान आधारित कई विषयों पर प्रोजेक्ट लगाकर अभिभावकों का भी मन मोह लिया है। विद्या विहार के निदेशक अरविंद प्रसाद एवं विजय कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को विशेष तौर से सम्मानित करने की घोषणा की। इस अवसर पर अतिथियों ने बाल मेला का भी अवलोकन किया तथा बच्चों द्वारा बनाए गए लज़ीज़ व्यंजन की जमकर तारीफ़ की।

युवा जदयू ने नीतीश मॉडल पर मुहर लगाने के लिए बिहार की जनता का आभार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। एकंगरसराय प्रखंड में रविवार को युवा जनता दल यूनाइटेड के कार्यकर्ताओं ने ऐतिहासिक पल का उल्लास मनाते हुए एक-दूसरे को गुलाल लगाकर और मिठाइयां खिलाकर खुशी का इजहार किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण के बाद पूरे नालन्दा जिले में उत्साह का माहौल देखने को मिला। युवा जदयू के जिलाध्यक्ष धीरज पटेल और नगर अध्यक्ष राहुल रंजन कुशवाहा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि नीतीश कुमार का पुनः मुख्यमंत्री बनना बिहार ही नहीं, पूरे देश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने एक बार फिर मुख्यमंत्री पर अटूट विश्वास जताकर 'नीतीश मॉडल' को मजबूत समर्थन दिया है। उन्होंने जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हर वर्ग ने अपने स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद से इस ऐतिहासिक क्षण को संभव बनाया है। शपथ ग्रहण के बाद एनडीए समर्थित जदयू कार्यकर्ताओं ने जमकर अबीर-गुलाल उड़ाया और मिठाइयां बांटकर जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पूरे जिले में उत्साह और हर्ष का माहौल है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा श्रवण कुमार को पुनः मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने के फैसले का स्वागत किया और इसके लिए उनका धन्यवाद प्रकट किया।

जदयू कार्यकर्ताओं ने कहा कि मंत्री श्रवण कुमार सदैव कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों के सुख-दुख में शामिल रहते हैं। वे गरीबों, वंचितों के विकास को लेकर निरंतर तत्पर रहते हैं और समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयासरत रहते हैं। क्षेत्रीय नेताओं ने इस्लामपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं के प्रति भी आभार जताया, जिन्होंने एनडीए समर्थित जदयू उम्मीदवार युवा नेता रोहेल रंजन को रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाया। नेताओं ने कहा कि नालन्दा की जनता ने लोकतंत्र को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिस उत्साह के साथ लोगों ने मतदान में भाग लिया, उससे जिले में सकारात्मक माहौल बना है। जनता द्वारा दिए गए इस प्रेम, समर्थन और आशीर्वाद ने बिहार में विकास की नई कहानी को आगे बढ़ाया है। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष जयप्रकाश सिंह, सौरभ पासवान, हरेन्द्र रविदास, अभिषेक कुमार, नरेश रविदास, आदित्य राज, पठा यदुवंशी, रजनीश रंजन, अंगद पाण्डेय, कुंदन राम सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ब्राउन सुगर के साथ दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। बिहार थाना पुलिस ने रविवार को गौरागढ़ मोहल्ला में छापामारी कर भारी मात्रा में ब्राउन सुगर की पुड़िया के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने 5 लाख 12 हजार 605 रुपया भी बरामद की है। गश्ती के दौरान पुलिस ने नशे की हालत में सड़क पर हंगामा कर रहे एक युवक को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम आशुतोष कुमार उर्फ राहुल कुमार, उम्र 27 वर्ष, पिता विनोद कुमार, निवासी नईसराय, नरसलीगंज (थाना–बिहार) बताया। युवक ने खुलासा किया कि वह स्मैक/ब्राउन सुगर बेचने का काम करता है और यह माल गौरागढ़ मोहल्ला के सुधीर कुमार तथा पंडितनगर निवासी निरंजन कुमार उर्फ गंडोल से लाकर

बेचता है। जिसके बाद अंचलाधिकारी बिहारशरीफ और थानाध्यक्ष बिहार के नेतृत्व में गौरागढ़ मोहल्ला स्थित सुधीर कुमार के घर की घेराबंदी कर छापामारी की गई। तलाशी में पुलिस ने 548 पुड़िया (289.15 ग्राम) ब्राउन सुगर, 5 लाख 12 हजार 605 नकद बरामद किया। गृहस्वामी सुधीर कुमार ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह ब्राउन सुगर बेचने के लिए घर में रखता था और बरामद नकदी इसी अवैध कारोबार की कमाई है। पुलिस ने मौके से आशुतोष उर्फ राहुल कुमार एवं सुधीर कुमार को गिरफ्तार कर लिया। निरंजन कुमार उर्फ गंडोल की तलाश जारी है। पुलिस ने सभी बरामद सामग्रियों की विधिवत जब्ती सूची तैयार कर बिहार थाना में मामला दर्ज कर लिया है। छापामारी टीम में थानाध्यक्ष सहित अन्य शामिल थे।

पटेल की एकता को आगे बढ़ाएगा मार्च : सांसद

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर 25 नवंबर को होगा यूनिटी मार्च

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश पर मेरा युवा भारत के तहत जिला स्तरीय यूनिटी मार्च का आयोजन 25 नवंबर को राजगीर में किया जाएगा। सांसद कौशलेन्द्र कुमार ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि यह पदयात्रा पूरे देश में एक साथ आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा सरदार पटेल ने बिखरे भारत को जोड़ा। यह मार्च उसी भावना को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास है। उन्होंने बताया कि पदयात्रा 25 नवंबर को सुबह 10 बजे जवाहर नवोदय विद्यालय, राजगीर से निकलेगी। इसमें

छात्र, युवा संगठन, स्वयंसेवक, सामाजिक कार्यकर्ता और वरिष्ठ नागरिक बड़ी संख्या में शामिल होंगे। उपनिदेशक दीक्षा मिश्रा ने बताया कि 6 अक्टूबर 2025 को केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने एमवाई भारत पोर्टल पर इस अभियान का डिजिटल शुभारंभ किया था। उन्होंने कहा कि यह पहल युवाओं में एक भारत-श्रेष्ठ भारत और आत्मनिर्भर भारत की भावना मजबूत करने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कामना प्रतिक राज, मुस्कान, सुमंत, रजनी सहित कई युवा उपस्थित थे।

नहर किनारे खाई में गिरी कार, चालक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। सिलाव थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक कार नहर किनारे खाई में जा गिरी, जिसमें कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना का खुलासा रविवार सुबह तब हुआ, जब ग्रामीणों ने सड़क किनारे खाई में पड़ी दुर्घटनाग्रस्त कार को देखा। हादसा नानंद–गिरियक मार्ग पर चंडी मऊ गांव के पास हुआ। ग्रामीणों ने कार के अंदर झाँक कर देखा तो एक युवक स्टीयरिंग में फंसा था। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। काफी मशक्कत के बाद युवक को कार से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक वह मृत पाया गया। घंटों बाद मृतक की पहचान राजगीर थाना क्षेत्र के बकसू निवासी 33 वर्षीय रवि शंकर कुमार उर्फ रजनीश कुमार, पिता ललन सिंह के रूप में की गई। ग्रामीणों के अनुसार, रवि शंकर अपनी कार से भाड़े पर यात्रियों को ले जाने का काम करते थे। संभावना है कि वह देर रात बिहार शरीफ से घर लौट रहे थे, तभी वाहन अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। सिलाव थाना प्रभारी मुरली मनोहर आजाद ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कार के तेज रफ्तार से अनियंत्रित होने की बात सामने आई है।

प्रखंड पेंशनर समाज का त्रिवार्षिक चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नारदीगंज, नवादा। प्रखंड मुख्यालय स्थित पेंशनर भवन में प्रखंड पेंशनर समाज का त्रिवार्षिक चुनाव रविवार को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से कराया गया। यह चुनाव में वर्ष 2026-2028 सत्र के लिए पदाधिकारियों व कार्यकारणी सदस्यों के मनोनयन पर्यवेक्षक के देखरेख में सम्पन्न हुआ। पर्यवेक्षक के रुप में सेवानिवृत्त शिक्षक सह केवाली निवासी राम नरेश प्रसाद सिंह की मौजूदगी में कराया गया। इस दौरान आम पेंशनरों के द्वारा 15 सदस्यीय कमिटी का चयन किया गया। जिसमें सात पदाधिकारी व आठ कार्यकारिणी सदस्य का चयन सर्वसम्मति से किया गया। सर्वसम्मति से नारदीगंज शाखा के प्रखंड पेंशनर समाज के प्रखंड अध्यक्ष के पद पर रामधनी प्रसाद को व सचिव पद पर श्रीकांत सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई। वही प्रखंड उपाध्यक्ष पद पर कैलाश प्रसाद यादव और प्रवीण कुमार को चयन किया गया है। इसके अलावा संयुक्त सचिव पद पर सुखदेव प्रसाद व नरेश कुमार को बनाया गया है। कोषाध्यक्ष के पद पर कामता प्रसाद सिंह को पदभार दिया गया है। इसके अलावा पेंशनर समाज के कार्यकारिणी सदस्यों में बलिराम प्रसाद सिंह, यमुना सिंह, रघुनंदन प्रसाद,भुनेश्वर प्रसाद सिंह, अलख पासवान, दशरथ प्रसाद,रामाधीन सिंह और चंद्रिका प्रसाद सिंह को सदस्य बनाये गए हैं। इस आम चुनाव में 30 पेंशनर समाज के लोगों ने भागीदारी सुनिश्चित की। चुनाव के पूर्व पेंशनर समाज की बैठक हुई। अध्यक्षता पेंशनर समाज के प्रखंड अध्यक्ष रामधनी प्रसाद व सेवानिवृत्त प्राचार्य बलिराम प्रसाद सिंह ने संयुक्त रुप से की। उसके बाद पुरानी कमिटी को भंग कर नई कमिटी का गठन करने के लिए आम सहमति बनी। तब सर्वसम्मति से प्रखंड पेंशनर समाज का गठन किया गया। कहा गया चुनाव की लिखित सूचना जिला शाखा में भेजी जाएगी।

यदुवंशी एकता जागृति मंच की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पकरीबरावां। रविवार को प्रखण्ड मुख्यालय स्थित स्व. कृष्णा प्रसाद सामुदायिक भवन पकरीबरावां में यदुवंशी जागृति एकता मंच की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखण्ड अध्यक्ष दिनेश यादव ने की। बैठक में कहा गया कि समाज में आपसी कटुता एवं वैमनस्यता के कारण समाज के हरेक वर्ग के लोग शिकार हो सकते हैं।

चुनावी प्रक्रिया में मजबूती के लिए अनुज सिंह समर्थकों की समीक्षा बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। हाल में ही संपन्न हुए बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बाद रविवार को न्यू एरिया के सभागार में डॉ अनुज सिंह समर्थकों की की समीक्षा बैठक हुई, जिसमें कि विधानसभा क्षेत्र के हजारों समर्थकों ने एकजुटता का परिचय दिया। इस बैठक में नवादा विधानसभा के सभी पंचायत एवं वार्ड के सभी जाति वर्ग के प्रबुद्ध, बुद्धिजीवी नागरिक शामिल हुए। बैठक में आगे के लिए रणनीति बनी एवं चुनाव परिणामों तथा संगठनात्मक गतिविधियों से जुड़े सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए नवादा विधानसभा क्षेत्र से विधायक प्रत्याशी रहे डॉ अनुज सिंह ने कहा कि जो जनादेश आया वह हमें पूर्ण रूप से स्वीकार है। हमने पूरे नवादा विधानसभा घूम-घूम कर देख लिया। धरातल पर जो हालात थे, उससे नवादा विधानसभा का हर आदमी अवगत

था। पिछले जनप्रतिनिधियों के खिलाफ एक आक्रोश था, लेकिन जिस तरह से जनादेश आया है कहीं ना कहीं विचार करने का समय है । जनादेश पक्ष में आने का नहीं की वजह सरकार की योजनाओं की वजह से महिला मतदाताओं ने एक तरफा वोट किया। दूसरी वजह यह है कि हमारे विरोधियों द्वारा भ्रामक प्रचार किया गया। आज। हम सभी उस पर विचार विमर्श करेंगे।अब हम सभी मिलकर और मजबूती से बूथ लेवल और पंचायत लेवल पर काम करने के लिए आगे बढ़ेंगे। अब हम सब मिलकर चाहे वह पंचायत चुनाव हो, नगर परिषद का चुनाव हो, पैक्स चुनाव हो हमारे समर्थक सभी में भाग लेंगे और मेरा साथ उन्हें मिलेगा और पुरे नवादा विधानसभा में स्वच्छ राजनीति का आगाज होगा। हम हाथ पर हाथ धर कर बैठने वाले लोगों में से नहीं है ।यह तो अभी शुरुआत है, आने वाले समय में आप समर्थकों के सहयोग से जिला स्तर का चुनाव जीतने का काम करेंगे। चुनाव परिणाम में सरकार के द्वारा चलाए गए योजनाओं का एक बड़ा असर देखने को मिला है,हम सबों को यह भी देखना है कि हम कहां पीछे रह गए हैं और उन्हें सुधार कर आगे बढ़ते जाना है। मौके पर मौजूद समाजसेवी अनिल कुमार सिंह ने कहा कि आप सभी समर्थकों के सहयोग से विधानसभा क्षेत्र में हमने अपनी शानदार उपस्थिति दर्ज कराई है और आने वाले समय में चुनावी प्रक्रिया में और मजबूती से अपनी भागीदारी निभाएंगे। नारदीगंज पूर्व प्रमुख गौरी शंकर सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह हार हमारे लिए एक सबक के जैसा है हमें यह ध्यान देना है कि आखिर हम सबों से कहां पर चूक हुई है और आने वाले चुनावी प्रक्रिया में उसे सुधार कर अपना प्रतिनिधित्व बनाए रखेंगे। युवा नेता चंदन कुमार ने कहा कि आने वाले समय में हम सभी पुनः एक बार पूरे जोर शोर से चुनावी प्रक्रिया में अपना दमखम दिखाएंगे सभी समाज के लोगों को एकजुट कर व्यवस्था बदलने का कार्य करेंगे। इस तरह से सभी क्षेत्र से आए हुए कई वक्ताओं ने अपना वक्तव्य दिया साथ ही आगे होने वाले चुनाव में पूरे मजबूती से कदम से कदम मिलाकर चलने कासंकल्प लिया। बैठक में ग्राम पंचायत राम के पूर्व मुखिया रविंद्र सिंह, भगवानपुर पंचायत के पूर्व मुखिया रणजीत चौहान, जेपी चौधरी बस्ती बीघा, ओरैना पंचायत के पूर्व मुखिया विनोद कुमार, पटवा सराय सरपंच देवराज पासवान, संजीव कुमार काजीबीघा, बलराम सिंह धुमड़ा, साबिर हुसैन चिरैंया, सुरेंद्र कुमार सिंह पूर्व मैनेजर ग्रामीण बैंक, मुकेश सिंह सिसवां, राजनंदन चौहान, नौसाद आलाम, मोहम्मद रिजवान आलम, मास्टर सफीर खान के साथ साथ सभी जाति धर्म के लोग लोग अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई अपनी राय सलाह दी। अंत में डॉ अनुज सिंह के द्वारा सबों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समापन किया गया।

रिवाइटल प्रचार वाहन के कर्मियों और दवा विक्रेता संघ के बीच विवाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। थाना क्षेत्र के पुरानी बस स्टैंड स्थित ओम मेडिकल के सामने उत्तर प्रदेश से आए रिवाइटल प्रचार वाहन के कर्मियों और स्थानीय दवा विक्रेताओं के साथ तीखी नोंकझोंक रविवार की दोपहर हो गई।दवा विक्रेता संघ रजौली के प्रखंड अध्यक्ष व्यास प्रसाद और सचिव संतोष कुमार ने बताया कि प्रचार वाहन मैजिक के कर्मियों द्वारा सेंपल की दवाइयों को पैसे लेकर ग्रामीणों के बीच बेचा जा रहा है। साथ ही दुकान में बिकने वाली रिवाइटल की कीमत ज्यादा होती है,जबकि प्रचार वाहन द्वारा कम कीमतों में दवाई बेचा जा रहा है। इसी को लेकर स्थानीय दवा विक्रेताओं द्वारा प्रचार वाहन का विरोध कर थाना आदि को सूचित किया गया,कि प्रचार वाहन का काम सिर्फ प्रचार करना

है,ना कि दवाई की बिक्री करना है। वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश से प्रचार वाहन के साथ आए सुपरवाइजर शिवांश अवस्थी ने बताया कि उन्हें फूड सप्लीमेंट कंपनी रिवाइटल द्वारा प्रचार कर दवाई बेचने को निर्देशित किया गया है। उनके साथ रिवाइटल कंपनी के प्रमोटर आलोक पांडेय, राहुल वाजपेई और छोटू कुमार के अलावे जादूगर गजराज सिंह हैं।वे लोग क्षेत्र में घूमकर जादूगर की सहायता से जादू दिखाकर लोगों को एकत्रित करते हैं और फिर रिवाइटल का प्रचार-प्रसार करके,दवाइयों को लोगों के बीच बेचते हैं और साथ में सेंपल की कुछ दवाइयां मुफ्त में भी दी जाती है।उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों को रिवाइटल की दवाई अच्छी लगेगी,तो वे बाद में स्थानीय दुकान से ही खरीदकर उपयोग करेंगे। घंटों चले इस नोंकझोंक के बाद पीएचसी प्रभारी डॉ. सौरभ निराला ने बताया कि रिवाइटल कंपनी एक फूड सप्लीमेंट कंपनी है,उसका प्रचार वाहन विभिन्न क्षेत्रों में घूमकर प्रचार करते नजर आते हैं। इसमें किसी को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। पीएचसी प्रभारी के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ और प्रचार वाहन द्वारा दवाइयों को लोगों के बीच बेचा जाना शुरू हुआ।

एसिड अटैक पीड़ितों एवं किन्नर समुदाय के लिए विधिक जागरूकता कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा के नेतृत्व में 23 नवंबर 2025 को दो अलग-अलग स्थानों पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गए। पहला कार्यक्रम वारिसलीगंज प्रखंड अंतर्गत चकवाय ग्राम पंचायत स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित किया गया, जिसमें एसिड अटैक पीड़ितों के अधिकार, स्थायी लोक अदालत के महत्व एवं विधिक सहायता संबंधी जानकारियां प्रदान की

गईं। इस कार्यक्रम का संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकार के दिशा-निर्देश पर किया गया और इसमें डिफेंस अधिवक्ता उमेश्वर प्रसाद सिंह ने एसिड अटैक पीड़ितों के लिए बनाए गए कानूनों एवं उपलब्ध विधिक सहायता पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने जनोपयोगी सेवाओं से जुड़े महत्वपूर्ण प्रावधानों की भी जानकारी दी। दूसरा जागरूकता कार्यक्रम नवादा रेलवे स्टेशन पर आयोजित किया गया, जो सितारा योजना 2023 के अंतर्गत किन्नर समुदाय के पुनर्वास एवं उनके अधिकारों की सुरक्षा से संबंधित था। कार्यक्रम के दौरान डिफेंस अधिवक्ता मो. साजिद अयुब खान ने किन्नर समुदाय के अधिकारों, उनके लिए बनाए गए कानूनों तथा समाज में उनके सम्मान एवं सहभागिता को सुनिश्चित करने पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किन्नर हमारे समाज का एक अभिन्न हिस्सा हैं और उन्हें तिरस्कृत करना सामाजिक कुरीति है, जिसे समाप्त करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने यह भी बताया कि आमजन को यदि किसी भी प्रकार की विधिक जानकारी अथवा निःशुल्क विधिक सहायता की आवश्यकता हो तो वे जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा से संपर्क कर सकते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकार सदैव इसके लिए तत्पर है।

धर्मपुर प्राथमिक विद्यालय के पास अवैध शराब का धंधा बेखौफ जारी, प्रशासन की उदासीनता पर उठे सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हिलसा (नालंदा)। शराबबंदी कानून भले ही राज्य में कागज़ों पर सख़्ती से लागू हो, लेकिन हिलसा नगर परिषद क्षेत्र के धर्मपुर गांव में अवैध शराब कारोबारियों के हौसले कानून से ऊपर नजर आ रहे हैं। प्राथमिक विद्यालय के पास भट्ठी पर धधकती आग से शराब बनाते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल है। हालांकि यह अख़बार वीडियो की पुष्टि नहीं करता, पर ग्रामीणों का दावा है कि यह दृश्य धर्मपुर प्राथमिक विद्यालय परिसर के बिल्कुल समीप का ही है, जहां वर्षों से खुलेआम महुआ शराब का निर्माण और बिक्री जारी है। वायरल वीडियो में जलती भट्ठी, उससे रिसती शराब की बूंदें और आसपास फैली गतिविधियां साफ दिखाई दे रही हैं। ग्रामीणों के मुताबिक विद्यालय परिसर और उसके आसपास के कई घर लंबे समय से शराब निर्माण का अड्डा बने हुए हैं। सुबह से लेकर देर शाम तक भट्ठी जलती रहती है और तैयार अवैध शराब की सप्लाई न केवल ग्रामीण इलाकों, बल्कि शहर तक की जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस गोरखधंधे की शिकायतें कई बार पुलिस-प्रशासन तक पहुंचाई गई, लेकिन कार्रवाई महज रस्मअदायगी तक सिमटकर रह गई। नतीजा यह कि अवैध कारोबारियों के हौसले और भी बुलंद होते चले गए। थानाध्यक्ष अभिजीत कुमार ने बताया कि मामले को संज्ञान में लिया गया है। वायरल वीडियो की सत्यता की जांच के लिए एक टीम भेजी गई है और आगे की कार्रवाई रिपोर्ट आने के बाद की जाएगी।

लालटेन बाबा के 35 वें उर्स को लेकर उनकी मजार पर की गई चादरपोशी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल। प्रखंड के पहाड़पुर पंचायत के टीकोडीह गांव में रविवार को अब्दुल गनी शाह कादरी उर्फ लालटेन बाबा के मजार पर 35 वें उर्स को लेकर कुरान तिलावत एवं चादर पोशी की गई। व्यवस्थापक सदस्य मोहम्मद दानिश इकबाल ने बताया कि 35 वें उर्स को लेकर उनके मजार पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कुरान की तिलावत मिलाद एवं चादर पोशी कर अमन एवं चैन की दुआ मांगी गई। स्थानीय खादिम हाजी मोहम्मद अली मस्त कलंदर, हाजी मोहम्मद जमाल उद्दीन, हाजी आजिम, सरफराज आलम, महमूद आलम, अयूब अंसारी, मौलाना अख्तर, गुलाम कादिर, राशिद, नेयाज, अलाउद्दीन आदि ने बताया कि लालटेन बाबा के मजार पर राज्य एवं राज्य के बाहर से भी लोग अपनी मनाते मांगने एवं मन्नत पूरी होने के बाद चादर पोशी करने के लिए आते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह मजार शांति एवं सद्भावना का मिसाल है।

ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। थाना क्षेत्र के फरका बुजुर्ग के चंपाकली गांव में बीते शनिवार की देर रात्रि लगभग दो बजे ट्रैक्टर पलटने के कारण हुई दुर्घटना में चालक की मौत हो गई। घटना की जानकारी सुबह में ग्रामीणों को हुई, उसके बाद थाना को सूचित किया गया। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के राय बरेली जिले के गुरु बॉकगंज थाना क्षेत्र के बिराहिमपुर गांव निवासी राजाराम के 39 वर्षीय पुत्र राम किशोर के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक रामकिशोर फरका बुजुर्ग पंचायत के ईंट भट्ठा पर ट्रैक्टर चालक के रूप में कार्यरत था।बीते रात्रि वह अपने एक साथी को ढूंढने के लिए ट्रैक्टर चलाकर ढूंढने के लिए निकले थे। इसी बीच वे संकीर्ण रास्तों में फंस गए और ट्रैक्टर को पीछे करने के क्रम में ट्रैक्टर पलटते हुए पानी वाले कनाल में जा गिरा और चालक पानी में दबकर रह गया। सुबह जब ग्रामीणों ने यह नजारा देखा,तो ट्रैक्टर चालक को बचाने के उद्देश्य से बाहर निकाला,किंतु तब तक चालक की मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों ने कहा कि फरका बुर्जुग के गौरी ईंट भट्ठा,काशी ईंट भट्ठा एवं जेबीएम ईंट भट्ठा में उत्तर प्रदेश के रायबरेली से कुल नौ ट्रैक्टर ईंट ढुलाई का काम करते हैं। इस संबंध में थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि ट्रैक्टर दुर्घटना में एक व्यक्ति के मृत होने की सूचना रविवार की सुबह मिली। सूचना के आलोक में थाने में पदस्थापित एएसआई अजय कुमार घटनास्थल पर भेजा गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल नवादा भेज दिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि शव के पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया जाएगा। साथ ही बताया कि पुलिस अग्रतर कार्रवाई में जुटी हुई है।

सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत

□चार लोगों की हालत चिंताजनक
□ट्रक चालक ने दी पुलिस को सूचना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। रविवार की अहले सुबह एक भयानक सड़क हादसा हुआ, जिसमें तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य की हालत गंभीर है। घटना सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत दरभंगा-मुजफ्फरपुर मार्ग की है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आननफानन में सभी घायलों को तत्काल इलाज के लिए डीएमसीएच में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत चिंताजनक बताई है।

घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि स्कॉर्पियो दिल्ली मोड़ बस स्टैंड के पास दुर्घटनाग्रस्त हुई है। उनका कहना है कि गाड़ी तेज गति से अनियंत्रित होकर हवा में उछलते हुए एक लेन से विपरीत लेन पर चली गई और डिवाइडर से टकरा गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीन यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना सबसे पहले एक ट्रक चालक ने हाईवे पुलिस को दी। सूचना मिलते ही हाईवे पुलिस के इंस्पेक्टर शशिभूषण सिंह अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने गाड़ी में फंसे हुए घायलों को किसी तरह बाहर निकलवाया और उन्हें तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों की हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए डीएमसीएच रेफर कर दिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि मधेपुरा जिला के रैभी गांव निवासी प्रमोद यादव के पुत्र गुड्डू कुमार अपनी मां का पटना के आईजीआईएमएस से इलाज करवा कर वापस अपने घर लौट रहे थे। इस दौरान यह घटना हो गई। इस घटना में गुड्डू के मामा, मौसा और स्कॉर्पियो के चालक की मौत हो गई है, जबकि गुड्डू कुमार की बीमार मां के पैर टूट गए हैं। हाइवे मोबाइल के शशिभूषण सिंह ने बताया कि उन्हें एक ट्रक वाले ने घटना की जानकारी दी थी। इसके बाद उन्होंने मौके से वाहन के भीतर से फंसे लोगों को निकलवाकर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। गाड़ी में कुल सात लोग सवार थे, जिसमें तीन की मौत हो गई। चार लोग घायल हैं, जिनका इलाज चल रहा हैं। फिलहाल घायलों से बातचीत नहीं हो पा रही है।

लोगों ने काटा बवाल

पुलिस की तीन गाड़ियों को किया क्षतिग्रस्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। समस्तीपुर-ईलमासनगर पथ मे मथुरापुर थाना क्षेत्र के हांसा मोड़ पर एक ट्रैक्टर की ठोकर से हुए बाइक सवार की मौत मामले मे बंधक ट्रैक्टर चालक को मुक्त कराने गए पुलिस बलों पर लोगों ने हमला कर तीन गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया। साथ ही एक पुलिस पदाधिकारी से उनका पिस्टल भी छीनकर फरार हो गए। बताते चले कि मोहीउद्दीनपुर पंचायत के एकद्वारी गांव वार्ड 15 निवासी रघुनाथ साह का 14 वर्षीय पुत्र मनीष कुमार अपने दो दोस्त गांव के ही राज किशोर के नाती अमन कुमार एवं राम बाबू पूर्वे के पुत्र बमबम कुमार के साथ अपनी बहन के शादी का कार्ड बांटने रिश्तेदार के यहां गया हुआ था।

जहां से वापस घर आने के दौरान हांसा मोड़ के समीप एक तेज रफ्तार से आ रही ट्रैक्टर की चपेट में आ गया। जिसमे मनीष की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। वहीं, अन्य दोनों जख्मी हो गए। घटना के तुरंत बाद लोगों ने खदेड़कर ट्रैक्टर को चालक के साथ पकड़कर लिया तथा लाश को सड़क पर रखकर जाम कर दिया। उग्र लोग हांसा मोड़ के समीप ब्रेकर निर्माण, गति सीमा निर्धारण तथा मृतक के आश्रित को उचित मुआवजे की मांग कर रहे थे। आक्रोशित लोगों को समझाने पहुंची 112 टीम के पुलिसकर्मी और प्रबुद्ध लोगों ने समझा बुझाकर किसी तरह जाम तो समाप्त करा दिया। परंतु इस बीच आक्रोशित लोग कुसैया निवासी ट्रैक्टर चालक सोनू कुमार को अपने गांव एकद्वारी लेकर चले गए और उसे बंधक बना लिया।

जिसे वापस लाने के आश्वासन बाद भी विलंब होने पर मथुरापुर थानाध्यक्ष राहुल कुमार अपने टीम के साथ उक्त गांव पहुंचे और चालक को अपने साथ लेकर चले ही थे कि अचानक कुछ शरारती तत्वों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया तथा पुलिस वाहन को भी तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया। जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

शादी समारोह में पहुंची पुलिस

बक्सर। शुभ लग्न मुहूर्त शुरू होते ही स्थानीय रामरेखाघाट पर दूर-दूर से शादी संपन्न कराने के लिए वर और वधू पक्ष पहुंचने लगे हैं।

रविवार को भी यहां वर-वधू पक्ष के लोग पहुंचे थे। शादी की तैयारियां हो रही थीं, इसी बीच वहां पुलिस पहुंच गई। इससे अफरातफरी मच गई।

मामला तब बिगड़ा जब पुलिस शादी रोकवाते हुए दोनों पक्ष को थाने पर ले आई। दरअसल किसी ने पुलिस को सूचना दे दी कि रामरेखाघाट पर एक मकान के अंदर बाल विवाह की तैयारी चल रही है।

सूचना मिलते ही प्रभारी थानाध्यक्ष विकास कुमार के नेतृत्व में दल बल के साथ पुलिस मौके पर पहुंच गई और शादी समारोह रोकवा दिया।

तत्काल पुलिस ने कन्या की उम्र का प्रमाणपत्र मांगा जिसे तत्काल वे लोग नहीं दिखा सके, फिर क्या था, पुलिस ने बिना सोचे-समझे शादी रोकवा दी। दोनों पक्षों के लोगों को लेकर थाने पहुंच गई। थाना आने के बाद दोनों पक्ष के लोगों से पुलिस पूछताछ करती रही और इस बीच कन्या पक्ष का एक आदमी लड़की का जन्म प्रमाण पत्र लाने चला गया।

25 से चलेगा अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। शहर को जाम और अव्यवस्था से निजात दिलाने के लिए जिला प्रशासन और नगर निगम ने कड़े कदम उठाने का फैसला किया है। एसडीएम रश्मि सिन्हा के निर्देश पर 25 नवंबर से पूरे शहर में व्यापक स्तर पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। शहर की मुख्य सड़कों, नालों और सार्वजनिक स्थलों पर वर्षों से जमा अतिक्रमण अब हटाया जाएगा, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु हो और आमजन को राहत मिल सके। शहर में कई जगह सड़क किनारे दुकानदारों व ठेला-खोमचा लगाने वालों द्वारा नाले पर कब्जा कर सामान बेचने से सड़कें संकरी हो गई हैं। परिणामस्वरूप आए दिन जाम की समस्या उत्पन्न होती है, जिससे स्कूली बच्चों से लेकर आम नागरिकों तक को काफी परेशानी उठानी पड़ती है।इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए नगर निगम व जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए अभियान की रूपरेखा तैयार कर ली है।

एसडीएम रश्मि सिन्हा ने बताया कि अभियान में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। इसके लिए पुलिस बल और दंडाधिकारी की नियुक्ति कर दी गई है। प्रशासन ने पहले ही अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर साफ निर्देश दिया है कि वे स्वयं ही कब्जा हटाएं अन्यथा प्रशासन की कार्रवाई के लिए तैयार रहें।अधिकारियों द्वारा बनाई गई योजना के अनुसार अलग-अलग दिनों में शहर के प्रमुख मार्गों से अतिक्रमण हटाया जाएगा। कार्यक्रम इस प्रकार तय किया गया है। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि अभियान का उद्देश्य सिर्फ हटाना नहीं, बल्कि शहर को व्यवस्थित व सुगम बनाना है।

इसलिए अतिक्रमण मुक्त क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार निगरानी भी की जाएगी। प्रशासन की इस पहल से शहरवासियों ने उम्मीद जताई है कि अब जाम की समस्या से काफी हद तक राहत मिलेगी।

नीलगायों ने बढ़ायी किसानों की परेशानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। प्रखंड क्षेत्र के चिलीम व बेला पंचायत के किसान इन दिनों नीलगायों के बढ़ते आतंक से बेहद परेशान हैं। तैयार खड़ी फसल हो या बढ़ती हुई लहलहाती खेती–नीलगायों के झुंड उसे कुछ ही मिनटों में तहस-नहस कर दे रहे हैं। पथलकट्टी गांव के जागरूक किसान श्रीकांत यादव बताते हैं कि पहले नीलगायों का झुंड केवल रात में आता था, लेकिन अब दिनझ्रदोपहर किसी भी समय खेतों में धावा बोल देता है। अकेले कोई किसान इन्हें भगा भी नहीं सकता, क्योंकि ये झुंड में दौड़कर हमला करने लगते हैं। केवल आग से ही कुछ डरते हैं।

किसान अपनी धान व केला फसल को बचाने के लिए रातों में रतजगा कर रहे हैं। समूह में किसान चारों कोने पर आग जलाकर रखते हैं। जैसे ही झुंड आने की आहट होती है, पुआल डालकर आग तेज की जाती है और कुछ किसान शोर मचाकर उन्हें भगाने की कोशिश करते हैं।

दिन में भी जब तक 10-20 किसान एक साथ लाठी-डंडे लेकर नहीं पहुंचते, तब तक नीलगायों का झुंड खेत में ही पड़ा फसल चरता रहता है।

ग्रामीण बताते हैं कि गांव से खेत दूर होने के कारण दिन में तो किसान जुट जाते हैं, लेकिन रात में ठंड बढ़ने से कई बार पर्याप्त लोग इकट्ठे नहीं हो पाते। ऐसे में नीलगायों के झुंड मनमाने तरीके से फसलें बर्बाद कर रहे हैं।

श्रीकांत यादव बताते हैं कि उन्होंने जी-नाइन केला की उत्कृष्ट किस्म की खेती तैयार की थी, लेकिन शनिवार की रात नीलगायों ने लगभग दो कट्ठा में लगी पूरी केला फसल नष्ट कर दी।

वहीं हल्दीराम भुजिया फैक्ट्री के पास धान की रखवाली कर रहे दुखी यादव ने बताया कि उनके सामने ही पांच नीलगायों का झुंड धान फसल चर रहा है, किंतु अकेले होने के कारण वे रोक नहीं पा रहे।

दशकों बाद लौटेगी डालमिया नगर की रौनक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डेहरी आन सोन। डालमियानगर में साढ़े पांच दशक तक बिहार के उद्योग जगत का चिराग रहा रोहतास उद्योग समूह पिछले तीन दशक से अपनी खोई हुई रौनक लौटने के आसार जगे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरा के चुनावी सभा में डालमियानगर के बदहाली के जिक्र के बाद रेल कारखाना लगने की उम्मीद बढ़ी है। उम्मीद जताई जा रही है की बिहार के औद्योगिक विकास पर दिल्ली में 25 नवंबर को आयोजित बैठक में रेल कारखाना लगाने पर सार्थक निर्णय लिया जायेगा।उद्योगपति रामकृष्ण डालमिया ने आजादी से पहले 1932 में यहां उद्योग लगाकर लोगों के जीवन में नई ऊर्जा का संचार किया था। 1938 में सीमेंट कारखाना का उद्घाटन नेताजी सुभाष चंद्र बोस व 1939 में देश के पहले राष्ट्रपति बने राजेंद्र प्रसाद ने किया था।

सोन नदी के किनारे बसे लोगों के लिए शहर में उस समय सभी सुविधाएं उपलब्ध थी जो एक विकसित टाउनशिप में हुआ करती है। लोग यहा की सुख, शाति और समृद्धि को लेकर फूले नहीं समाते थे। डालमियानगर से रोहतास तक लोगों के आवागमन के लिए छोटी रेल लाइन सुविधा, बेहतर सड़क, आधुनिकतम आवास, कालेज, स्कूल आदि स्थापित हुए थे। नई दिल्ली-हावड़ा रेल लाइन पर स्थित होने के कारण अंग्रेजों द्वारा विकसित इस क्षेत्र का काफी विकास हुआ था। मुगलसराय के बाद गया और हावड़ा रेल लाइन से जुड़े रहने के कारण औद्योगिक कच्चे माल और तैयार माल की ढुलाई के लिए एक अच्छा बुनियादी परिवहन ढाचा उपलब्ध था। सामान के परिवहन के लिए यह ग्राड कोर्ट लाइन पर पड़ता था। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या दो पर स्थित होने के कारण यह सड़क परिवहन मार्ग से भी अच्छी तरह जुड़ा हुआ था।कहते है रामकृष्ण डालमिया से उत्तराधिकार में इस उद्योग की विरासत पाने वाली अशोक जैन कंपनी के इसकी देखभाल ठीक से नहीं कर पाने के कारण उद्योग समूह पहले बीमार हुआ और उसके बाद यहां काम करने वाले लोगों के सिर से एक मजबूत कंपनी का साया उठ गया। वर्ष 2008 में यूपीए सरकार में लोक सभा चुनाव के पहले रेल मंत्री रहे लालू प्रसाद यादव यहा हाई एक्सेल बोगी व काप्लर निर्माण कारखाना का शिलान्यास भी किया था। लेकिन धरातल पर रेल कारखाना नहीं आया। चीनी , कागज, वनस्पति तेल, सीमेंट, रसायन, स्टील, फाइबर और एस्बेसटस उद्योग के लिए विख्यात डालमियानगर समूह ने पांच दशक तक इस क्षेत्र में रौनक बनाए रखी थी। वर्ष 1984 में डालमियानगर समूह के नाम से मशहूर 219 एकड़ क्षेत्र में फैले रोहतास उद्योग पुंज समूह का चिराग जब बुझा तो बिहार के उद्योग जगत में अंधेरा छा गया। करीब 25 साल बंद रहने के बाद जब रोहतास उद्योग पुंज समूह के इस बंद पड़े कारखाने को रेलवे ने खरीदा तो लोगों में आशा का संचार हुआ था।

नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर मचाया आतंक

मां-बेटी को चाकू और पेचकस से गोदा, एक की मौत, एक गंभीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। कुछ अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर चाकू और पेचकश से मां और बेटी पर हमला कर दिया।इस घटना में बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि बेटी गंभीर रूप से जख्मी है। घटना से आक्रोशित लोगों ने रविवार को समाहरणालय के समीप शव रखकर सड़क जाम कर दिया और न्याय की गुहार लगा रहे।मृतक महिला की पहचान स्वर्गीय रामवृक्ष पासवान की पत्नी सावित्री देवी (65) के रूप में की गई हैं।वहीं जख्मी महिला की पहचान प्रांजलि पासवान के रूप में की गई। घटना शहर के राजेंद्र नगर की है।

घटना के संबंध में मृतका की बेटी वीणा देवी ने बताया कि शनिवार की संध्या 6 बजे के लगभग चार-पांच नकाबकोश बदमाश घर में घुस गए और मां का मुंह बंदकर चाकू से हमला कर दिया । उनका पैर हाथ तोड़ दिया।

आवाज सुनकर जब उनकी बहन प्रांजलि पासवान आई तो उसका भी मुंह बंदकर चाकू से हमला कर दिया। आसपास के लोगों को जब घटना की जानकारी हुई तब उनलोगों ने दोनों को सदर अस्पताल नवादा ले गए। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए दोनों मां -बेटी को पटना रेफर कर दिया गया, जहां मां की मौत हो गई जबकि बहन का इलाज पटना में चल रहा है। हत्या के बाद पूरे मुहल्ले में सनसनी फैल गई है।

सड़क जाम को हटाने नगर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार और सदर एसडीपीओ हुलास कुमार पहुंचे हैं। एसडीपीओ हुलास कुमार ने बताया कि नगर थाना क्षेत्र के राजेंद्र नगर स्थित एक घर में चार नकाबपोश अपराधी घर में घुसे और मां और उनकी बेटी पर चाकू से हमला कर दिया। इलाजरत एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक महिला इलाजरत है। उसमें घर में तीन महिला रह रही थी। एक महिला ने कमरे घुसकर अपनी जान बचाई है।उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पुलिस और एफ एस एल की टीम पहुंची जरूरी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। आसपास के सीसीटीवी कैमरे को खंगाला जा रहा हैं। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही हैं। परिजनों ने किसी पर आरोप नहीं लगाया हैं। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। जैसे ही जानकारी मिलेगी आगे बताया जाएगा।पुलिस के समझाने के बाद जाम हटाया गया।

नाबालिग युवक ने गोली मारकर की आत्महत्या

घर से पिस्टल और खोखा बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनरूआ। पटना के धनरूआ में एक नाबालिग युवक ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर लिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के घर से पिस्टल एवं खोखा बरामद किया है। मामला धनरूआ थाना के खगड़ी गांव की है। मृतक की पहचान खगड़ी गांव निवासी स्वर्गीय परमानंद प्रसाद के पुत्र पुत्र हरेंद्र कुमार (17) के रूप में की गई है।

घटना के संबंध में परिजनों का कहना है कि पिता परमानंद प्रसाद के मृत्यु के बाद खेती-बाड़ी करके अपने और परिवार का भरण पोषण किया करता था। इस बीच शनिवार की दिन रात घर की छत पर पिस्टल खोलने के क्रम में अचानक गोली चली। गोली हरेंद्र कुमार के सीने में लगी। आनन-फानन में परिवार के लोग इलाज के लिए पटना के निजी नर्सिंग होम में उसे भर्ती कराए, जहां उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना के पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। पीएमसीएच में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

घटना की जानकारी देते हुए हरेंद्र कुमार की बहन डिंपल कुमारी ने बताया कि उसके भाई हरेंद्र कुमार को कूड़े की ढेर से एक हथियार मिला था, जिसे वह लेकर अपने घर चला आया। शनिवार की देर रात वह अपने घर के छत पर चढ़कर हथियार को खोलने का प्रयास कर रहा था। इसी क्रम में पिस्टल से अचानक गोली चल गई और गोली हरेंद्र कुमार के सीने में लगी। घायल अवस्था में उन्हें इलाज के लिए पटना के पीएमसीएच में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

इस संबंध में धनरूआ थाना प्रभारी आलोक कुमार ने बताया कि हरेंद्र कुमार नशा का आदी था। वह नशा किया करता था। पुलिस ने आशंका जताई है कि नशे की स्थिति में उसने खुद को गोली मार कर या फिर अचानक गोली चलने से उनकी मौत हुई है। आलोक कुमार ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद गांव के लोग इस मामले में कुछ भी बताने से बचते नजर आ रहे हैं।

जवान ने की खुदकुशी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। अलीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अकबरपुर ग्राम के रहने वाले आईटीबीपी के जवान गौतम कुमार यादव (33 वर्ष) ने अपने सर्विस रिवाल्वर से गोली मार हत्या कर ली। इनका पैतृक घर अकबरपुर ग्राम में है, लेकिन सारा परिवार झारखंड के धनबाद जिला अंतर्गत कुआडूबी में रहता है। जानकारी के अनुसार मृतक आईटीबीपी के 36 बटालियन में तैनात थे। पिछले दिनों बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान गौतम की ड्यूटी लगी थी और अपनी कम्पनी के साथ बेतिया जिला के बैरिया प्रखण्ड के श्रीनगर थाना क्षेत्र के कोहड़ा इंटर स्तरीय स्कूल में रुके थे।

अस्पताल में कैदी ने मचाया तांडव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। सदर अस्पताल में एक कैदी ने अचानक तांडव मचाना शुरू कर दिया, जिसके बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अमदाबाद थाना क्षेत्र के एक गंभीर मामले में गिरफ्तार आरोपी शंभू मंडल, जो कटिहार जेल में बंद है, तबीयत बिगड़ने पर इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया था।

अस्पताल पहुंचते ही कैदी ने कैदी वार्ड में बिस्तर, खिड़की व दरवाजे पर लात-घूंसे बरसाने शुरू कर दिए। रोकने की कोशिश करने पर उसने वार्ड में तैनात सुरक्षा कर्मियों के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट कर दी। अचानक हुए इस बवाल से मरीज और उनके परिजनों में दहशत फैल गई और कई लोग सुरक्षित जगह की तलाश में इधर-उधर भागने लगे।

गाड्र्स का कहना है कि शंभू मंडल पहले से ही झगड़े की फिराक में था और मौका मिलते ही भागने की कोशिश में तांडव करने लगा। स्थिति नियंत्रण से बाहर होते देख अस्पताल प्रशासन ने तुरंत नगर थाना को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जेल गाड्र्स के साथ मिलकर लगभग आधे घंटे की मशक्कत के बाद किसी तरह आरोपी को काबू में किया।

पर्यटकों से सड़कों पर बढ़ा वाहनों का दबाव, राहगीर हो रहे हलकान

फरवरी तक राजगीर का पर्यटन सीजन चरम पर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

राजगीर। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन नगरी राजगीर के बस स्टैंड चौराहे पर रविवार को बार-बार जाम की स्थिति उत्पन्न होती रही। बस स्टैंड पर तैनात थाने की पुलिस के अलावा गश्त करती डायल 112 नंबर की टीम ने जाम को नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन वाहनों के रुकने के कारण पैदल चलने वाले राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

चौराहे पर पर्यटकों के वाहन भी फंसे रहे, जिससे ग्रामीण इलाकों से बाजार खरीदारी करने आई महिलाओं और बच्चों को भी कठिनाई का सामना करना पड़ा। यह संकेत मिलता है कि नवंबर के अंत से अगले वर्ष जनवरी तक जाम की स्थिति बनी रहेगी।

इस बीच, शुक्रवार को विभिन्न दूरस्थ स्थानों से पिकनिक मनाने वाले परिवार, शैक्षणिक भ्रमण पर आए छात्र, देसी-विदेशी सैलानी और गर्म जलकुंड स्नान करने आए तीर्थयात्री राजगीर के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर देखे गए।

हालांकि, बस स्टैंड में जाम की स्थिति ने आम राहगीरों को परेशान किया। छोटे और बड़े वाहनों में सवार लोग भी अस्त-व्यस्त नजर आए। राजगीर के सभी चौराहों पर वाहनों की भीड़ अत्यधिक थी, जिसके कारण जाम की स्थिति उत्पन्न हुई।

112 की टीम ने कुछ समय के लिए व्यवस्था कायम की, लेकिन जाम की समस्या फिर से उत्पन्न हो गई। बस स्टैंड चौराहे के अलावा अन्य महत्वपूर्ण चौक पर यातायात नियमों का पालन नहीं हो रहा था। बस स्टैंड चौराहे की स्थिति और भी खराब थी, जिसके कारण ट्रैफिक पुलिस की मांग उठाई गई।

नवंबर से फरवरी तक राजगीर का पर्यटन सीजन चरम पर होता है, और इस दौरान पर्यटकों के वाहनों का दबाव बढ़ेगा। ऐसे में जाम की समस्या और विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस और सिग्नल की आवश्यकता पर लोगों ने शासन और पुलिस का ध्यान आकर्षित किया है। वार्ड पार्षद डॉ. अनिल कुमार, समाजवादी चिंतक उमराव प्रसाद निर्मल, पूर्व वार्ड पार्षद इंद्र मोहन सिंह निराला और समाजसेवियों ने इस समस्या के समाधान के लिए ट्रैफिक व्यवस्था पर जोर दिया है।

दो स्मैक तस्करों को पुलिस ने दबोचा

बेगूसराय। जिला आसूचना इकाई की सूचना पर मुफस्सिल पुलिस ने बाइक सवार दो स्मैक तस्करों को 258. 75 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है।

थाना क्षेत्र के हरदिया पेट्रोल पंप के समीप वाहन चेकिंग के क्रम में गिरफ्तार दोनों तस्करों की पहचान नयागांव थाना क्षेत्र के नयागांव निवासी रामविनय सिंह के पुत्र अंकित कुमार व रामपदारथ सिंह के पुत्र बिट्टू कुमार के रूप में हुई है। दोनों कोलकाता से लाकर बेगूसराय में मादक पदार्थ खपाते थे।

पुलिस को बेगूसराय से मंझौल की तरफ स्मैक डिलीवरी करने वाले बाइक सवार तस्करों के गुजरने की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन व कार्रवाई के लिए रात्रि गश्ती में निकले पुअनि ललन सिंह ने एसएच-55 के हरदिया पेट्रोल पंप के समीप सतर्कता बरतते हुए वाहन चेकिंग शुरू की।

होटलों और भट्ठों पर बाल श्रमिकों का हो रहा दोहन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। बालश्रम रोकने के तमाम सरकारी दावे प्रखण्ड में कमजोर साबित हो रहे हैं। क्षेत्र के ईंट भट्ठों (चिमनियों पर) तथा छोटे-बड़े होटलों में बाल श्रमिकों से कार्य लिया जा रहा है।

खेलने-पढ़ने की उम्र वाले बच्चे ईंट भट्ठा व होटलों में मजदूरी कर अपना जीवन का अमूल्य समय को बेकार कर रहे हैं। इस बारे में उनके अभिभावक भी जागरूक नहीं दिखते। बाल श्रम रोकने के लिए जिम्मेदार अधिकारी संबंधित ईंट भट्ठों एवं होटलों पर नियमित रूप से छापेमारी व सख्त कार्रवाई नहीं कर पाते।

रविवार को वारिसलीगंज नगर के कुछ होटलों में जो हकीकत देखने को मिली वह सरकार के बाल श्रम रोकने के दावे को गलत बताती है। नाबालिग बच्चे होटल में बर्तन साफ करते देखे गए। दूसरी ओर, आधा दर्जन बच्चे ईंट भट्ठा से ट्रैक्टर पर ईंट लोड करने एवं उतारने का कार्य करते देखे गए। पूछने पर बच्चों ने कहा कि मां- पिता की अर्थिक स्थिति खराब रहने पर घर चलाने के लिए ईंट भट्ठा पर कार्य कर मां-पिता को आर्थिक सहयोग करता हूं।

इन कम उम्र के बच्चों को अक्षर ज्ञान है, परंतु गरीबी के कारण माता-पिता के साथ काम करने की मजबूरी है। बच्चों ने कहा कि जब किसी हम उम्र को कंधे में बैग लटकाऐ विद्यालय जाते देखता हूं, तो मेरे मन में भी पढ़ने लिखने की ललक होती है, लेकिन परिवार की गरीबी के कारण स्कूल नहीं जाकर मजदूरी करता हूं। कुछ इसी प्रकार की बातें उमेश मांझी तथा सिद्धेश्वर मांझी के पुत्र अमर एवं मोहित ने कहा कि परंतु यह सब उसे सपना जैसा लगता है।

बता दें कि राज्य सरकार बाल श्रम रोकने के लिए कानून बना रखी है। मजदूरी कर रहे बच्चों को विद्यालय से जोड़ने के खातिर कई कार्यक्रम चला रखा है, जो सरकारी फाइलों की शोभा बढ़ा रही है। हकीकत यह है कि सरकारी मुलाजिम के सामने छोटे -छोटे बच्चे होटलों, ईंट भट्ठों तथा भवनों के निर्माण में लगे रहते है, बावजूद अधिकारी संज्ञान नहीं लेते है। फलतः बचपन श्रम करके बिखर रही है।

एसटीएफ और वैशाली पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से हड़कम्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। बीते15 घंटे के अंदर हाजीपुर और वैशाली थाना क्षेत्र में लूट की दो घटनाओं के साथ ही तीन दिनों पूर्व एक स्वर्ण कारोबारी की हत्या की घटना को लेकर जिले की पुलिस सकते में आ गई है। अपराध पर अंकुश लगाने और अपराधियों की नकेल कसने को लेकर पटना से पहुंची एसटीएफ के साथ ही जिले की पुलिस टीम ने पूरी तरह से मोर्चा संभाल लिया है।

बड़ी कार्रवाई की तैयारी है। बिहार में नई सरकार के गठन के साथ ही गृह मंत्रालय का कार्यभार संभालने के साथ डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के सख्त दिशा-निर्देश के आलोक में सुरक्षा महकमा एक्शन मोड में आ गया है।

एसटीएफ के साथ वैशाली पुलिस की टीम लगातार छापेमारी में जुटी हुई है। इस बीच हालांकि, दूसरे दिन भी टीम को कोई खास सफलता हासिल नहीं हुई है। हालांकि जिस तरह का एक्शन चल रहा है उसे देखकर यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि बहुत जल्द परिणाम सामने होगा।

वैशाली थाना क्षेत्र के मदरना चौक स्थित एक आभूषण दुकान से बीते शनिवार की हुई लूट मामले में दुकानदार के बयान पर तीन अज्ञात बदमाश के विरुद्ध प्राथमिकी कराई गई। दुकानदार ने 10 लाख रुपये के सोना-चांदी के आभूषण एवं नगद 80 हजार रुपये तीन बदमाश के स्तर पर लूट लेने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस प्राथमिकी कर घटनास्थल एवं आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच-पड़ताल के बाद बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

सदर टू एसडीपीओ गोपाल मंडल ने बताया कि दुकानदार के बयान पर तीन नामजद बदमाश के विरुद्ध प्राथमिकी कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

ज्ञात हो कि शनिवार को वैशाली थाना के मदरना गांव में बाइक सवार बदमाशों ने एक आभूषण दुकान से करीब 10 लाख रुपये के सोना-चांदी के जेवर एवं नगद 80 हजार रुपये लूट लिए थे। विरोध करने पर बदमाशों ने फायरिंग के साथ ही दुकानदार के साथ मारपीट की। एसडीपीओ सदर टू गोपाल मंडल ने भी मौके पर घटना की जांच की थी। चिंतामणिपुर गांव निवासी श्रवण कुमार साह के पुत्र रोहित कुमार साह मां ज्वेलर्स नामक सोने-चांदी ज्वेलरी की दुकान है। शनिवार की दोपहर दोनों पिता-पुत्र अपनी दुकान पर दो महिला ग्राहकों को आभूषण दिखा रहे थे।

इसी दौरान बाइक सवार तीन बदमाश वहां पहुंचे और दुकान के अंदर घुसते ही अंदर से शटर गिरा दिया और पिस्टल तान दी। जब रोहित ने विरोध किया, तो एक बदमाश ने फायरिंग कर दी और पिस्टल के बट से उसके सिर पर प्रहार कर जख्मी कर दिया।

बदमाशों ने करीब 10 लाख रुपये के सोना चांदी के जेवर नगद 80 हजार रुपए लूट लिया। लूट की घटना को अंजाम देने के बाद बाइक सवार बदमाश जतकौली की ओर भाग निकले। आभूषण लूट के बाद बदमाश दुकान से बाहर निकलकर शटर दोबारा बंद कर फरार हो गए। दुकानदार रोहित शटर खोलकर बाहर निकले और बाइक से उनका पीछा करने का प्रयास भी किया।

एसडीपीओ ने बताया कि लूट के मामले में दुकानदार के बयान पर तीन अज्ञात बदमाश के विरुद्ध प्राथमिकी कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। 10 लाख रुपये के

खाद की कालाबाजारी ने बढ़ायी किसानों की परेशानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

वारिसलीगंज। वारिसलीगंज के किसानों की गाढ़ी कमाई को सहजता से उर्वरक विक्रेता मुनाफाखोरी कर रहे हैं। 1350 रुपये प्रति बैग वाला डीएपी को किसान 1650 से 1700 रुपये में खरीदकर अपने खेतो में डाल रहे हैं। कमरतोड़ मंहगाई में किसानों को खेती करना घाटे का कार्य साबित हो रहा है। परेशान किसान अपनी धान के उत्तम कोटि की फसल को औने-पौने कीमत पर बिक्री करने को मजबूर हैं। वारिसलीगंज बाजार में उर्वरक विक्री की पड़ताल के दौरान कुछ दुकानदारों ने कहा कि थोक विक्रेता द्वारा ही उर्वरक महंगा दिया जाता है, साथ ही दवा बिक्री करने की बाध्यता होती है।

बाजार के दुकानदार शिव रतन प्रसाद, महेंद्र प्रसाद, युगल प्रसाद समेत अन्य उर्वरक बिक्रेता कहते हैं कि मंहगा खरीद के बाद सस्ता बिक्री संभव नहीं है। दूसरी ओर, विस्कोमान को इतना कम डीएपी उपलब्ध करवाया जाता है जो ऊंट के मुंह मे जीरा वाली कहावत को चरितार्थ करती है।

बाजार में यूरिया के 45 केजी का बैग 350 से 360 रुपये में मिलता है, जबकि पारस डीएपी जिसमें रसायन की मात्रा 12:32:16 रहती है। उसकी बाजार मूल्य 1950 रुपये से दो हजार रुपये तक है, जबकि अन्य कंपनियों का डीएपी जिसमें रसायन की मात्रा कम होती है उसे थोड़ी कम कीमत पर मिलती है।

कोई भी डीएपी सरकार विस्कोमान काफी कम भेजती है। डीएपी की बाजार मूल्य 1550, यूरिया की बाजार कीमत 266 की जगह 350 रुपये प्रति बैग हो जाती है। जबकि अन्य कंपनियों के डीएपी की कीमत आसमान छूती है।

मकनपुर के किसान उपेंद्र सिंह, कुंदन सिंह, बिक्की कुमार, देवन महतो, लीला बीघा के किसान गंगा यादव, चैनपुरा के अभिमन्यु सिंह, सुबोध सिंह आदि कहते हैं कि जब भी किसानों को उर्वरक की आवश्यकता होती है। उर्वरक मुनाफाखोरी का शिकार होता है।

CMYK

26 नवंबर को जिला मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन करेंगे किसान

खाद की कालाबाजारी व फर्जी धान अधिप्राप्ति के खिलाफ आंदोलन का ऐलान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। संयुक्त किसान मोर्चा, बिहार ने 26 नवंबर को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर धरना, प्रदर्शन और प्रतिरोध मार्च आयोजित करने की घोषणा की है। यह निर्णय मोर्चा की संचालन समिति की आवश्यक बैठक में लिया गया जो रविवार को स्वामी सहजानंद सरस्वती आश्रम, पटना में जनक देव सिंह उर्फ गांधी जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में दिल्ली किसान आंदोलन की बरसी को चिह्नित करते हुए किसानों के गुस्से को सड़क पर उतारने का आह्वान किया गया। समिति ने कहा कि 26 नवंबर 2020 को तीन कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली की सड़कों पर शुरू हुए आंदोलन ने किसानों की शक्ति और एकता को साबित किया था। उसी आंदोलन के सम्मान में बिहार में किसान विभिन्न मुद्दों को लेकर राज्यव्यापी आंदोलन तेज करेंगे। बैठक में हाल में सम्पन्न हुए बिहार विधानसभा चुनाव में हुई कथित धांधली और चुनाव आयोग के व्यवहार पर तीखी आपत्ति जताई गई। नेताओं ने कहा कि चुनाव में 'लोकतंत्र की हत्या' हुई है और सर्वसम्मति से बिहार में फिर से चुनाव कराए जाने की मांग उठाई गई। मोर्चा ने कहा कि एनडीए सरकार की अप्रत्याशित जीत के बाद सत्ता पक्ष की तानाशाही खुलकर सामने आने लगी है। मजदूरों के अधिकारों पर चार श्रम कानून थोपकर केंद्र ने अपने कॉरपोरेट समर्थक चरित्र को उजागर किया है। वहीं बिहार में गरीब बस्तियों पर बुलडोजर चलाए जाने की घटना को शासन के दमन का प्रतीक बताया गया। बैठक में यह भी कहा गया कि खाद की कालाबाजारी, फर्जी धान अधिप्राप्ति, भूमि अधिग्रहण और किसानों-मजदूरों के अधिकारों पर हो रहे हमले चिंताजनक हैं। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संयुक्त किसान मोर्चा खाद्य एवं कृषि सचिव और मुख्य सचिव से मिलकर किसानों की मांगों को हल करने का आग्रह करेगा। यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो बिहार में व्यापक किसान आंदोलन खड़ा किया जाएगा। बैठक को किसान नेता दिनेश कुमार, अशोक प्रसाद सिंह, अमेरिका महतो, अनिल कुमार सिंह, देव कुमार, मनीष कुमार, ब्रजेश राय, अश्वनी कुमार चौबे, मुन्ना तिवारी, मो. मेराज खान एवं भूषण कुमार ने संबोधित किया और सभी किसान संगठनों को एकजुट होकर संघर्ष तेज करने की आवश्यकता बताई।

जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने बिहार के मुख्यमंत्री एवं करोड़ों बिहारियों की आन-बान और शान नीतीश कुमार को उनके नेतृत्व में एनडीए को मिले अभूतपूर्व जनादेश के लिए बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी

एनडीए की प्राथमिकता प्रदेश में कानून का राज व रोजगार: डॉ. दिलीप जायसवाल

बिहार की जनता ने विकास को पसंद किया और एनडीए को अपार समर्थन दिया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार के उद्योग मंत्री सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद पहली बार किशनगंज पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। किशनगंज पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष पर जमकर फूल बरसाए और उनके समर्थन में जमकर नारे लगाए। इसके बाद किशनगंज आवासीय कार्यालय में भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और चुनाव में जीत के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा संगठन के प्रति आपका समर्पण, अनुशासन तथा जनसेवा के प्रति आपकी अटूट निष्ठा ही हमारी वास्तविक शक्ति है और इसी ऊर्जा से राष्ट्र निर्माण के संकल्प को नई गति मिलती है। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर एक विकसित, समृद्ध और आत्मनिर्भर बिहार के लक्ष्य की दिशा में दृढ़ता से अग्रसर हैं। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि हमारी प्राथमिकता बिहार में कानून का राज स्थापित करना और युवाओं को रोजगार देना है। उद्योग मंत्री होने के नाते हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि बिहार के सभी युवाओं को सरकारी नौकरी मिले, यह संभव नहीं है। ऐसे में हमारी प्राथमिकता प्रदेश में उद्योग लगाने की होगी। उन्होंने कहा कि उद्योग विभाग जल्द ही एक रोडमैप तैयार करेगा और उस पर काम किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि हमारी कल्पना है कि लोगों के दैनिक कार्य में जो भी सामान उपयोग में आते हैं, उनका निर्माण बिहार में हो और यहां कुटीर उद्योग की बहुतायत हो। सभी वस्तुओं का निर्माण का कार्य उद्योग विभाग के अंतर्गत आता है। भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने चुनाव में एनडीए को मिली जीत को लेकर लोगों का आभार जताते हुए कहा कि इस चुनाव में एनडीए के घटक दलों के कार्यकर्ताओं में जबरदस्त समन्वय देखने को मिला। हमलोगों ने चुनाव के पहले सभी विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं की बैठक की थी। उन्होंने कहा बिहार में एनडीए सरकार ने जो काम किए थे और फिर चुनाव के दौरान महिलाओं के सशक्तिकरण, युवाओं के रोजगार और किसानों की खुशहाली की बात की गई तो बिहार की जनता ने विकास को पसंद किया और एनडीए को अपार समर्थन दिया।

लायंस क्लब इंटरनेशनल ने किया महिला सशक्तिकरण पर कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। लायंस क्लब इंटरनेशनल जिला-322 ने महिला सशक्तिकरण पर एक कार्यक्रम स्थानीय बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स, पटना में आयोजित किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इंटरनेशनल डायरेक्टर लायन वी. के. लूथरा ने सभी विशेषट अतिथियों एवं कार्यक्रम के प्रवक्ताओं के साथ मिल कर दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम में प्रवक्ता के रूप में पद्म श्री सम्मानित डॉ शांति राय एव सुद्धा वर्गीज के साथ उषा झा, साजिया केसर, हरजौत कौर बमराह, आई.ए.एस किरण घई, प्रो. माया शंकर आदि ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में लायंस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रदीप खेतान एवं प्रथम लायन लेडी रचना खेतान, ने सभी के विचारों को ध्यान से सुना एवं दिए गए निर्देश पर आगे कार्य करने की सहमति प्रदान की। पूर्व इंटरनेशनल डायरेक्टर बी.के. लूथरा, पूर्व जिला-पाल नम्रता सिंघ, लायन रीता कुमार, (डी.सी. मिशन सखी), लायन अनसूया देवी, लायन किरान बजोरिया, लायन श्वेता, लायन श्रुतकृति अगरवाल, लायन नेहा, लायन चंदना सहाय, लायन सुनीता गोयनका, लायन सविता जालान, लायन राजीव भार्गव, लायन मनोज अगरवाल आदि ने इस कार्यक्रम के संचालन में अपना पूरा सहयोग दिया।

अवैध वोटर नहीं तो टीएमसी भी नहीं : मंगल पांडेय

घुसपैठियों को शरण देने में पश्चिम बंगाल देश का नंबर वन राज्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

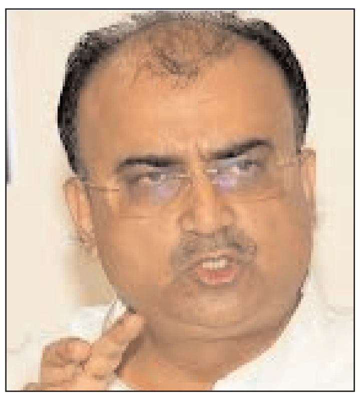

कोलकाता। बिहार सरकार के स्वास्थ्य व विधि मंत्री एवं भाजपा पश्चिम बंगाल के प्रभारी मंगल पांडेय ने पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने प्रदेश की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को सुचारु न होने देने का बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि राज्य में एसआईआर की शुरुआत होते ही ममता सरकार इस प्रक्रिया को रोकने की तमाम कोशिशें कर रही है। जैसा की टीवी चैनल्स व समाचार पत्रों में यह नजर आ रहा है कि यहां के अवैध वोटर मतदाता सूची में सुधार की प्रक्रिया शुरु होते ही बार्डर पार यानी बंगलादेश की ओर भागते नजर आ रहे हैं। वहीं प्रदेश की नाकाम मुख्यमंत्री इन अवैध वोटरों के प्रति संवेदना प्रकट कर रही हैं। पश्चिम बंगाल देश का नंबर 1 राज्य है जहां घुसपैठिये खुद को सबसे सुरक्षित मानते हैं। यहां अवैध वोटर नहीं रहेंगे तो टीएमसी भी नहीं रहेगी। श्री पांडेय ने टीएमसी सरकार पर यह आरोप लगाया कि वो बूथ-लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की मौत पर राजनीति कर रही है। सच ये है कि टीएमसी के गुंडे बीएलओ को धमका रहे हैं और चुनाव आयोग के नियमों की अनदेखी करने का दबाव बना रहे हैं। श्री पांडेय ने यह आरोप लगाया कि जिस प्रकार सरकार एसआईआर का विरोध करती नजर आ रही है, उससे बीएलओ की कथित सुसाइड सरकार को संदेह के घेरे में लाती है। पूरा भारत अवैध घुसपैठियों के खिलाफ देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह के फैसले के साथ खड़ा है। मगर सीएम ममता बनर्जी एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन घुसपैठियों के साथ हैं। ममता-राहुल को अपने देश से ज्यादा दूसरे देश के नागरिकों के हित की चिंता है जो तुष्टिकरण का बड़ा उदाहरण है।

नीतू नवगीत ने बिहार की संस्कृति से कराया परिचित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में बिहार दिवस समारोह का आयोजन किया गया जिसमें बिहार की प्रसिद्ध लोक गायिका डॉ नीतू कुमारी नवगीत ने पारंपरिक गीतों के माध्यम से लोगों को बिहार की समृद्ध संस्कृति से परिचित कराया। कार्यक्रम में उन्होंने उजर बगुला बिन, पिपरो न शोभे कोयल बिना बगिया ना शोभे राजा, पटना से बैदा बुलाई दा नजरआ गईली गुईंया, राम जी से पूछे जनकपुर की नारी बता द बबुआ लोगवा गीत काहे गारी बता दे बबुआ, मांगी ला हम वरदान हे गंगा मैया, मांगी ले हम वरदान, दमा दम मस्त कलंदर तथा बिहार गौरव गान जिस धरा पर हमने जन्म लिया, वही हमारा मान है ये बिहार की धरती तुझपे जीवन कुर्बान है, हर दिल में बसता प्यार जहां पर, गंगा प्यार की बहती है, नालंदा और बोधगया का गौरव तुझ में समाया है जिस माटी में पले बढ़े हम, उसका कर्ज चुकाएंगे सहित अनेक पारंपरिक गीतों का गायन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्रोताओं ने उनके साथ सुर में सुर मिलाकर गर्व से कहना हम हैं बिहारी, अपनी यही पहचान है गीत को गाया।

बिहार के लोगों को अत्याधुनिक हृदय उपचार देना लक्ष्य : डॉ. नरेश त्रेहन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जयप्रभा मेदांता सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, पटना द्वारा होटल लेमन ट्री प्रीमियर में अंतरराष्ट्रीय मेदांता कार्डियक कॉन्क्लेव 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में भारत, इंग्लैंड, अमेरिका, मॉरीशस और नेपाल के ख्यातिप्राप्त हृदय रोग विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक सत्रों और मास्टरक्लास के माध्यम से अपनी नवीनतम विशेषज्ञता साझा की। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मेदांता समूह के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डॉ. नरेश त्रेहन ने कहा- हृदय रोग आज भारत की सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। हमारा उद्देश्य है कि बिहार और पूर्वी भारत के मरीजों को वही उपचार मिले जो अमेरिका, यूरोप या दिल्ली-मुम्बई में उपलब्ध है। जयप्रभा मेदांता अस्पताल में संरचना, तकनीक और विशेषज्ञता—तीनों को उसी स्तर पर विकसित किया जा रहा है। कार्डियक कॉन्क्लेव इसी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। ताकि डॉक्टरों को नवीनतम तकनीकों का ज्ञान मिले और मरीजों को सर्वोत्तम परिणाम मिले। कॉन्क्लेव में इंग्लैंड से डॉ. जेम्स नोलान, डॉ. राजे नरायण, अमेरिका से डॉ. मिथिलेश दास तथा मॉरीशस से डॉ. शमलोल उमेश ने अपनी प्रगति-उन्मुख प्रेजेंटेशन से हृदय रोग उपचार की नई दिशाओं पर प्रकाश डाला। भारत के विभिन्न प्रमुख शहरों—गुरुग्राम, नोएडा, लखनऊ, चेन्नई, हैदराबाद, जयपुर, मुम्बई, अहमदाबाद, कोलकाता, रांची और गुवाहाटी—से आए वरिष्ठ इंटरवेंशनल और क्लिनिकल कार्डियोलॉजिस्टों ने जटिल एंजियोप्लास्टी, हाई-रिस्क केस मैनेजमेंट, बिना तार वाले पेसमेकर, अतालता उपचार और बिना चीरा-फाड़ वाली हृदय प्रक्रियाओं पर अपनी तकनीकें साझा कीं। डॉ. प्रवीण चंद्रा (चेयरमैन, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी, मेदांता) ने कहा- इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी लगातार विकसित हो रही है। आज हम ऐसे जटिल मामलों का इलाज कर पा रहे हैं जो कुछ वर्ष पहले संभव नहीं माना जाता था। इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य है कि बिहार के चिकित्सक इन उन्नत तकनीकों को सीखें और अधिक जीवन बचाए जा सके। डॉ. रजनीश कपूर (वाइस चेयरमैन, कार्डियोलॉजी, मेदांता) ने कहा -हार्ट अटैक और अतालता के कई मरीज देरी से अस्पताल पहुंचते हैं। ऐसे मामलों में अत्याधुनिक तकनीक और प्रशिक्षित टीम का संयोजन ही जीवन बचाता है। इस प्रकार के मास्टर-क्लास बिहार में कार्डियक केयर को नई ऊंचाई पर ले जाएंगे।

अशोका यूनिवर्सिटी ने यंग इंडिया फेलोशिप के 15 साल पूरे होने पर नया डिप्लोमा किया लॉन्च

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। इंटरडिसिप्लिनरी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी अशोका यूनिवर्सिटी ने यंग इंडिया फेलोशिप (वाईआईएफ) के 16वें बैच, सत्र 2026-27 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। फेलोशिप के 15 वर्ष पूरे होने के अवसर पर विश्वविद्यालय ने घोषणा की है कि अब वाईआईएफ इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज में पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा प्रदान करेगी। इस बैच के सभी चयनित फेलोज को एचडीएफसी बैंक के सहयोग से स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। करीब 100 सीटों वाले इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में पूरे देश, विशेषकर पटना और रांची जैसे शैक्षणिक रूप से उभरते शहरों से प्रतिभाशाली युवाओं को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। आवेदन की पहली राउंड 19 जनवरी 2026 तक खुली रहेगी। फेलोशिप की विरासत पर बात करते हुए अशोका यूनिवर्सिटी के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी के संस्थापक और चेयरपर्सन प्रमथ राज सिन्हा ने कहा अशोका की शुरुआत यंग इंडिया फेलोशिप से हुई थी, इसलिए इसका विश्वविद्यालय में बेहद खास स्थान है। प्रोग्राम का उद्देश्य ऐसे युवाओं को तैयार करना है जिनमें आलोचनात्मक सोच, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक बदलाव लाने की प्रतिबद्धता हो। पिछले 14 वर्षों में लगभग 2400 पूर्व छात्र सरकार, सिविल सोसायटी, विकास क्षेत्र, अकादमिक जगत, शोध, खेल, परफॉर्मिंग आर्ट्स, बहुराष्ट्रीय संगठनों, कॉरपोरेट जगत और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। फेलोशिप के प्रभाव पर बात करते हुए अशोका यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर सोमक रायचौधरी ने कहा यंग इंडिया फेलोशिप ने विश्वविद्यालय में ऐसे नेताओं को तैयार करने में बड़ी सफलता हासिल की है जो आज दुनियाभर में अपना नाम बना रहे हैं। इसमें सभी आयु वर्ग और राष्ट्रीयताओं के उम्मीदवार जिनके पास जुलाई 2026 तक किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से स्नातक की डिग्री होगी (अंतिम वर्ष के छात्र भी पात्र), आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए कोई आयु सीमा नहीं है।

मारवाड़ी हेल्थ सोसाइटी ने किया निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मारवाड़ी हेल्थ सोसाइटी द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। मौके पर सोसाइटी के अध्यक्ष राधेश्याम बंसल ने बताया कि शिविर का आयोजन सोसाइटी परिसर रोड नं. 7, राजेन्द्र नगर में प्रातः 10 बजे से प्रारम्भ हुआ। शिविर में नेत्र जांच का कार्य प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. चंद्रशेखर कुमार, डॉ प्रवीण कुमार एवं अन्य अनुभवी चिकित्सकों की टीम द्वारा किया गया। शिविर में करीब 95 मरीजों के आंखों की जांच की गई। मौके पर समिति के कार्यकारी अध्यक्ष हनुमान गोयल ने बताया कि आज नेत्र जांच में 26 लोगों का मोतियाबिंद बढ़ा हुआ पाया गया जिसका निःशुल्क ऑपरेशन फेको विधि से कराया जाएगा। जांच कराने वाले सभी मरीजों को दवा एवं आवश्यक परामर्श भी दिया गया। आज के कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के संस्थापक अध्यक्ष महावीर अग्रवाल, संजय भलोटिया, प्रशांत बंका, घनश्याम अग्रवाल, बिनोद अग्रवाल, डॉ गौतम मोदी, सुजीत सिंघानिया, अनिल रिटोलिया, पवन गोयल सहित अन्य सदस्य लगे हुए थे।

व्यापार मेला में बिहार दिवस समारोह का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। दिल्ली के भारत मंडपम (प्रगति मैदान) में 14 से 27 नवम्बर 2025 तक चलने वाले अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में बिहार दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिहार सरकार के उद्योग विभाग एवं बिहार सूचना केंद्र दिल्ली द्वारा प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। वहीं बिहार सरकार के उद्योग विभाग द्वारा बिहार दिवस समारोह के अवसर पर भारत मंडपम के एमपीथिएटर 1 में एक-एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बिहार से आए लोक कलाकारों ने अपनी गीत संगीत एवं मनमोहक नृत्य से लोगों का मन मोह लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम से पहले आयोजित प्रेस वार्ता को दिल्ली में बिहार सरकार के स्थानिक आयुक्त एवं बिहार सरकार के इनवेस्टमेंट कमिश्नर व बिआडा (बिहार इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट ऑथोरिटी) के एम डी कुंदन कुमार (आई ए एस) एवं उद्योग विभाग के संयुक्त सचिव अनिल कुमार ने संबोधित किया। प्रेस वार्ता का संचालन बिहार सूचना केंद दिल्ली के सहायक निदेशक वेद वृति ने की। इस अवसर पर बिहार पवेलियन के निदेशक संजय कुमार सिंह सहित उद्योग विभाग के कई पदाधिकारी मौजूद थे। कुंदन कुमार ने कहा कि 44वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में बिहार पवेलियन को इस बार के मेले के थीम एक भारत श्रेष्ठ भारत के अनुरूप सजाते हुए इनमें बिहार के योगदान को दर्शाया गया है। बिहार पवेलियन को बिहार के लोक कलाकारों ने अपने हाथों से बिहार के लोक कलाओं से बेहतरीन रूप से सजाया है जो बिहार पवेलियन को खास बनाया है एवं लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस वर्ष बिहार मंडप के मुख्य द्वार को सीतामढ़ी के पुनौरा धाम में निर्माण हो रहा सीतामाता का मंदिर (प्रस्तावित) का प्रारूप बनाया गया है एवं मुख्य द्वार के बगल में पावापुरी मंदिर के प्रारूप का निर्माण किया गया है वहीं साइड के दीवारों पर राजगीर का विश्व शांति स्तूप, पटना मेट्रो एवं अन्य द्वार को महाबोधि मंदिर का प्रारूप दिया गया है। बिहार मंडप के सेन्ट्रल हॉल में बना बिहार संग्रहालय लोगों को आकर्षित कर रहा है। कुंदन कुमार ने व्यापार मेले से लोगों को बिहार में निवेश करने का आह्वान करते हुए कहा कि बिहार सरकार की नई औद्योगिक निवेश पॉलिसी 2025 भारत का श्रेष्ठतम निवेश पॉलिसी है, इसलिए सभी को आह्वान कर रहा हूं कि बिहार में निवेश करें एवं मिलने वाले बेहतरीन पैकेज का लाभ उठाएं। बिहार में जो भी 100 करोड़ या उससे अधिक का निवेश एवं 1000 लोगों को रोजगार देगा उन्हें एक रुपए के टोकन अमाउंट पर फ्री लैंड मुहैया किया जाएगा। बिहार सरकार द्वारा लाया गया बिहार इंडस्ट्रियल इनवेस्टमेंट प्रमोशन पैकेज 2025 के तहत 100 करोड़ निवेश एवं 1000 डायरेक्ट रोजगार देने वाले निवेशक को 10 एकड़ फ्री, 1000 करोड़ इनवेस्टमेंट वाले निवेशक को 25 एकड़ फ्री एवं 200 एकड़ निवेश करने वाले फॉरच्यून 500 कंपनीज को 10 एकड़ फ्री लैंड दी जाएगी। बिहार पवेलियन के बारे में जानकारी देते हुए कुंदन कुमार ने कहा कि बिहार पवेलियन में हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, बिहार खादी बोर्ड, जीविका, बिहार सरकार के बीएडा एवं पर्यटन विभाग के 65 स्टॉल है जिनमें 5 जीविका दीदी, 5 बिहार खादी बोर्ड, 3 बिहार सरकार के पर्यटन विभाग दो बीएडा, दो आम्रपाली इंपोरियम, सुधा, बिहार के सुप्रसिद्ध कतरनी, स्वर्ण मंसूरी एवं सोनम चावल, प्रमोद मल्टीफूड्स सहित बिहार के नायाब हैंडलूम एवं हैंडीक्राफ्ट उत्पादों के स्टॉल हैं वहीं पवेलियन के केंदीय कक्ष में बिहार संग्रहालय के प्रदर्शनी एवं केंद्रीय हॉल में लोक कलाकारों द्वारा गायन भी लोगों को आकर्षित कर रहा है।

संपादकीय

'ग्लोबल माफिया' की अमेरिका, कनाडा, दुबई में जड़ें

देश में गिरोहबाजों का तंत्र सुरक्षा एवं जांच एजंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। अपराध की दुनिया के ये कुख्यात सरगना कई बड़ी वारदातों को अंजाम देने के बाद आसानी से विदेश भाग जाते हैं और वहीं से अपने गिरोह को संचालित करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में तमाम सख्ती के बावजूद ऐसे कई गिरोह पनपे, जो समाज के लिए बड़ा खतरा बन गए। लारेंस बिश्नोई गिरोह भी इनमें से एक है। लारेंस के सुरक्षा एजंसियों की गिरफ्त में आने के बाद उसका भाई अनमोल अमेरिका से इस गिरोह को संचालित कर रहा था।मगर, राष्ट्रीय जांच एजंसी ने अब उसे अमेरिका से प्रत्यर्पित कर गिरफ्तार कर लिया है। वह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या, अभिनेता सलमान खान के घर पर गोलीबारी और पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या सहित कई अन्य अपराधों में वांछित था।अनमोल की गिरफ्तारी को भले ही जांच एजंसी की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, लेकिन सवाल है कि इस तरह के अपराधी सुरक्षा एजंसियों को चकमा देकर विदेश कैसे फरार हो जाते हैं?इसे सुरक्षा एजंसियों की विफलता नहीं तो और क्या कहा जाएगा कि लारेंस बिश्नोई गिरोह ने दिल्ली, पंजाब और गुजरात सहित तेरह राज्यों में अपना तंत्र खड़ा कर लिया था। यही नहीं, इस गिरोह ने अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, दुबई और पुर्तगाल जैसे देशों में भी अपनी जड़ें जमा लीं।क्या कारण है कि तमाम संसाधनों और तकनीकी दक्षता के बावजूद राज्यों की पुलिस एवं अन्य सुरक्षा एजंसियां इस तरह के गिरोहों पर लगाम कसने में उतनी सतर्क एवं सजग नजर नहीं आतीं, जितनी उनसे अपेक्षा की जाती है।लारेंस और अनमोल के अलावा और भी कई गिरोहबाज विदेश से देश के भीतर आपराधिक वारदातों को अंजाम देने की साजिश रचते रहते हैं। हालांकि, केंद्र सरकार ने ऐसे गिरोहबाजों की धरपकड़ के लिए पिछले कुछ समय से अपने कूटनीतिक प्रयासों को तेज किया है और मुंबई हमले के साजिशकर्ताओं में शामिल तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से भारत लाना इन्हीं प्रयासों का नतीजा है। उम्मीद है कि सरकार और सुरक्षा एजंसियां विदेश में बैठे आर्थिक अपराधियों सहित अन्य गिरोहबाजों को भी न्याय के कठघरे में लाएगी।

अमेरिका की कांग्रेस के समक्ष प्रस्तुत यूएस-चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन (यूएससीसी) की विवादास्पद रिपोर्ट ने मई 2025 में भारत-पाकिस्तान संघर्ष (ऑपरेशन सिंदूर) पर एकबार फिर नई बहस छेड़ दी है। रिपोर्ट में संघर्ष के स्वरूप और परिणामों को लेकर कई दावे किए हैं। ऐसे दावे, जिनके समर्थन में कोई स्वतंत्र या सत्यापन योग्य प्रमाण उपलब्ध नहीं है। रिपोर्ट में सबसे विवादास्पद बात पाकिस्तान ने सामरिक सफलता प्राप्त की और भारत ने तीन लड़ाकू विमान खोए हैं। यह वही नैरेटिव है, जो संघर्ष के तुरंत बाद पाकिस्तानी सोशल मीडिया इको-सिस्टम में फैलाया गया था, जिसे तब भी दुनिया भर के फैक्ट-चेक मंचों, ओएसआईएनटी समूहों और सैन्य विश्लेषकों ने खारिज कर दिया था।

यूएससीसी रिपोर्ट- राष्ट्रीय सुरक्षा का अंतिम निर्णय विदेशी नहीं, भारतीय संप्रभु संस्थाएं करेंगी

(विनोद पाठक)

यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि एक आधिकारिक अमेरिकी रिपोर्ट ऐसे निष्कर्षों पर कैसे पहुंची? जिनका कोई ठोस आधार नहीं है, जो क्षेत्रीय वास्तविकताओं से मेल नहीं खाते।इसका एक उत्तर भू-राजनीति, विशेषकर चीन की भूमिका, में छिपा है। आश्चर्यजनक यह है कि भारत में एक वर्ग इस रिपोर्ट पर कूद रहा है।

दरअसल, भारत-पाकिस्तान संघर्ष का उपयोग चीन ने एक अवसर की तरह किया। पाकिस्तान के साथ उसका सैन्य-रणनीतिक गठजोड़ और सी-पैक जैसे प्रोजेक्ट्स में उसकी गहरी आर्थिक हिस्सेदारी पहले से स्पष्ट है। फिर चीन ने इस संघर्ष को अपने हथियारों और तकनीकों के परीक्षण के लिए उपयोग किया। चीन ने अपने एचक्यू-9 एयर-डिफेंस सिस्टम और कुछ मिसाइल तकनीकों की प्रभावशीलता को रियल टाइम वातावरण में मापने की कोशिश की। ऐसा भारत पहले ही कह चुका है।

एक सच्चाई यह भी है कि चीन ने भारत निर्मित या भारत द्वारा खरीदे गए हथियारों, विशेषकर राफेल और एस-400 की क्षमता को लेकर दुष्प्रचार फैलाने की भी कोशिश की। जैसा, अमेरिकी रिपोर्ट कह रही है।

ऑपरेशन सिंदूर और चीन की रणनीति: स्पष्ट है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन की रणनीति केवल सैन्य परीक्षण भर नहीं थी। उसका उद्देश्य वैश्विक हथियार बाजार में अपने जे-35 जैसे लड़ाकू जहाजों और मिसाइल प्रणालियों को युद्ध सिद्ध दिखाकर उनकी बिक्री बढ़ाना भी था। पाकिस्तान उसके लिए एक परीक्षण प्रयोगशाला और क्षेत्रीय मोहरा, दोनों है। यही वह बिंदु है, जो अमेरिकी रिपोर्ट

को संदिग्ध बनाता है। रिपोर्ट में चीन का उल्लेख है, लेकिन जिस प्रकार चीन-पक्षीय नैरेटिव को स्थान दिया गया है, उससे यह आशंका बलवती होती है कि रिपोर्ट का हिस्सा राजनीतिक प्रभाव, लॉबी और रणनीतिक दबावों से निर्मित हुआ होगा, न कि ठोस तथ्यों पर आधारित है। किसी भी देश के लिए बाहरी दुष्प्रचार उतना खतरनाक नहीं होता, जितना तब जब उसकी आंतरिक राजनीति उसे अनजाने में वैधता देने लगती है। यही स्थिति भारत में देखने को मिली। विडंबना यह है कि अमेरिकी रिपोर्ट के आते ही भारत के भीतर एक वर्ग, विशेषकर विपक्ष, ने इसे तुरंत राजनीतिक आक्रमण के हथियार के रूप में उठा लिया, बिना इस तथ्य को परखे कि यह रिपोर्ट विवादास्पद, प्रमाण हीन और भू-राजनीतिक दबावों से प्रभावित हो सकती है। वैसे तो लोकतंत्र में सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषयों पर अप्रमाणित विदेशी रिपोर्टों पर विश्वास जताना, विशेषकर तब जब वे शत्रु देशों के दुष्प्रचार से प्रेरित हो सकती हों, अत्यंत जोखिमपूर्ण है। इससे न केवल जनता का आंतरिक विश्वास टूटता है, बल्कि भारत विरोधी नैरेटिव को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनचाहा बल मिलता है। राष्ट्र की सुरक्षा नींव का निर्माण सेना, संस्थाओं और रणनीतिक स्वायत्तता से होता है, न कि विदेशी थिंक-टैंकों की रिपोर्टों से। किसी भी दल के लिए यह समझना आवश्यक है कि सरकार हो या विपक्ष, देश की संप्रभुता सर्वोपरि है।

भारत को क्या करना चाहिए?: भारत को इस समय दो मोर्चों पर बराबर मजबूती से खड़ा होना है। पहला, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपने तथ्य, साक्ष्य और विश्लेषण को स्पष्ट, सुसंगत और दृढ़ता से रखना और दूसरा, घरेलू राजनीति में राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से ऊपर रखना। अमेरिकी रिपोर्ट का कूटनीतिक स्तर पर स्पष्ट खंडन आवश्यक है और सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत की सैन्य कार्रवाई और उसके परिणामों से जुड़े तथ्यों के सटीक दस्तावेज अंतरराष्ट्रीय संस्थानों तक पहुंचें। साथ ही, भारत अपने राष्ट्रीय सुरक्षा संचार तंत्र को और सक्षम बनाए। आज दुष्प्रचार केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं है। यह वैश्विक रिपोर्टों, थिंक-टैंकों और रणनीतिक मंचों के माध्यम से भी फैल रहा है। भारत को अपने संस्थागत तंत्र जैसे रॉ, डीआईए, एनटीआरओ, विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा, ताकि देश विरोधी नैरेटिव को तुरंत चुनौती दी जा सके। यह मामला केवल एक विदेशी रिपोर्ट का नहीं है। यह इस व्यापक चुनौती का प्रतीक है कि आज का भू-राजनीतिक माहौल कितना जटिल हो चुका है। दुष्प्रचार अब परंपरागत युद्ध जितना ही प्रभावशाली हथियार बन गया है। चीन और पाकिस्तान जैसे प्रतिद्वंद्वी इसे भली-भांति समझते हैं। भारत को भी इसे समान गंभीरता के साथ समझना होगा। राष्ट्र की सुरक्षा केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि सूचना-युद्ध में भी सुरक्षित रखनी होती है। इसके लिए सरकार, विपक्ष, मीडिया और रणनीतिक समुदाय सभी की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण है। आज भारत को एक ही दिशा में एकजुट रहने की आवश्यकता है कि सैन्य सफलता को तथ्य निर्धारित करेंगे, राजनीति नहीं। राष्ट्रीय सुरक्षा का अंतिम निर्णय विदेशी रिपोर्टें नहीं, बल्कि भारतीय संप्रभु संस्थाएं करेंगी।यह लेखक के निजी विचार हैं।

प्रशासन की सुस्ती से बच्चों पर संकट

(देवेंद्रराज सुथार)

'भारत में औसतन हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है'। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी देश में बाल संरक्षण व्यवस्था की गंभीर कमजोरियों को रेखांकित करती है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन द्वारा व्यक्त चिंता केवल न्यायिक अवलोकन नहीं, बल्कि सामाजिक चेतावनी भी है, जो बताती है कि देश में बच्चों की सुरक्षा से संबंधित तंत्र अपनी मूलभूत जिम्मेदारियों को निभाने में किस हद तक विफल है। इस समस्या का पैमाना अत्यंत व्यापक है और इसके प्रभाव सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक एवं नैतिक, सभी स्तरों पर दिखाई देते हैं।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े इस संकट की गहराई का स्पष्ट प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। वर्ष 2023 में देश में लगभग 1.4 लाख बच्चे लापता हुए, जिनमें से लगभग 49,000 अब तक नहीं मिल सके हैं। वर्ष 2022 के आंकड़े बताते हैं कि लगभग 47,000 से अधिक लापता बच्चों में 72 प्रतिशत लड़कियां थीं। उसी वर्ष मानव तस्करी के 424 मामले दर्ज किए गए। पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में गायब हुई लड़कियों की संख्या 10,000 से अधिक है, जो स्थानीय प्रशासन की प्राथमिकताओंऔर सुरक्षा तंत्र पर प्रश्नचिह्न लगाती है। 2020 और 2021 के बीच लापता बच्चों के मामलों में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई।

सुप्रीम कोर्ट ने 'गुड़िया' नामक स्वयंसेवी संस्था की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया है और 'खोया-पाया' पोर्टल की कार्यक्षमता पर भी सवाल उठाए हैं। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने गोद लेने की प्रक्रिया की अत्यधिक जटिलता पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि जब औपचारिक गोद लेने की प्रक्रिया कठिन और लंबी होती है, तो अवैध नेटवर्क को प्रोत्साहन मिलता है, जिसके माध्यम से बच्चे तस्करी का शिकार बनते हैं। यह समस्या दर्शाती है कि कानूनी ढांचा तब तक प्रभावी नहीं हो सकता, जब तक कि वह व्यावहारिक और सुलभ न हो। प्रशासनिक तंत्र में कई स्तरों पर गंभीर कमियां हैं। परिवारों द्वारा दर्ज कराई जाने वाली शिकायतों पर समय पर कार्यवाही नहीं होती। कई मामलों में पुलिस प्रारंभिक प्रतिक्रिया के रूप में यह मान लेती है कि बच्चा स्वयं लौट आएगा, जिससे खोज के शुरुआती महत्वपूर्ण घंटे व्यर्थ चले जाते हैं। राज्यों के बीच समन्वय का अभाव लापता बच्चों की तलाश को और चुनौतीपूर्ण बना देता है। मिशन वात्सल्य जैसी योजनाएं व विभिन्न पोर्टल मौजूद होने के बावजूद उनका प्रभाव जमीन पर नहीं दिखता। यह समस्या दर्शाती है कि केवल नीतियां बना देना पर्याप्त नहीं है।

अब हमारी जेब पर भी डाका डालने लगी जहरीली हवा

(संजीव बजाज)

पिछले मंगलवार की सुबह मेरे दोस्त का गुरुग्राम से फोन आया। चिंतित आवाज में उसने कहा, 'बेटी को फिर से अस्पताल ले जा रहा हूं। इस महीने यह तीसरी बार है।' उसकी सात साल की बेटी रात भर खांसती रही। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की जहरीली हवा से सांस के 'इन्फेक्शन' का मामला था। मैंने फौरन अपना फोन चेक किया, तो एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 503 दिखा। एक्यूआई का यह स्तर अब आपात स्थिति के बजाय सालाना 'हेडलाइन' जैसा लगता है।

अक्सर जब हम वायु प्रदूषण की बात करते हैं, तो सिर्फ सेहत के पहलू पर ध्यान देते हैं, लेकिन एक और संकट चुपचाप सामने आ रहा है और यह संकट भारतीय घरों की वित्तीय मजबूती में सेंध मार रहा है।

गौर कीजिए, अकेले सितंबर महीने में देश के अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों के बीमा दावों में लगभग नौ प्रतिशत वायु प्रदूषण संबंधी रोगों से जुड़े थे। इनमें दस साल से कम उम्र के बच्चों का हिस्सा 43 प्रतिशत था। सांस संबंधी रोगों के इलाज का खर्च साल-दर-साल 11 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि दिल से जुड़ी बीमारियों के मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने की दर में छह फीसदी की बढ़ोतरी हुई। अगर बीमा दावों का औसत निकालें, तो लगभग 55,000 रुपये प्रति मरीज बैठता है, जो दिल्ली में कई मध्यवर्गीय परिवारों के लिए एक बड़ा बोझ है। जहां सालाना प्रतिव्यक्त आय लगभग 4.5 लाख रुपये बैठता है। जाहिर है, यह एक ऐसे शहर में सांस लेने की कीमत है, जिसकी आबोहवा जहरीली होती जा रही है। परिवार सिर्फ बीमारी से नहीं लड़ रहे; वे बढ़ती हेल्थकेयर महंगाई से भी जूझ रहे हैं।

जैसे-जैसे सांस की बीमारियां बढ़ रही हैं, स्वास्थ्य बीमा कंपनियां चुपचाप 'रिस्क पूल' का नए सिरे से नियमन कर रही हैं और ऐसे कवरेज विकल्प बढ़ा रही हैं, जो बचाव और लंबे समय के स्वास्थ्य-प्रबंधन पर जोर देते हैं। ऐसी बीमा पॉलिसियों की डिमांड बढ़ रही है, जो भर्ती होने से आगे बढ़कर ओपीडी में दिखाने, नियमित चेक-अप और देखभाल सपोर्ट को कवर करती हों। दूसरे शब्दों में, संरक्षण 'रिएक्टिव' से 'प्रोएक्टिव' हो रहा है। शहरी परिवारों के लिए, खासकर दिल्ली-एनसीआर में एक अच्छा स्वास्थ्य बीमा एयर प्यूरीफायर जितना ही जरूरी हो गया है।

खराब हवा का असर हॉस्पिटल बिल से कहीं ज्यादा होता है। जैसे, दीपावली के बाद 'हेल्थ क्लेम' आमतौर पर करीब 14 प्रतिशत बढ़ जाते हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अनेक परिवारों को प्यूरीफायर, एन95 मास्क और बार-बार डॉक्टर से दिखाने पर ज्यादा खर्च करना पड़ता है। ये ऐसे खर्च हैं, जो एक दशक पहले घर के बजट का हिस्सा नहीं थे। सबसे बड़ी बात, ये विलासिता के नहीं; जान बचाने के खर्च हैं। ऐसे में, वित्तीय सलाहकार, बीमा कंपनियां परिवारों को न सिर्फ मुश्किलों का सामना करने में मदद कर सकती हैं, बल्कि भविष्य के लिए तैयार रहने का एक फ्रेमवर्क भी सुझा सकती हैं।

यह गौर करने की बात है कि प्रदूषण से जुड़े बीमा दावे 2022 में 6.4 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में नौ फीसदी हो गए हैं। इस ट्रेंड को नकारा नहीं जा सकता। अगर हम अभी कदम नहीं उठाते, तो एक ऐसी अर्थव्यवस्था में जोखिम ही उठा रहे होंगे, जिसमें हर सांस की कीमत होने वाली है। मगर उम्मीद है। वित्तीय संस्थान स्वच्छ ऊर्जा, शहरी हरियाली और टिकाऊ आवास में पूंजी लगा सकते हैं। स्वास्थ्य बीमा सिर्फ रोगों के इलाज नहीं, बल्कि उनकी रोकथाम का भी सहारा बन सकता है। और एक इंसान के तौर पर हम वायु गुणवत्ता को अपने जीने, निवेश करने और बीमा भुगतान का एक फैक्टर बना सकते हैं। जब मेरे दोस्त ने कहा कि मैं अब इस शहर से निकलने के बारे में सोच रहा हूं, तो उसने वही कहा, जो अनेक परिवार शिद्दत से महसूस करते हैं। लेकिन शहर बदलना अकेला जवाब नहीं होना चाहिए। हमें मिलकर बदलाव की जरूरत है, क्योंकि जब एक्यूआई 400 के पार जाता है, तो सिर्फ फेफड़ों को ही नुकसान नहीं होता; बल्कि घरों की 'बैलेंस शीट' को भी नुकसान होता है। और स्मॉग के उलट माली नुकसान अपने आप ठीक नहीं होता। इसके लिए जागरूकता, जरूरी कदम और इनोवेशन की जरूरत होती है। (लेखक उद्यमी है-ये लेखक के अपने विचार हैं)

आतंक पर अमेरिका जैसी सख्ती कीजिए

(आर के राघवन)

दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार विस्फोट ने पूरे देश को झकझोर दिया था और सरकार द्वारा इसे आतंकी घटना बताए जाने के बाद यह बेहद संवेदनशील मुद्दा बन गया हैं। ऐसी घटनाओं के बाद विभिन्न पक्षों द्वारा उल-जुलूल बातें फैलाई जाने लगती हैं। लेकिन इस बार मीडिया ने जिस तरह से निष्पक्ष होकर तथ्यों पर आधारित कवरेज की, इसके लिए उसकी सराहना की जानी चाहिए। यही सबसे अच्छा तरीका है, जिससे हम आतंक के खिलाफ जनमत बना सकते हैं और आतंकवाद विरोधी जंग में अपनी सुरक्षा एजेंसियों को समर्थन देने के लिए पूरे समाज को प्रेरित कर सकते हैं।

कार धमाके की पूरी योजना के साथ आत्मघाती उमर उन-नबी के वीडियो के सार्वजनिक होने के बाद अनेक लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि प्रतिष्ठित पेशेवरों (डॉक्टरों) का यह समूह इतना कट्टरपंथी बन गया था कि आतंकी हमले को अंजाम देने तक गिर गया? इस मामले में अब तक हुए खुलासे व पकड़े गए संदिग्धों की पृष्ठभूमि यह साफ बताती है कि जब धार्मिक कट्टरता और नफरत की बात आती है, तब कुछ और मायने नहीं रखता। साजिश करने वालों ने अपनी योजना को कैसे अंजाम दिया, या कम से कम उसका हिस्सा बने, इसकी एक अलग कहानी है। सबसे खास बात यह है कि देश भर में फैली हमारी सुरक्षा एजेंसियों की नजर में ये नहीं आ पाए।

कुछ लोग पूछ रहे हैं कि सुरक्षा की दृष्टि से कोई चूक तो नहीं रह गई थी? हमें समझना चाहिए कि इतने बड़े देश में पुलिस-तंत्र की चुनौतियां कितनी गंभीर किस्म की हैं। साथ ही दिल्ली जैसी मिली-जुली सामाजिक संरचना वाली राष्ट्रीय राजधानी में लोगों के आने-जाने पर नजर रखना लगभग नामुमकिन है। ऐसे में, कानून लागू करने वाली एजेंसियों की आलोचना करना गलत है, बल्कि उन्होंने इतनी जल्दी पूरी साजिश को बेनकाब करने का सराहनीय काम किया है। सुरक्षा-तंत्र की तारीफ होनी चाहिए कि उसने घटना में शामिल लोगों और जिम्मेदार 'टेरर मॉड्यूल' के बीच संबंधों का पता लगा लिया। निस्संदेह, सुरक्षा एजेंसियों द्वारा की गई गहन जांच और उनके अत्याधुनिक उपकरणों ने एजेंसियों को तार जोड़ने में बहुत मदद की है। पहले पुलिस-जांच में टेक्नोलॉजी को शामिल करने में बड़ी हिचकिचाहट होती थी। खासकर, इसलिए कि एजेंसियों को डर लगता था कि वे इसका सही-सही इस्तेमाल कर भी पाएंगी या नहीं और इसके लिए कितनी ट्रेनिंग की जरूरत होगी। मगर अगले दशकों में टेक्नोलॉजी पुलिस जांच में निर्णायक बनने जा रही है।

दिल्ली विस्फोट की वारदात बताती है कि कट्टर

आतंकवादी, खासकर पाकिस्तान से खुराक लेने वाले आतंकी भारत के लिए परेशानी बने रहेंगे। यह सोचना बहुत मुश्किल है कि वह वक्त कब आएगा, जब आतंकवादियों की भर्ती बंद हो जाएगी या बिना सोचे-समझे हिंसा करना बेकार हो जाएगा। इसलिए निरंतर सतर्कता की दरकार है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में राजनीति शास्त्र के प्रोफेसर और अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर के कार्यकाल में विशेष अधिकारी रहे सैमुअल हंटिंगटन ने अपने लेख, 'द क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन्स (सभ्यताओं के बीच संघर्ष)' में आगाह किया था कि धार्मिक कट्टरपंथ किस तरह लगातार टकरावों को बढ़ावा दे रहा है। इसका मतलब है कि कड़े कानून लागू करने और सख्त पाबंदी लगाने जैसे उपायों से समझौता नहीं किया जा सकता, भले ही देश के लोगों को इससे कितनी भी परेशानी और उलझन हो। पहलगाम और अब लाल किले पर हुए हमलों के संदर्भ में लोगों और गाड़ियों की आवाजाही पर पैनी नजर रखने की जरूरत है। अमेरिका में 11 सितंबर के आतंकी हमले के बाद दुनिया ने देखा कि मॉल, एयरपोर्ट और शहरों की हर उस जगह की सूची तैयार की गई, जहां ऐसी वारदात होने की आशंका है और फिर वहां कड़ी निगरानी की व्यवस्था लागू की गई है। इस व्यवस्था के खिलाफ लोगों में भारी गुस्सा देखा गया। उनकी नाराजगी न सिर्फ उन नियमों को लेकर थी, जिनके कारण सार्वजनिक जगहों और दफ्तरों में आने-जाने में असुविधा पैदा हो रही थी, बल्कि नस्लीय व धार्मिक भेदभाव को लेकर भी थी। लेकिन उस सख्ती के कारण दुनिया भर में सख्त सुरक्षा दिशा-निर्देशों को मानने का रास्ता बन गया। इसलिए इस तरह के नियमों में किसी किस्म की ढील देना गलत होगा। सुरक्षा नियमों को लेकर मेरा दृष्टिकोण 21 मई, 1991 को ही बिल्कुल बदल गया था, जब तमिलनाडु के श्रीपेरुंबदुर में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी। उनकी हत्या की जगह से कुछ ही फीट की दूरी पर मैं सुरक्षा तंत्र के हिस्से के तौर पर तैनात था। वह घटना निश्चित रूप से पुलिस और खुफिया मशीनरी की नाकामी थी। मुझे उस शाम एहसास हुआ कि दुश्मनों से बचने के लिए सिर्फ बड़ी संख्या में सुरक्षा बल का होना काफी नहीं है। इसमें सटीक खुफिया सूचनाएं भी बहुत जरूरी हैं। इससे पहले कि आतंकी अपनी तबाही की योजना को अंजाम दे सकें, हमें उनमें से हर एक की पहचान करके उन्हें पकड़ना होगा। लाल किले विस्फोट के मामले में हमारे सामने चुनौती एक चलती हुई गाड़ी की थी। वह एक ऐसा परिदृश्य था, जो पारंपरिक सुरक्षा व्यवस्थाओं से बिल्कुल अलग और नए तरह का था। ऐसे मामलों में, जब तक अपराधी की खास पहचान पहले से न मालूम हो, तो अचूक सुरक्षा रणनीति बनाना काफी कठिन हो जाता है, लेकिन हमें इस कठिनाई को रुकावट नहीं बनने देनी चाहिए। श्रीपेरुंबुदुर और दिल्ली विस्फोट के अलावा एक और घटना जो मेरे दिमाग में गहरे पैठी है, वह है 11 सितंबर, 2001 को न्यूयॉर्क वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले। उस समय मैं हॉर्वर्ड (बोस्टन) में ही विजिटिंग फेलो के तौर पर था। अल कायदा ने नए तरीके से ट्विन टॉवर्स को गिराने में कामयाबी हासिल की। हममें से कई लोग टीवी सेट के सामने जमा हो गए थे और अमेरिका के सदमे, डर और दुख में शामिल हो गए थे। मेरे लिए इसका असर बहुत करीबी और निजी स्तर का था और वह घटना कड़ी सुरक्षा की जरूरत रेखांकित कर रहा था। उस दिन से लेकर अब तक अमेरिका ने आतंकियों के मनसूबों को सफल नहीं होने दिया, जिनका मुख्य मकसद आतंक फैलाना होता है। हंटिंगटन का यह सामाजिक सिद्धांत कि दुनिया बहुत ज्यादा बंटी हुई है, आज भी प्रासंगिक है और इससे निपटने के लिए सख्त सुरक्षा तंत्र की आवश्यकता है।(लेखक पूर्व निदेशक, सीबीआई है-ये लेखक के अपने विचार हैं)

'कांग्रेस की नाली में उतरा था सफाई करने, पर पाया कि सड़ांध ही इसकी पहचान है'

डॉ. एस.एम. झा ने छोड़ी पार्टी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ भाजपा से शुरू हुई राजनीतिक यात्रा के बाद कांग्रेस को दिया झटका, बोले–'सनातन का अपमान करने वालों के साथ एक पल भी रहना पाप है'

पूर्णिया। कांग्रेस पार्टी की अंदरूनी राजनीति, अवसरवाद और सनातन धर्म के प्रति बढ़ती विषाक्त मानसिकता से आहत होकर डॉ. एस.एम. झा ने रविवार को पार्टी के सभी पदों, दायित्वों और प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया। उनका इस्तीफा सिर्फ एक औपचारिक घोषणा नहीं, बल्कि कांग्रेस की जड़ों में बैठ चुकी गंदगी पर एक तीखा प्रहार है, जिसे उन्होंने वर्षों के अनुभव के बाद महसूस किया।

डॉ. झा ने स्पष्ट किया कि उनकी राजनीतिक शुरूआत भाजपा से हुई थी, जहाँ जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक उन्होंने ज़िम्मेदारियाँ निभाई और संगठन ने उन्हें सम्मान भी दिया। लेकिन जब उन्हें लगा कि लोकतंत्र का संतुलन तभी संभव है जब विपक्ष मजबूत हो, तब उन्होंने स्वेच्छा से भाजपा जैसे विशाल दल को छोड़कर कांग्रेस में प्रवेश किया। उनका उद्देश्य था—एक कमजोर और बिखरी हुई पार्टी को मजबूत विपक्ष में बदलना। उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें लगा कि कांग्रेस के भीतर व्याप्त अव्यवस्थाओं और गुटबाजी को वह अपनी मेहनत और संघर्ष से समाप्त कर पाएँगे। पर समय ने उन्हें सिखाया कि 'जहाँ सड़ांध ही तंत्र का आधार बन जाए, वहाँ सफाई नहीं, बल्कि और गंदगी ही पनपती है।' डॉ. झा के अनुसार कांग्रेस में उनके प्रयासों को सम्मान नहीं मिला, बल्कि उन्हें लगातार हतोत्साहित किया गया। उन्होंने कहा कि वे अपमान का घूंट पीते रहे सिर्फ इसलिए कि शायद पार्टी नेतृत्व सही समय पर कार्रवाई करेगा। लेकिन जब कांग्रेस के भीतर कुछ लोगों ने उनके सनातन धर्म और उनके आराध्य देवताओं पर अभद्र भाषा का प्रयोग किया और शीर्ष नेतृत्व ने भी उस अपराध पर चुप्पी साध ली, तब उन्हें लगा कि वहाँ रहना धर्म और समाज दोनों के साथ विश्वासघात होगा। उन्होंने दावा किया कि पूर्णिया में कांग्रेस को पुनर्जीवित करने के लिए उन्होंने व्यक्तिगत, सामाजिक और पेशेवर स्तर पर भारी जोखिम उठाए। दो डीएम स्तर के अधिकारियों के खिलाफ अकेले खड़े होकर लड़ाई लड़ी, अपने स्कूल पर लगा तालाबंदी और 10 लाख जुमार्ने

का दबाव सहा, लेकिन कांग्रेस के लिए संघर्ष जारी रखा। परंतु, उनका कहना है कि अंततः वे बाहरी दुश्मनों से नहीं, बल्कि कांग्रेस के भीतर पल रहे 'भस्मासुरों' से हार गए। डॉ. झा ने यह भी खुलासा किया कि चौदह प्रखंड अध्यक्षों के सर्वसम्मति समर्थन और सैकड़ों कार्यकताओं के प्रस्ताव के बावजूद, पटना के तथाकथित 'दारबारियों' ने उनकी उम्मीदवारी को दो बार रद्द कर अपने दलाल तंत्र को बचाया। टिकट भी ऐसे व्यक्ति को दिया गया जो कुछ दिनों पहले ही पार्टी में आया था। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस न तो विचारधारा का मंच है और न ही लोकतंत्र की प्रहरी। यह एक ऐसा तंत्र बन चुका है जहाँ व्यक्तिगत स्वार्थ, अवसरवाद, दलाली और सनातन-विरोधी सोच ही शासन करती है। उन्होंने साफ कहा—'कांग्रेस अब एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि चरित्रहीन मानसिकता का गढ़ बन चुकी है।' इस्तीफा देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी लड़ाई कांग्रेस छोड़ने से समाप्त नहीं होगी। अब वे किसी दल, पद या संगठन के दबाव में नहीं, बल्कि सीधे जनता की आवाज बनकर काम करेंगे। पूर्णिया के गरीब, वंचित और प्रशासनिक अत्याचारों से पीड़ित लोगों के लिए उनकी लड़ाई पहले की तरह जारी रहेगी, बल्कि उससे भी अधिक मजबूती से। अंत में डॉ. झा ने कहा—'पूर्णिया मेरा धर्म है, समाज सेवा मेरा कर्म है और सनातन मेरी आत्मा। अब मैं कांग्रेस के बंधन से मुक्त होकर उसी आत्मा की पुकार पर चलूंगा।'

अपराधियों पर पुलिस का शिकंजा : जिलेभर में चला सघन वाहन जांच अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। पुलिस अधीक्षक स्वीटी सहरावत के निर्देश पर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया, जिसका उद्देश्य अपराध नियंत्रण को मजबूत करना और असामाजिक तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगाना था। अचानक शुरू किए गए इस अभियान ने सड़क पर चल रहे वाहनों की रफ्तार ही नहीं, बल्कि संदिग्ध गतिविधियों पर भी पूरी तरह लगाम डाल दी।

जिले के प्रमुख मार्गों, व्यस्त चौराहों, बाजार इलाकों और संवेदनशील प्वॉइंट्स पर पुलिस बल की तैनाती पहले से अधिक सख्ती के साथ दिखी। दोपहिया और चारपहिया वाहनों की गहन जांच करते हुए पुलिस टीमों ने कागजात, नंबर प्लेट, वैधता और यातायात नियमों के पालन पर विशेष ध्यान दिया। कई स्थानों पर चालक और सवार व्यक्तियों से पूछताछ की गई, जबकि संदिग्ध दिखने वालों की पहचान की पुष्टि कर

तलाशी भी ली गई। इस अभियान को पुलिस प्रशासन ने महज रूटीन प्रक्रिया नहीं बताया, बल्कि अपराधियों की गतिविधियों को ध्वस्त करने की एक कड़ी रणनीति का हिस्सा बताया। पूरे अभियान की मॉनिटरिंग शीर्ष स्तर से की गई और स्पष्ट निर्देश जारी किए गए कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को नजरअंदाज न किया जाए। पुलिस ने यह भी संकेत दिया कि आने वाले दिनों में ऐसे अभियान और अधिक व्यवस्थित एवं कठोर तरीके से चलाए जाएंगे, ताकि अपराधियों पर लगातार दबाव बना रहे। इस सघन पहलकदमी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि जिले की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में पुलिस प्रशासन पूरी सक्रियता और संकल्प के साथ जुटा है। नागरिकों में भी इस कार्रवाई से सुरक्षा का भरोसा और पुलिस की कार्यशैली को लेकर सकारात्मक संदेश प्रसारित हुआ है।

उपायुक्त ने किया सेवा का अधिकार सप्ताह कार्यक्रम के तहत आयोजित शिविर का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शिविर से अधिक से अधिक लोग योजनाओं का लाभ उठायें सुयोग्य लाभुकों को प्राथमिकता के आधार पर सरकार की योजनाओं से करना है लाभान्वित इस दिशा में कार्य करने हेतु जिला प्रशासन है कृतसंकल्पित सरकार द्वारा संचालित सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी कार्यक्रम "आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार" के तहत सेवा का अधिकार सप्ताह ग्रामीणों के विकास का सूत्रधार बन गया है। यहां ग्रामीण को सीधे लाभ मिलने के साथ-साथ योजनाओं की जानकारी आसानी से मिल जा रहा है।

सरकार व जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि जिले के वंचित लाभुकों को सरकार की योजनाओं से लाभान्वित कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्म निर्भर बनाया जा सके। इसी क्रम में आज आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत "सेवा का अधिकार सप्ताह" कार्यक्रम के तहत आज गांवा प्रखंड के पिहरा पूर्वी पंचायत में आयोजित शिविर का शुभारंभ उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव द्वारा दीप प्रज्वलित करे किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार के प्राप्त निदेशानुसार "आपकी योजना-आपकी सरकार, आपके द्वार" कार्यक्रम अंतर्गत "सेवा का अधिकार सप्ताह" के रूप में 21 से 28 नवम्बर 2025 तक मनाये जाने का निर्णय लिया गयो है। जिसके तहत गिरिडीह जिला अंतर्गत 21 से 28 नवम्बर 2025 तक पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन कर "झारखण्ड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011" में सूचीबद्ध राज्य सरकार के विभिन्न सेवाओं का अधिकाधिक लाभ शिविर में ही आमजनों को समयबद्ध रूप में उपलब्ध कराया जाएगा। जिले के सभी प्रखंडों में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निष्पादन एवं सरकारी सेवाओं की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'सेवा का अधिकार सप्ताह' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है उक्त कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न विभागों से संबंधित जन शिकायतों का निवारण, लंबित मामलों का निष्पादन तथा आवश्यक सेवाओं का त्वरित लाभ लोगों तक पहुँचाया जा रहा है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सभी जरूरतमंद व्यक्ति शिविर में उपस्थित हो कर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाएं। साथ ही लोगों से आग्रह किया गया कि उन्हें जो भी समस्याएँ हो रही हैं, उन्हें जिला प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत करें, ताकि संबंधित मामलों का शीघ्र एवं प्रभावी समाधान किया जा सके। जिला प्रशासन आम नागरिकों की सुविधा एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और 'सेवा का अधिकार सप्ताह' इसी दिशा में एक सार्थक पहल है।कार्यक्रम में परिसंपत्तियों का हुआ वितरण शिविर में साईकिल वितरण, भूमि से संबंधित मामलों का निपटारा, जाती प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, ई-श्रम कार्ड, जॉब कार्ड का वितरण, जेएसएलपीएस की दीदियों को ऋण से लिंकेज, सर्वजन पेंशन योजना के अलावा विभिन्न परिसम्पतियों का वितरण सुयोग्य लाभुकों के बीच किया गया। आपकी-योजना आपकी-सरकार आपके-द्वार के तहत सेवा का अधिकार सप्ताह कार्यक्रम के दौरान सामाजिक सुरक्षा से जुड़े हुए पेंशन, कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, आपूर्ति, पंचायती राज, मनरेगा, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, कृषि सहकारिता, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग, समाज कल्याण, राजस्व, ऊर्जा, स्वास्थ्य, जेएसएलपीएस विभागों द्वारा अपना-अपना स्टॉल लगाकर आमजनों को योजनाओं की जानकारी व लाभ से लाभान्वित किया गया। साथ ही आमजनों के समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान किया गया सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत आयोजित शिविर में आम जनों से झारखण्ड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011 में सूचीबद्ध सेवाओं एवं तत्सम्बंधी समस्याओं से सम्बन्धित आवेदन प्राप्त किया जा रहा है एवं आवेदनों का त्वरित निष्पादन किया जा रहा है। साथ ही कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्नलिखित मुख्य सेवा प्रक्षेत्र सर्विस फोकस एरिया के अन्तर्गत आवेदन पत्र प्राथमिकता के आधार पर जाति प्रमाण पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, नया राशन कार्ड, दाखिल खारिज मामलों का निष्पादन, भूमि की मापी मेजरमेंट ऑफ लैंड भूमि धारण प्रमाण पत्र, विभिन्न प्रकार के सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की स्वीकृति से संबंधित आवेदन प्राप्त किये जायेंगे, ताकि ससमय आवेदनों का निराकरण किया जा सके

जी.एल.एम. कॉलेज में विकास की धड़कन तेज, बैठक में उभरा बदलाव का संकल्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बनमनखी/पूर्णिया। जी.एल.एम. कॉलेज का सभागार गुरुवार को उस समय एक सक्रिय विचार-मंच में बदल गया, जब प्राचार्य डॉ. प्रमोद भारतीय की अध्यक्षता में महाविद्यालय विकास समिति की बैठक शुरू हुई। माहौल शुरूआत से ही गंभीर, ऊजार्वान और कॉलेज के भविष्य को लेकर उम्मीदों से भरा था। प्रतिभागियों ने जिस तत्परता से सुझाव दिए और निर्णयों पर सहमति जताई, उससे साफ झलका कि जी.एल.एम. कॉलेज अब विकास को केवल लक्ष्य नहीं, बल्कि प्राथमिकता बनाने की दिशा में बढ़ चुका है।

बैठक में CCDC डॉ. संतोष कुमार सिंह, प्रो. डॉ. शंभू लाल वर्मा, बर्सर डॉ. गिरीधारी हजरा, जूनियर इंजीनियर संतोष कुमार सुमन, हेड क्लर्क सुबोध कुमार साह और लेखापाल बाबुल कुमार शर्मा उपस्थित रहे। कॉलेज की दशा और दिशा पर की गई चर्चा न तो औपचारिक थी और

न ही सामान्य बल्कि हर प्रस्ताव कॉलेज की जरूरत और विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए रखा गया। प्राचार्य डॉ. प्रमोद भारतीय ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से कई अहम कदम आगे बढ़ाए गए। गर्ल्स हॉस्टल को तुरंत चालू करने का निर्णय सबसे पहले लिया गया, ताकि छात्राओं को सुरक्षित और व्यवस्थित आवास की सुविधा बिना किसी देरी के मिल सके। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में पी.जी. कक्षाएं शुरू करने का प्रस्ताव विश्वविद्यालय को भेजे जाने पर सहमति बनी, जिससे स्थानीय स्तर पर उच्च शिक्षा के द्वार और व्यापक होंगे। परिसर में अतिरिक्त शौचालयों के निर्माण का मुद्दा भी अनदेखा नहीं रहा और इसे कॉलेज की तत्काल आवश्यकताओं में शामिल किया गया। साइकिल स्टैंड के नवीनीकरण पर भी सहमति बनी, जिससे छात्रों और कर्मचारियों को अधिक सुगठित और सुरक्षित पार्किंग व्यवस्था मिल सके। बैठक में महाविद्यालय पत्रिका के प्रकाशन की मंजूरी को भी महत्वपूर्ण माना गया, क्योंकि यह छात्रों और शिक्षकों दोनों को रचनात्मक अभिव्यक्ति का अवसर देगा। वहीं कॉलेज को राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक पहचान दिलाने की दिशा में दो अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों के आयोजन का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किया गया। NAAC मूल्यांकन से जुड़े अधूरे कार्यों को तेजी से पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि कॉलेज अपनी गुणवत्ता और मान्यता को नई मजबूती दे सके। बैठक के समापन पर प्राचार्य डॉ. प्रमोद भारतीय ने सभी सदस्यों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि आज लिए गए निर्णय मात्र कागजी प्रस्ताव नहीं हैं, बल्कि वे आने वाले समय में जी.एल.एम. कॉलेज की नई पहचान गढ़ने की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाएँगे।

असदुद्दीन ओवैशी ने मतदाताओं व कार्यकताओं का किया शुक्रिया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बलरामपुरे /कटिहार। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुसलेमिन के प्रमुख असदुद्दीन अवेशी बिहार विधानसभा चुनाव में पांच सीटे जितने के बाद मतदाताओं एवं कार्यकताओं का शुक्रिया अदा करने के लिए दो दिवसीय दौरे पर सीमांचल पहुंचे।

इस दौरान शुक्रवार को बलरामपुर प्रखंड के माधेपुर गांव जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि बलरामपुर 65 विधानसभा क्षेत्र के 80 हजार मतदाताओं एवं कार्यकताओं का दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। जिसने मेरी पार्टी के उम्मीदवार के पक्ष में अपना कीमती वोट दिए। लेकिन दुर्भाग्य से चंद वोटो से उसे हारना पड़ा। मेरी पार्टी के जितने भी उम्मीदवार है वह हारने के बाद भी उसका होंसला बुलंद है। हमने अपनी पार्टी कि शुरूआत सीमांचल से किया था। इस लिए सीमांचल के हक और तरक्की के लिए हम लड़ते रहेंगे।बलरामपुर में नये दौर का आगाज हो चूका है। जो कहता था कि यह हमारा लाल किला बहुत मजबूत है। हमने उसे बता दिया कि हमारे हरे के सामने कोई लाल नहीं ठहर सकता। उन्होंने विशेष रूप से राजद से अपनी कमियों का आत्मनिरीक्षण करने की सलाह देते हुए कहा कि राजद भाजपा को रोक पाने में सक्षम नहीं है। सभा में हजारों की संख्या में भीड़ देखी गई।

मोहनपुर में हुआ क्रॉप कटिंग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही/कटिहार। प्रखंड क्षेत्र के मोहनपुर पंचायत के रामपुर संतोला में क्रॉप कटिंग का आयोजन किया गया। इस मौके पर सांख्यिकी विभाग के पदाधिकारी उपस्थित होकर क्रॉप कटिंग कराया। इस मौके पर सांख्यिकी विभाग के बीएओ अनीता सिंह ने बताया कि 10 बाय 5 की दूरी पर धान की क्रॉप कटिंग किया गया। मौके पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि सांख्यिकी विभाग के द्वारा क्रॉप कटिंग कराया गया जिसमें मोहनपुर पंचायत के रामपुर संतोला में नुमान अली के खेत में धान की क्रॉप कटिंग की गई। इस अवसर पर किसान सलाहकार अनिल सिंह,मोहम्मद जमील आदि मौजूद रहे ।

बच्ची के साथ दुष्कर्म, मामला दर्ज, आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बी कोठी/पूर्णिया। रघुवंशनगर थाना क्षेत्र के एक गांव में 5 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। इस बाबत पीड़ित बच्ची की माँ के आवेदन के आलोक में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

थानाध्यक्ष शिशुपाल कुमार ने बताया कि आवेदन के आलोक में मामला दर्ज कर अग्रेत्तर करवाई किया जा रहा है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार 5 वर्षीय बच्ची अपने दरवाजे पर खेल रही थी। गावँ का ही एक 16 वर्षीय लड़का दरवाजे पर से बुलाकर घर के बगल वाले बसबिट्टी में बच्ची साथ दुष्कर्म किया। कुछ देर बाद बच्ची रोती हुए आई और अपने माँ के पास शरीर के अंदरूनी भाग की ओर इशारा करके रोने लगी। माँ जब अंदरूनी भाग को देखा तो अंदरूनी भाग से खून निकल रहा था। खून बहता देख विदित बच्ची की माँ अपनी बेटी को इलाज कराने बड़हरा कोठी लेकर गई जहां चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज कराने हेतु सदर अस्पताल पूर्णिया भेजा। आवेदन के आलोक में थानाध्यक्ष शिशुपाल कुमार द्वारा पास्को एक्ट की धाराओं के तहत कांड संख्या 131/25 दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दिया गया है।

प्रखंड कृषि कार्यालय मनसाही में बीज वितरण जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही/कटिहार। प्रखंड कृषि कार्यालय मनसाही में गेहूं, सरसों, तीसी, हरा मटर, मटर बीज वितरण जारी हैं। इसकी जानकारी देते हुए प्रखंड कृषि पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि 109 क्विंटल गेहूं 200 किसानों के बीच वितरण किया जा रहा हैं । सरसों प्रत्यक्षण साहेबनगर,फुलहरा के 30 किसानों के बीच,टीसी 16 किलो,हरा मटर 1350 किलो,मटर 192 किलो किसानों के बीच वितरण किया जा रहा हैं। किसान अविलंब किसान सलाहकार के माध्यम से बीज का उठाव कर ले। इस अवसर पर कृषि समन्वयक मनीष कुमार,मंजर आलम, जीवन प्रकाश, सभी पंचायत के किसान सलाहकार मौजूद रहे ।

मैट्रिक व इंटर की सेंटअप परीक्षा शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही/कटिहार। प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित माध्यमिक स्कूल मोहनपुर में मैट्रिक एवं इंटर की सेंटअप परीक्षा शुरू हो गया हैं। इसकी जानकारी देते हुए प्रधानाध्यापक संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि मैट्रिक एवं इंटर की सेंटअप परीक्षा शुरू हो गया हैं। गुरुवार को मैट्रिक में प्रथम पाली में विज्ञान एवं द्वितीय पाली में सामान्य विज्ञान की परीक्षा हुई। वहीं इंटर साइंस में प्रथम पाली में गणित, द्वितीय पाली में बायोलॉजी की परीक्षा हुई।

इंटर आर्ट्स प्रथम पाली में गणित, द्वितीय पाली में जियोग्राफी की परीक्षा हुई। उन्होंने बताया कि मैट्रिक में 187 छात्र - छात्राओं ने फॉर्म भरा

हैं जो परीक्षा दे रहे हैं। वहीं इंटर साइंस में 32 ,आर्ट्स में 76 परीक्षा दे रहे हैं। इस अवसर पर क्लर्क विश्वनाथ मरांडी, शिक्षक अनुज कुमार, विकास कुमार, मिथिलेश कुमार, ऋशू कुमारी भारती, वंदना रजक माला कुमारी, सफिया खातून, सत कुमार, राजीव रंजन, चंदन कुमार, सुमन कुमारी, स्वीटी कुमारी, राजहंस कुमार आदि मौजूद रहे।

प्रशिक्षित महिलाओं व किशोरियों के बीच प्रमाण पत्र वितरित

कटिहार/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। ाास्मीन फाउंडेशन की ओर से संचालित कौशल विकास कार्यक्रम के तहत सिलाई कटाई एवं ब्यूटीशियन ट्रेड में प्रशिक्षित महिलाओं एवं किशोरियों के समारोह पूर्वक प्रमाण पत्र वितरित किया गया। सांसद तारिक अनवर ने इन विधाओं में सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त 150 महिलाओं को प्रमाण पत्र दिये। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कटिहार जिलें की महिलाओं को आर्थिक रूप से सबल बनाने तथा उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने में यास्मीन फाउंडेशन पिछले कई वर्षों से सराहनीय भूमिका निभा रहा है।

भारत-नेपाल सीमा से संयुक्त अरब अमीरात का नागरिक गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मोतिहारी। बिहार में भारत-नेपाल के सीमाई शहर रक्सौल से एक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। वह भारत से नेपाल जाने का प्रयास कर रहा था।

एसएसबी ने रक्सौल से सलेम अब्दुल्ला सलेम खल्फान अलसमशी को गिरफ्तार किया है। वह संयुक्त अरब अमीरात के आबू धाबी निवासी एलेन जखर का पुत्र है। गिरफ्तार विदेशी नागरिक, भारत से नेपाल जाने का प्रयास कर रहा था लेकिन उसके पास वैध कागजात नहीं थे। सलेम के पास से एसएसबी ने दो पासपोर्ट (एक पुराना और दूसरा नया) एवं दो मोबाइल फोन बरामद किया है। बरामद दोनों पासपोर्टों में से एक का नम्बर ए0498168 है। एसएसबी ने पूछताछ के बाद रविवार को गिरफ्तार विदेशी नागरिक को वैधानिक कार्यवाई के लिए पूर्वी चंपारण पुलिस को सौंप दिया है। ज्ञातव्य हो कि विगत 19 मई को रक्सौल के एक होटल से पूर्वी चंपारण की पुलिस ने दक्षिण कोरियन नागरिक किम यंग डे को गिरफ्तार किया था। वह 4 वर्ष से अवैध रूप से भारत में निवास कर रहा था। उसके पास से भारत और नेपाल दोनों देशों की 1 लाख 83 हजार की मुद्राएं बरामद की गयीं थी। इस गिरफ्तारी से महज तीन दिन पूर्व 16 मई को रक्सौल से भारतीय मूल के कैनेडियन नागरिक हरप्रीत सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। 22 अप्रैल को एक अमेरिकी नागरिक को गिरफ्तार किया गया था। उससे पहले 5 चाइनीज नागरिक गिरफ्तार किए गए थे।

एनडीए की ऐतिहासिक जीत के बाद मंत्रिमंडल को मिली नई ऊर्जा, बिहार विकास के निर्णायक दौर में : डॉ. ए.के. गुप्ता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। बिहार में आए प्रचंड जनादेश ने प्रदेश की राजनीति को नई दिशा दे दी है। एनडीए की जोरदार जीत के बाद पूर्णिया के जाने-माने चिकित्सक सह भाजपा नेता डॉ. ए.के. गुप्ता ने नवनियुक्त मंत्रियों तथा विजयी प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम बिहार की जनता की उस स्पष्ट सोच का प्रतीक है जिसमें विकास, स्थिरता और भरोसे को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि जनता ने इस चुनाव में साफ कर दिया कि अब उसके लिए सिर्फ काम मायने रखता है, राजनीति की पुरानी चालें नहीं।

डॉ. गुप्ता ने विशेष रूप से नए मंत्री सम्राट चौधरी और दिलीप जायसवाल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दोनों नेताओं का

मंत्रिमंडल में शामिल होना बिहार की नीतियों और योजनाओं को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी की मजबूत प्रशासनिक पकड़ और दिलीप जायसवाल के संगठनात्मक अनुभव से सरकार और भी अधिक प्रभावी तरीके से जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगी। उन्होंने कहा कि यह मंत्रिपरिषद बिहार की विकास यात्रा में निर्णायक भूमिका निभाने वाली है। उन्होंने आगे कहा कि यह जनादेश विपक्ष के लिए भी एक सशक्त संदेश है कि बिहार अब भ्रम, नकारात्मकता और जातिगत समीकरणों की राजनीति को पीछे छोड़ चुका है। लोगों ने जाति से ऊपर उठकर विकास को वोट देकर यह साबित कर दिया कि वे स्थिर और मजबूत सरकार चाहते हैं, जो जमीन पर बदलाव ला सके। डॉ. गुप्ता ने कहा कि यह जीत लोकतंत्र की परिपक्वता का उदाहरण है, जिसमें जनता ने अपने भविष्य को प्राथमिकता दी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि एनडीए की नई सरकार रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, उद्योग और बुनियादी ढांचा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ठोस और प्रभावी कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्णिया सहित पूरे सीमांचल में विकास की अपार संभावनाएं हैं और मंत्री मंडल के नए नेतृत्व से इन क्षेत्रों में नई रोशनी अवश्य आएगी। अंत में डॉ. गुप्ता ने भाजपा कार्यकताओं और समर्थकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि जनता का भरोसा ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और यह जनादेश जिम्मेदारी निभाने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि बिहार अब नई शुरूआत के मोड़ पर है, और एनडीए की नई मंत्री टीम इस अवसर को ऐतिहासिक उपलब्धियों में बदलने की क्षमता रखती है।

सालमारी में होगा जिला स्तरीय सत्संग का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी/कटिहार। सालमारी ठाकुरबाड़ी में श्री सतगुरु महाराज श्री श्री 108 श्री मेंही दास जी परमहंस गुरुजी महाराज का जिला स्तरीय बैठक पूर्व एमएलसी मोहनलाल अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर जिला स्तरीय सत्संग का आयोजन को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। मुख्य रूप से जिला से आए बाबा नागेश्वर जी के साथ-साथ अन्य संतों ने भी इस बैठक में भाग लिया। सालमारी सत्संग कमेटी के ललित बूबना ने बताया कि आगामी 6 एवं 7 मार्च 2026 को जिला स्तरीय सत्संग का आयोजन सालमारी के ढोलमारा खेल मैदान में आयोजन किया जाएगा। जिसमें कुप्पाघाट भागलपुर के सत्संगी बाबा गन बड़ी संख्या में आएंगे। ओर उनका प्रवचन होगा। वही इस अवसर पर पूर्व एमएलसी मोहनलाल अग्रवाल, ललित बूबना, राजेश मंडल, सुबोध शर्मा, अरुण सिंघानिया ,प्रोफेसर जनार्दन प्रसाद यादव, एवं जिला स्तरीय अशोक विश्वास, रंजीत मंडल एवं अन्य सत्संग प्रेमी मौके पर उपस्थित रहे ।

बदलते मौसम में बढ़ रही मरीजों की संख्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसनगंज/कटिहार। हसनगंज प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इन दिनों मरीजों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है। मौसम में हो रहे लगातार उतार-चढ़ाव के कारण ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में लोग इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँच रहे हैं।

दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है मरीज को देखते हुवे प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर आयुष भारद्वाज ने बताया। कि इस समय सर्दी, खांसी और वायरल बुखार के मरीजों की संख्या सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि मौसम परिवर्तन के कारण लोगों में संक्रमण तेजी से फैल रहा है, इसलिए सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। बुखार व अन्य मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। यदि किसी व्यक्ति को कई दिनों से लगातार बुखार आ रहा हो तो उसे तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए और स्वयं उपचार करने से बचना चाहिए। वही प्रभारी चिकित्सक ने यह भी सुझाव दिया कि लोग साफझ्रसफाई का विशेष ध्यान रखें, गर्म पानी का सेवन करें और ठंड से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियाँ अपनाएँ। उन्होंने कहा कि समय पर उपचार और जागरूकता ही मौसमी बीमारियों से बचने का सबसे अच्छा उपाय है।

ओवरटाइम पेमेंट, सैलरी स्ट्रक्चर...नए लेबर कोड से जुड़े हर सवाल का जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने 21 नवंबर यानी बीते शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फैसला किया। उसने सभी चार लेबर कोड्स (श्रम संहिताओं) को नोटिफाई कर दिया। इस प्रमुख सुधार के जरिये चार लेबर कोड में 29 श्रम कानून शामिल किए गए हैं। वेतन संहिता में चार, सामाजिक सुरक्षा संहिता में नौ, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य दशा संहिता में 13 और औद्योगिक संबंध संहिता में तीन कानूनों को मिलाया गया है। इन नए नियमों का मकसद मजदूरों के लिए काम की जगह को बेहतर बनाना, उनकी सैलरी और सामाजिक सुरक्षा को पक्का करना है। इन कानूनों से असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को भी फायदा होगा, जिन्हें पहले न्यूनतम मजदूरी का अधिकार नहीं था। अब सभी मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी मिलेगी। साथ ही, गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए भी खास सुरक्षा उपाय किए गए हैं। इन बदलावों से कंपनियों के लिए नियम-कानून का पालन करना भी आसान हो जाएगा। आइए, यहां इससे जुड़े सभी पहलुओं को जानते हैं।

आखिरी समय में फ्लाइट टिकट कैंसिल कराने पर मिलेगा 80 प्रतिशत तक रिफंड

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप आखिरी समय में अपनी फ्लाइट की टिकट कैंसिल कराते हैं तो अब आपकी टिकट का पूरा पैसा डूबेगा नहीं। भारत सरकार हवाई टिकटों में एक खास ट्रैवल इंश्योरेंस जोड़ने की तैयारी कर रही है। यह सुविधा अगले 2 से 3 महीनों में शुरू हो सकती है। इससे आखिरी वक्त में फ्लाइट कैंसिल होने पर आपको टिकट की रकम का 80 प्रतिशत तक वापस मिल सकता है। फिलहाल अगर आप फ्लाइट के उड़ने से ठीक 3 घंटे पहले टिकट कैंसिल करते हैं, तो इसे नो-शो माना जाता है। यानी, आप फ्लाइट में नहीं बैठे और ऐसे में आपको कोई पैसा वापस नहीं मिलता है। अगर किसी यात्री की कोई मेडिकल इमरजेंसी हो और वह आखिरी समय में फ्लाइट कैंसिल करे, तो एयरलाइंस अपनी मर्जी से पूरा पैसा वापस दे सकती हैं। लेकिन यह पूरी तरह से एयरलाइन के फैसले पर निर्भर करता है, कोई पक्का नियम नहीं है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, एविएशन सेक्रेटरी (नागर विमानन सचिव) भारतीय एयरलाइंस से बात कर रहे हैं कि यह नया इंश्योरेंस प्लान कैसे लागू किया जाए। सबसे अच्छी बात यह है कि यात्रियों को इसके लिए अलग से कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा। इसका प्रीमियम एयरलाइंस खुद बीमा कंपनियों के साथ मिलकर भरेंगी। अभी, अगर कोई यात्री यात्रा बीमा लेना चाहता है, तो उसे यह एक अलग से ऐड-ऑन सर्विस के तौर पर खरीदना पड़ता है।

देश की आधी आबादी को और सशक्त बनाने के लिए तैयार नई श्रम संहिताएं

महिलाओं के लिए बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत को 2047 तक 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना अनिवार्य है। फिलहाल श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी 41.7 प्रतिशत है और विकसित भारत का लक्ष्य इसे बढ़ाकर 70 प्रतिशत तक ले जाना है। लगभग 30-अंकों के इस अंतराल को पाटने का मूल मकसद राष्ट्रीय उत्पादकता को बढ़ाना तथा यह सुनिश्चित करना है कि भारत की विकास गाथा को सिर्फ आधे लोग ही नहीं, बल्कि सभी लोग आकार दें।

शिक्षा, डिजिटल सुलभता और उद्यमिता के मामले में हुई प्रगति के बावजूद, अभी भी बहुत सी संभावनाओं का दोहन बाकी है। भारत को एक ऐसा श्रम इकोसिस्टम तैयार करना होगा जो महिलाओं को प्रवेश करने, टिके रहने तथा आगे बढ़ने में समर्थ बनाए और भारत के एकीकृत श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन इन प्रणालीगत बाधाओं को दूर करने और समावेशन को उत्पादकता में बदलने का एक दुर्लभ मौका देता है। जरा गौर करें- ई-श्रम पर पंजीकृत सीता नाम की उत्तर प्रदेश की एक श्रमिक बच्चों की देखभाल की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं होने के चलते अपने दो बच्चों का पालन-पोषण करते हुए, घर बैठकर एक ठेकेदार के लिए कपड़े सिलती है। इससे उसे एक अनियमित आय होती है। उनके जैसी महिलाओं के लिए, नई श्रम संहिताएं एक बड़ा परिवर्तनकारी कदम साबित हो सकती हैं। पास की एक कपड़ा फैक्ट्री अब औपचारिक अनुबंधों के साथ अलग-अलग पालियों में काम करने के लिए महिलाओं की भर्ती कर रही है।

पहली बार, भारत के श्रम कानूनों का ढांचा सीता जैसी लाखों महिलाओं के लिए बाधक होने के बजाय उनका संबल बनने के लिए तैयार है। वर्ष 2019-2020 के बीच अधिनियमित श्रम संहिताएं 29 बिखरे कानूनों को चार सुव्यवस्थित ढांचों, मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, पेशेगत सुरक्षा और औद्योगिक संबंध संहिताओं-में समेकित करती हैं।

यह विधायी मंशा साहसिक है और अब अनेक राज्य तेजी से इन्हें लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। भारत के पास इस मंशा को प्रभाव में बदलने का एक महत्वपूर्ण मौका है। इससे महिलाओं को उनके रोजगार चक्र में सुरक्षित व टिकाए रखने के तौर-तरीकों को नए सिरे से परिभाषित किया जा सकेगा।

जीवन के बदलावों में मददगार

पहले कदम के रूप में दृश्यता सामाजिक सुरक्षा संहिता मातृत्व, स्वास्थ्य बीमा, पेंशन और बच्चों की देखभाल से जुड़े पहलुओं को शामिल करते हुए गिग और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए एक राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड की स्थापना करती है। ई-श्रम पोर्टल पर 30.6 करोड़ से अधिक श्रमिक पंजीकृत हैं, जिनमें से 53 प्रतिशत यानी 16 करोड़ महिलाएं हैं। इस पोर्टल और आधार आधारित यूएएन के बीच का जुड़ाव (लिंकेज) इन हकों को किसी भी स्थान पर और किसी भी क्षेत्र (सेक्टर) में दिलाया जाना संभव बनाता है। यह बुनियादी ढांचा बच्चे के जन्म या देखभाल जैसे जीवन के प्रमुख बदलवों के दौरान होने वाली क्षति को कम कर सकता है। दृश्यता तो महज पहला कदम भर है। पंजीकरण को कल्याणकारी वितरण प्रणालियों से जोड़ने की प्रक्रिया में तेजी लाई जानी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाओं के पास सिर्फ पहचान पत्र ही नहीं हो, बल्कि उन्हें वास्तविक सहायता भी मिले।

भारत ने इजरायल के साथ की बड़ी डील!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने इजरायल के साथ बड़ी डील की है। दोनों ने खेती-किसानी के क्षेत्र में साथ मिलकर काम करने के तरीकों पर चर्चा की है। वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार यह जानकारी दी। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इजरायल की यात्रा पर थे। वहां उन्होंने इजरायल के कृषि और खाद्य सुरक्षा मंत्री एवी दिचर से मुलाकात की। दोनों मंत्रियों ने खेती-बाड़ी में सहयोग को और बढ़ाने के बारे में विस्तार से बात की। डील में किस चीज पर बनी बात मंत्रालय ने बताया कि गोयल ने अपनी यात्रा के दौरान कई द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। इन मुलाकातों में खेती, टेक्नोलॉजी, नई खोजों और व्यापार जैसे क्षेत्रों में साझेदारी पर चर्चा हुई। यह यात्रा शनिवार को ही खत्म हुई। गोयल ने यह भी बताया था कि भारत और इजरायल ने एक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट यानी मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने के लिए जरूरी कागजात पर दस्तखत किए हैं। इस समझौते के कागजात में कई अहम बातें शामिल हैं। जैसे दोनों देशों के बीच सामानों के आने-जाने पर लगने वाले टैक्स (टैरिफ) और दूसरी रुकावटों (नॉन-टैरिफ बैरियर) को हटाना। साथ ही निवेश को आसान बनाना, नई टेक्नोलॉजी का आदान-प्रदान करना, कस्टम की प्रक्रिया को सरल बनाना और सेवाओं के व्यापार के नियमों को आसान बनाना भी इसमें शामिल है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने यह भी बताया कि इजरायल डेयरी उत्पाद, चावल, गेहूं और चीनी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भारत के बाजार में प्रवेश नहीं मांगेगा।

अडानी ग्रुप का बड़ा दांव, 239 करोड़ रुपये में इस कंपनी को खरीदा

मुंबई, एजेंसी। अडानी ग्रुप की एक ज्वाइंट वेंचर कंपनी ने बुनियादी ढांचा डेवलपर ट्रेड कैसल टेक पार्क को 231.34 करोड़ रुपये में खरीद लिया है। बता दें, ट्रेड कैसल टेक पार्क के पास काफी जमीन है। अडानी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, 'उसने और डेटा सेंटर ऑपरेट एजकॉनेक्स के ज्वाइंट वेंचर अडानीकॉनेक्स (एसीएक्स) ने टीसीटीपीपीएल में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने के लिए 21 नवंबर 2025 को ट्रेड कैसल टेक पार्क (टीसीटीपीपीएल) तथा उसके मौजूदा शेयरधारक श्री नामन डेवलपर्स और जयेश शाह के साथ एक शेयर खरीद समझौते (एसपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं।' कंपनी ने बताया, 'अधिग्रहण का उद्देश्य बुनियादी ढांचा सुविधाएं स्थापित करना है।' कंपनी ने कहा, 'टीसीटीपीपीएल भारत में निगमित है और 16 अक्टूबर 2023 को महाराष्ट्र, मुंबई के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के पास पंजीकृत हुई थी। इसका उद्देश्य बुनियादी ढांचा विकास गतिविधियां करना है। अभी तक टीसीटीपीपीएल ने कारोबारी गतिविधियां शुरू नहीं की हैं, लेकिन इसके पास काफी बड़ी भूमि जोत है और बुनियादी ढांचा गतिविधियां शुरू करने के लिए प्रमुख लाइसेंस प्राप्त हैं, जिससे एसीएक्स को शुरुआती बढ़त मिलेगी।' अडानी एंटरप्राइजेज, समूह की दिग्गज कंपनियों में से एक है। अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर शुक्रवार को बीएसई में करीब एक प्रतिशत की गिरावट के बाद 2421.60 रुपये के लेवल पर बंद हुए थे।

7 कंपनियां ट्रेड करेंगी इस हफ्ते एक्स-डिविडेंड

मुंबई, एजेंसी। इस हफ्ते कंपनियां शेयर बाजार में एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी। इन 8 कंपनियों की लिस्ट में एक कंपनी ऐसी भी है जो निवेशकों को एक शेयर पर 55 रुपये का डिविडेंड दे रही है। आइए एक-एक करके जानते हैं इनके विषय में...

इंगरसोल-रैंड (इंडिया) लिमिटेड के शेयर मंगलवार को एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगे। कंपनी की तरफ से एक शेयर पर 55 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। इससे पहले कंपनी इसी साल जुलाई के महीने में एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी ने एक शेयर पर 25 रुपये का डिविडेंड दिया था। बता दें, शुक्रवार को मार्केट के बंद होने के समय पर इंगरसोल-रैंड (इंडिया) लिमिटेड के शेयर एनएसई में 3899 रुपये पर बंद हुआ था। इस दिन दो कंपनियां एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी। इन दो कंपनियों में पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड भी एक है। कंपनी ने एक शेयर पर 3.65 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। इससे पहले कंपनी के शेयर इसी साल चार बार एक्स-डिविडेंड ट्रेड किए थे। बता दें, पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन इस साल अबतक 10 रुपये से अधिक का डिविडेंड दिया है। श्यामकलाल इंवेस्टमेंट लिमिटेड के शेयर भी 26 नवंबर को ही एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी कंपनी ने एक

शेयर पर 10 पैसे का डिविडेंड देने का फैसला किया है। ए के कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड के शेयर 27 नवंबर को एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगे। कंपनी ने एक शेयर पर 16 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है।

28 नवंबर को तीन कंपनियां ट्रेड करेंगी एक्स-डिविडेंड योग्य निवेशकों को एक शेयर 5 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। मीरा इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एक शेयर 0.50 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा।

सबसे बड़ी बर्बादी शुरू हुई... दुनिया आर्थिक मंदी की चपेट में

रॉबर्ट कियोसाकी ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी।
रिच डैड पुअर डैड के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने दुनिया में आए आर्थिक संकट को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि इतिहास की सबसे बड़ी आर्थिक गिरावट शुरू हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि कौन सी संपत्तियां इस बाजार की गिरावट से बचने में मदद कर सकती हैं।

रॉबर्ट कियोसाकी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट की है। इसमें उन्होंने लिखा है, इतिहास की सबसे बड़ी गिरावट शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि उन्होंने साल 2013 में ही इसकी भविष्यवाणी की थी। 78 वर्षीय कियोसाकी ने अपनी भविष्यवाणी दोहराते हुए कहा, साल 2013 में मैंने रिच डैड की भविष्यवाणी प्रकाशित की थी, जिसमें मैंने सबसे बड़ी गिरावट के बारे में बताया था। दुर्भाग्य से वह गिरावट आ गई है। उन्होंने लिखा है कि यह सिर्फ अमेरिका की बात नहीं है। यूरोप और एशिया भी आर्थिक मंदी की चपेट में हैं।

कियोसाकी ने अपनी पोस्ट में गिरावट का कारण भी बताया है। उन्होंने लिखा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण बाजार में गिरावट आई है। कियोसाकी का मानना है कि एआई नौकरियों को खत्म कर देगा। उन्होंने लिखा है कि जब नौकरियां खत्म होंगी, तो ऑफिस और घरों की प्रॉपर्टी के दाम भी गिर जाएंगे। रियल एस्टेट मार्केट भी क्रैश हो सकती है। इस गिरावट से बचने के लिए कियोसाकी ने सोना, चांदी, बिटकॉइन और इथेरियम जैसी चीजों में निवेश करने की सलाह दी है। उनका कहना है कि इन संपत्तियों में निवेश करने का यह सही समय है। उन्होंने कहा कि चांदी सबसे अच्छी और सबसे सुरक्षित मानी जा रही है। कियोसाकी ने अपनी पोस्ट में लिखा है, आज चांदी की कीमत 50 डॉलर है।

भारत की अर्थव्यवस्था ने पकड़ी रफ्तार, अमेरिका-चीन रह गए पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत की अर्थव्यवस्था कोरोना महामारी के झटके से उबरते हुए उससे पहले की स्थिति से भी आगे निकल गई है। महामारी के बाद बुनियादी ढांचे, आपूर्ति श्रृंखला और डिजिटल क्षेत्र में किए गए मजबूत सुधार के लिए किए गए उपायों के कारण यह बदलाव आया है।

भारत की तुलना में अमेरिका, चीन, रूस और यूरो-एशिया जैसी अर्थव्यवस्थाएं अभी महामारी के झटके से उबरने के लिए ही जूझ रही हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की तीन सदस्यीय आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन रहे जैसन फुरमन ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक और संबंधित देशों के आंकड़ों के आधार पर यह खाका पेश किया है। फुरमन ने विभिन्न चार्ट के जरिये भारत, अमेरिका, यूरो एरिया यानी यूरोपीय संघ, रूस और चीन की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तुलना की है और अनुमानित विकास दर पेश किया है। 2019 से 2025 की तीसरी तिमाही तक के आंकड़ों का आकलन किया गया है।

जीडीपी 10 प्रतिशत तक रहने का जताया अनुमान: फुरमन के आकलन के अनुसार, 2025 की तीसरी तिमाही तक भारत की जीडीपी कोरोना से पहले की वास्तविक जीडीपी रुझान को पार करते हुए 10 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। इन सब कारकों से इस साल के अंत तक भारत के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। उक्त अवधि के दौरान अमेरिका की जीडीपी भी बढ़ेगी, लेकिन उसकी प्रगति 5 फीसदी आसपास रहेगी। वहीं, चीन और यूरो एरिया के रुझानों से काफी नीचे रहेंगे जो क्रमशः माइनस 10 प्रतिशत और माइनस 5 प्रतिशत है।

चीन के प्रॉपर्टी क्षेत्र में आए संकट और डेमोग्राफिक मंदी के साथ-साथ यूक्रेन युद्ध से यूरोप के ऊर्जा क्षेत्र में आई कमजोरी इसकी मुख्य वजह है। इनकी तुलना में यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बावजूद रूस की जीडीपी कोरोना से पहले के रास्ते पर अग्रसर है, हालांकि, उसकी गति धीमी हो गई है, लेकिन सकारात्मक बनी हुई है और लगभग 1.1 फीसदी पर बनी हुई है। फुरमन ने आंकड़ों के विश्लेषण कर जो चार्ट पेश किया है, उसमें साफ नजर आता है कि 2020 में जब कोरोना महामारी फैली थी, तब पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ा था। लेकिन उस दौरान भी, बाकियों की तुलना में भारत की अर्थव्यवस्था में कम गिरावट देखी गई और वह शून्य से 5 से 10 के बीच बनी रही। जैसे यूरो एरिया में डीजीपी शून्य से 20 फीसदी से नीचे चली गई, अमेरिका की माइनस 10 फीसदी रही, चीन और रूस भी शून्य से नीचे रहे। फुरमन के अनुसार, कोरोना महामारी के बाद भारत की प्रगति किसी चमत्कार से कम नहीं है। भारत ने कोरोना के कारण ध्वस्त आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत के साथ पटरी पर लाया, बल्कि लॉकडाउन और वैश्विक संकट के कारण पैदा हुए हालात से भी बेहतर ढंग से निपटा।

डायबिटीज, कैंसर और मोटापे से कैसे लड़ेंगे हम देश में ही दवा बनाने की क्षमता नहीं! विदेश से खरीदने पर विचार

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार कुछ खास बीमारियों के लिए जरूरी दवाओं को विदेशों से खरीदने पर विचार कर रही है। इन दवाओं में वजन घटाने, कैंसर, दिल की बीमारियों और डायबिटीज की दवाएं शामिल हैं। इन दवाओं को सेना के मेडिकल विंग और कर्मचारी राज्य बीमा निगम जैसे सरकारी अस्पतालों में भेजा जाएगा।

यह लिस्ट 65 से ज्यादा ऐसी दवाओं की है जो पेटेंट वाली हैं या खास तौर पर बनाई जाती हैं। इनमें टाइप-2 डायबिटीज और मोटापे के लिए इस्तेमाल होने वाली दवाएं जैसे सेमाग्लूटाइड और टिरजेपेटाइड शामिल हैं। साथ ही, डायबिटीज वाले मरीजों में हाई कोलेस्ट्रॉल के इलाज के लिए इस्तेमाल होने वाली एक खास एंटीबॉडी दवा, इवोलकुमैब भी इस लिस्ट में है। भारत में इन दवाओं को बनाने की क्षमता कम है या बिल्कुल नहीं है।

क्या है सरकार की नीति: सरकार की एक नीति है जिसके तहत 200 करोड़ रुपये तक की चीजें या सेवाएं बाहर से नहीं खरीदी जा सकतीं। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि देश के अपने उद्योगों को बढ़ावा मिले।

लेकिन, कुछ खास मौकों पर इस नियम में छूट दी जा सकती है। जैसे अगर देश में किसी चीज की सप्लाई कम हो या फिर लोगों की तुरंत जरूरत हो। हाल ही में सरकार ने 128 दवाओं और वैक्सीन को ग्लोबल टेंडर से छूट दी है। यह छूट मार्च 2027 तक या जब तक कोई और आदेश नहीं आता, तब तक लागू रहेगी। यह नई लिस्ट उसी छूट के साथ जोड़ी गई है।

फार्मास्युटिकल विभाग ने 21 नवंबर को अपनी वेबसाइट पर एक नोटिस जारी किया। इसमें बताया गया है कि उन्हें डायरेक्टरेट जनरल ऑफ आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल सर्विसेज और इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च से ये अनुरोध मिले हैं। वे चाहते हैं कि इन दवाओं को ग्लोबल टेंडर से छूट वाली लिस्ट में शामिल किया जाए या फिर स्थानीय निर्माताओं की पहचान की जरूरत से छूट मिले।

दवा कंपनियों से मांगे गए सुझाव: सरकार ने स्थानीय दवा कंपनियों से कहा है कि अगर वे इन दवाओं को देश में बना सकते हैं तो 5 दिसंबर तक अपनी आपत्ति दर्ज कराएं। नोटिस के मुताबिक, कुछ ऐसी दवाएं भी हैं जो अभी बाजार में नहीं आई हैं। फार्मा इंडस्ट्री की तरफ से मिले अनुरोधों के बाद इन दवाओं के बारे में भी सुझाव और आपत्तियां मांगी गई हैं। खरीद एजेंसियां नौ अलग-अलग तरह की दवाओं के लिए ये अनुरोध कर चुकी हैं। इस लिस्ट में कुछ वैक्सीन भी शामिल हैं।

फार्मास्युटिकल विभाग स्वास्थ्य मंत्रालय और वित्त मंत्रालय के लोग इस मामले पर कुछ समय से बातचीत कर रहे हैं। जब यह सब तय हो जाएगा तो वित्त मंत्रालय के तहत आने वाला डिपार्टमेंट ऑफ एक्सपेंडिचर टेंडर के बारे में एक नोटिफिकेशन जारी करेगा। एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि इसका सबसे बड़ा फायदा मरीजों को होगा, क्योंकि उन्हें समय पर जरूरी इलाज मिल पाएगा।

समस्याएं देख आया आइडिया... भाइयों की जोड़ी ने बदला काम, अब करोड़ों की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी।
रायपुर के दो भाइयों आकाश अग्रवाल और आशीष अग्रवाल ने मसालों की दुनिया में अलग पहचान बनाई है। उन्होंने एक सफल मसालों का ब्रांड खड़ा किया है। इसका नाम जॉफ फूड्स है। इसकी शुरुआत दोनों ने 2018 में की थी। मसालों में मिलावट और प्रिजर्वेटिव्स की समस्या को देखकर भाइयों को इसे शुरू करने का आइडिया आया। दोनों भाइयों ने इसका समाधान आधुनिक, स्वच्छ और ऑर्गेनिक मसालों के रूप में पेश किया। कूल ग्राइंडिंग टेक्नोलॉजी और नो-ह्यूमन-टच प्रोसेसिंग जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके उन्होंने मसालों की खुशबू और पोषक तत्वों को बरकरार रखा। इस अनोखे तरीके और जिप-लॉक पैक्स जैसी सुविधाओं के कारण उनके ब्रांड ने बाजार में पहले से मौजूद बड़े खिलाड़ियों को टक्कर दी। वित्तीय वर्ष 2023-24 में इसका रेवेन्यू

92.66 करोड़ रुपये पहुंच गया। आइए, यहां आकाश और आशीष की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। तो उठ बैठा, अर्धनग्न युवक को मुर्दा समझकर डर गए लोग, फिर हुआ यह सब जॉफ फूड्स की कहानी रायपुर के दो भाइयों आकाश अग्रवाल और आशीष अग्रवाल की है, जो स्टील व्यवसाय वाले परिवार से आते हैं। दोनों भाइयों ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ प्लानिंग एंड मैनेजमेंट , नई दिल्ली से एमबीए की डिग्री हासिल की है। कॉलेज के बाद उन्होंने अपने पारिवारिक स्टील प्लांट का काम संभाला। यहीं पर उन्होंने क्वालिटी, ऑटोमेशन और बड़े पैमाने पर उत्पादन के महत्व को समझा। लगभग 2015 के आसपास उन्होंने अपने पारिवारिक स्टील व्यवसाय से हटकर भारतीय मसाला खरीद और मैन्युफैक्चरिंग उद्योग में कदम रखने का फैसला किया। इस क्षेत्र में उन्होंने कई कमियां देखीं। कई स्थापित और स्थानीय मसाला ब्रांड मिलावटी मसाले बेच रहे थे। ब्रांडों की ओर से इस्तेमाल की जाने वाली प्रोसेसिंग तकनीक मसालों को गर्मी से खराब कर देती थी। आकाश और आशीष ने एहसास किया कि भारतीय उपभोक्ता ऐसे उत्पाद चाहते हैं जहां गुणवत्ता, विश्वसनीयता और स्वच्छता एक साथ हो। इस आइडिया के साथ उन्होंने 2018 में अपना वेंचर शुरू किया। उन्होंने रायपुर में एक पूरी तरह से ऑटोमैटिक, हाइजीन-फोकस्ड प्लांट में निवेश किया। उन्होंने एयर-कूल्ड ग्राइंडिंग तकनीक का इस्तेमाल किया। यह तकनीक मसालों के आवश्यक तेलों, रंग और सुगंध को बरकरार रखती है। शुरुआती बूटस्ट्रैपिंग (बाहरी फंडिंग के बिना) के बाद भाइयों ने जेएम फाइनेंशियल के नेतृत्व में सीरीज ए फंडिंग में 40 करोड़ रुपये जुटाए। इसका इस्तेमाल सप्लाई चेन और प्रोडक्ट रेंज को बढ़ाने में किया गया। इस यात्रा की सबसे बड़ी चुनौती बाजार में एक मजबूत पहचान बनाना था। कारण था कि कई बड़े ब्रांड पहले से ही मौजूद थे।

झारखण्ड का पहला कामर्शियल फ्लाईंग इंस्टीच्यूट सज-धजकर तैयार

जेलिन, ग्लाइडर और स्टीमी एयरक्राफ्ट पहुंचा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। झारखंड ही नहीं बल्कि पूर्वी क्षेत्र का पहला झारखंड कामर्शियल फ्लाइंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का उद्घाटन आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दुमका के एयरपोर्ट पर करेंगे। झारखंड सरकार की ओर से संचालित इस इंस्टीट्यूट में प्रत्येक वर्ष 30 योग्य छात्रों को ट्रेनिंग दी जाएगी, जिसमें 15 सीट आरक्षित श्रेणी का होगा।

आरक्षित श्रेणी के प्रशिक्षुओं को निःशुल्क ट्रेनिंग दी जाएगी। प्रशिक्षुओं को दो चरणों में ट्रेनिंग दिया जाएगा। पहले चरण में दुमका में कामर्शियल पायलट लाइसेंस विद मल्टी इंजन रेटिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जबकि दूसरे चरण का प्रशिक्षण टाइप रेटिंग आन एयर बस ए-320 का दिया जाएगा।

यह प्रशिक्षण देश के प्रमुख सिविलेयेटर ट्रेनिंग सेंटरों के माध्यम से कराया जाएगा। पूरी ट्रेनिंग 200 घंटे की होगी। दुमका में प्रशिक्षण के लिए तमाम तैयारियां व आधारभूत संरचनाएं पूरी कर ली गई है। वर्तमान में दुमका में तीन जेलिन एयरकाफ्रट, तीन ग्लाइडर और एक स्टीमी एयरक्राफ्ट है।

डीजीसीए के तय मानकों को पूरा करने के उपरांत एफटीओ का लाइसेंस भी हासिल कर लिया गया है। इधर सोमवार को होने वाले उद्घाटन को लेकर दुमका एयरपोर्ट पर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। इसके अलावा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को दुमका एयरपोर्ट पर ही आयोजित सेवा का अधिकार सप्ताह समारोह के तहत दुमका के लोगों को कई बड़ी सौगात देंगे।

नागर विमानन महानिदेशालय यानी डीजीसीए के स्तर से तय मानकों को पूरा करने के उपरांत ही कामर्शियल पायलट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का संचालन संभव है। इसके लिए डीजीसीए की ओर से सेफ्टी और क्वालिटी पर विशेष फोकस किया गया है। इसके लिए सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट्स का पालन अनिवार्य किया गया है।

कामर्शियल पायलट तैयार करने वाले फ्लाइंग ट्रेनिंग आर्गनाइजेशन के लिए विस्तृत और कड़े नियम लागू किए हैं। इन नियमों का मुख्य उद्देश्य पायलट ट्रेनिंग की गुणवत्ता और विमानन सुरक्षा को सर्वोच्च स्तर पर बनाए रखना है।

कामर्शियल पायलट ट्रेनिंग शुरू करने के लिए किसी भी संस्थान को सबसे पहले डीजीसीए अप्रूव्ड एफटीओ के रूप में लाइसेंस लेना अनिवार्य है। एफटीओ की स्थापना और उनके संचालन के लिए विस्तृत मानक सीएआर सेक्शन 7, सीरीज-

डी, पार्ट वन में निहित है।

इतना ही नहीं डीजीसीए ने एफटीओ के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं पर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किया है ताकि छात्रों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण मिल सके। इसके लिए इंस्टीट्यूट के पास पर्याप्त ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट, उचित मेंटेनेंस सुविधा, आधुनिक क्लासरूम, सिम्युलेटर और व्यवस्थित आप्स-रूम, ब्रिफिंग एरिया होना अनिवार्य है।

साथ ही एयरफील्ड की उपयुक्तता, सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम एवं डीजीसीए मानकों के अनुरूप रिकॉर्ड-कीपिंग और डिस्पैच सिस्टम भी जरूरी मानकों में शामिल है। साथ ही पायलट ट्रेनिंग की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए, प्रशिक्षकों की योग्यता पर विशेष ध्यान दिया गया है।

सीएफआई, डिप्टी सीएफआई और फाइलट इंस्ट्रक्टर के लिए न्यूनतम क्वालिफिकेशन, अनुभव और लाइसेंस की शर्तें सीएआर के सेक्शन सात में निर्धारित है। वहीं हाल के संशोधनों ने एफटीओ को कई चेक और इंस्ट्रक्टर ट्रेनिंग की जिम्मेदारियां डेलीगेट की गई है ताकि प्रशिक्षण तेज और अधिक व्यवस्थित हो सके।

डीजीसीए ने सभी एफटीओ के लिए एक समान पाठ्यक्रम और न्यूनतम फ्लाइंग अवधि घंटों में तय किए हैं। इसके लिए तय पाठ्यक्रम स्टूडेंट पायलट लाइसेंस, प्राइवेट पायलट लाइसेंस और कामर्शियल पायलट लाइसेंस के लिए थ्योरी और फ्लाइंग सिलेबस तैयार किया गया है जिसमें नेविगेशन, मेटिरियोलॉजी, एयर रेगुलेशन अनिवार्य रूप से तय है।

थ्योरी एग्जाम और फ्लाइंग टेस्ट डीजीसीए के दिशा-निदेर्शों के मुताबिक होते हैं और एफटीओ को सभी रिकॉर्ड डीजीसीए के मानकों के अनुसार मेंटेन करना होता है। इन नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए डीजीसीए समय-समय पर आडिट और निरीक्षण करता है।

20 दिनों की नवजात को पिता ने दी जहर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू प्रमंडल के लातेहार जिले के बरवाडीह थाना क्षेत्र के हुक्कामाड़ गांव से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है।

यहां 20 दिन के मासूम बच्चे को उसके पिता ने ही जहर मिला सीरप पिलाकर जान से मारने की कोशिश की। घटना के बाद बच्चे की हालत गंभीर हो गई। उसे तत्काल इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल के एनआईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया।

यहां चिकित्सकों ने इलाज किया। अब बच्चा पूरी तरह स्वस्थ्य व सुरक्षित है। पीड़ित बच्चे की मां ने आरोप लगाते हुए बताया कि उसके पति का किसी अन्य युवती के साथ अवैध संबंध है। इस विवाद के कारण वह परिवार से नाराज रहते है।

उसी ने बच्चे को दिया जाने वाला सीरप में जहर मिलाकर मासूम की जान लेने की कोशिश की। महिला को सिरप में गड़बड़ी का अहसास हुआ तो उसने बच्चे को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया।

वहां, चिकित्सकों ने समय रहते उपचार शुरू कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और मां से पूरे मामले की जानकारी ली। पुलिस इस मामले को अत्यंत गंभीर मानते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई में शुरू कर दी है। अस्पताल पुलिस चौकी की पुलिस ने जहर मिले सीरप को जब्त कर लिया है। घटना की जानकारी बरवाडीह थाना की पुलिस को दी है।

इस घटना के बाद से नवजात मां काफी परेशान व चिंतित है। महिला को शक है कि ऐसी घिनौनी हरकत के बाद कहीं उसकी और उसके बेटे दोनों की हत्या न कर दी जाए। महिला ने लातेहार पुलिस प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है।

पायलटों की कमी से 31 ट्रेनें रद्द

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर रेल मंडल रेल प्रशासन ने ट्रेन चलाने वाले लोको पायलटों की कमी के कारण 25 से 27 नवंबर के बीच करीबन 31 मेमू ट्रेनों का परिचालन विभिन्न तिथियों में रद कर दिया है।

रेलवे से मिली सूचना के अनुसार 26 नवंबर को चक्रधरपुर में चीफ लोको इंस्पेक्टर की परीक्षा है। इस परीक्षा में दर्जनों की संख्या में लोको पायलट शामिल होंगे। इससे रेलवे ने अनुमान लगाया है कि मंडल में लोको पायलट की कमी होना निश्चित है।

लोको पायलट की कमी के कारण लंबी दूरी की मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को समय से चलाने के लिए रेल प्रशासन ने 31 मेमू और पेंसेजर ट्रेनों का परिचालन रद करने की घोषणा कर दी है। तीन दिनों तक मेमू ट्रेनों का परिचालन रद होने से स्थानीय यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

गया पुल के चौड़ीकरण का कार्य शुरू

लोगों को मिलेगी जाम से निजात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। बहु प्रतीक्षित गया पुल चौड़ीकरण और अंडरपास का काम रविवार को शीला कंस्ट्रक्शन कंपनी ने शुरू कर दिया है। रेलवे और पथ निर्माण विभाग के सहयोग से यहां बैरिकेडिंग शुरू कर दी गई है। इसके लिए यहां 30 मजदूर और अधिकारियों की टीम लगाई गई है।

शीला कंस्ट्रक्शन के प्रोजेक्ट मैनेजर धीरज कुमार ने बताया कि अगले सप्ताह तक गया पुल चौड़ीकरण के डिजाइन का अप्रूवल मिल जाएगा। यह अप्रूवल रेलवे की ओर से दिया जाएगा। इससे पहले यहां पर बैरिकेडिंग का काम शुरू किया जा रहा है। आम जनता को परेशानी ना हो इसका ख्याल रखा गया है। गया पुल चौड़ीकरण का काम धनबाद में वर्षों पुराना है। लगभग 20 वर्षों से इसकी मांग की जा रही है। अब जाकर यह काम शुरू हो रहा है। चौड़ीकरण के काम में लगभग 30 करोड़ रुपए राज्य सरकार की ओर से आवंटित किए गए हैं।

हर दिन इस रास्ते लोगों को ट्रैफिक जाम की समस्या झेलनी पड़ती है। इस रास्ते हर दिन लगभग तीन लाख लोगों का आवागमन होता है।

पथ प्रमंडल विभाग के अधिकारियों के अनुसार प्रस्तावित अंडरपास की चौड़ाई 12.5 मीटर और लंबाई 40 मीटर होगी। इसके बन जाने से भारी वाहनों और स्थानीय यातायात का सुचारू आवागमन सुनिश्चित होगा।

अंडरपास और चौड़ीकरण का काम से पहले यहां बैरिकेडिंग की जा रही है। अगले सप्ताह डिजाइन को अप्रूवल मिल जाएगा। इसके बाद काम में तेजी आएगी। आठ लेन के पास डंप यार्ड बनाए गए हैं। यहां से सामग्री बनाकर गया पुल तक ले जाएंगे।

शहीदी गुरुपर्व पर प्रभात फेरी एवं कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, डाल्टनगंज द्वारा साहस, त्याग, करुणा और आध्यात्मिकता के अद्वितीय प्रतीक श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज की 350वीं शहीदी गुरुपर्व के अवसर पर भव्य प्रभात फेरी निकाली गई।

प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में सिख महिलाएँ तथा श्रद्धालु शामिल हुए। राजेंद्र सिंह बंटी, बॉबी सिंह, राजा सिंह, चिंटू सिंह, डिंपल सिंह, मेहर सिंह, कल्याण सिंह, लवी सिंह, मनमत सिंह बग्गा और बलजीत सिंह आदि भजन-कीर्तन करते हुए गुरु तेग बहादुर जी के पावन संदेशों का प्रसार कर रहे थे। यह प्रभात फेरी गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के प्रधान सतबीर सिंह राजा के नेतृत्व में निकाली गई। नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए प्रभात फेरी जब बेलवाटिकर स्थित गुरुद्वारा परिसर पहुंची, तो बोले सो निहाल सत श्री अकाल के जयकारों के साथ इसका समापन किया गया।

इसके बाद शाम 5 बजे श्री गुरु तेग बहादुर मेमोरियल हॉल में धर्म की रक्षा, मानवाधिकारों की सुरक्षा तथा मानव स्वतंत्रता के लिए स्वयं को समर्पित करने वाले गुरु तेग बहादुर जी की स्मृति में एक आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गुरुजी के जीवन, त्याग और प्रेरणादायी संदेशों पर प्रकाश डाला गया और श्रद्धालुओं ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लगाया गया रक्तदान शिविर

26 लोगों ने किया रक्तदान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरिहरगंज में स्वेक्षिक रक्तदान शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत कुल 26 यूनिट रक्त संग्रह जिला द्वारा आये ब्लड बैंक टीम द्वारा किया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गोपाल प्रसाद द्वारा बताया गया कि किसी व्यक्ति के द्वारा किये गए रक्त दान से तीन व्यक्तियों की जान बचाई जा सकती है। उक्त कार्यक्रम में दान करने वालों में डॉ प्रभा के साथ ही साथ सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी पवन कुमार, नीतेश कुमार, एएनएम शांति कुमारी, मिंटू सिन्हा, प्रखंड लेखा प्रबंधक सुनील कुमार स्वास्थ्य कर्मी सन्नी, धीरेंद्र पासवान, संतोष पासवान, जसवंत कुमार, अभिमन्यु शर्मा सहित हरिहरगंज क्षेत्रो से आये कुल 26 लोगों ने अपना रक्त दान कर जागरूकता का परिचय दिया और लोगों से अपील की कि ज्यादा से ज्यादा लोग इसमे भाग लें।

कार्यक्रम के दौरान सुनील कुमार ने बताया कि ये मेरी 13 वीं बार दान करने का मौका मिला है। रक्त दान कर पूरा किया है। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालन में प्रभारी

चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गोपाल प्रसाद के साथ ही साथ अस्पताल के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी, एएनएम, स्वास्थ्य कर्मी, प्रखंड लेखा प्रबंधक सुनील कुमार प्रखंड डाटा प्रबंधक सत्यनारायण कुमार एवं आयूष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अरबिंद, डॉ फैज, चित्रकला, शांति कुमारी, मिंटू सिन्हा सहित सन्नी, धीरेंद्र पासवान, राहुल मेहता, संतोष पासवान सहित अस्पताल के सभी कर्मी, परिसर के सभी पदाधिकारी गण अपना अहम योगदान निभाया।

जल्द शुरू होगा हड्डी का आपरेशन

पाकुड़। जिलेवासियों के लिए अच्छी और बड़ी राहत की खबर है। हड्डी के इलाज और आपरेशन के लिए अब बाहर जाने की बाध्यता खत्म होने वाली है। शहर से करीब सात किलोमीटर दूर सोनाजोड़ी स्थित सदर अस्पताल में इस माह के अंत तक या दिसंबर माह के पहली सप्ताह से आर्थोपेडिक (हड्डी) का ऑपरेशन शुरू हो जाएगा।

इस दिशा में जोर-शोर से तैयारी चल रही है। हड्डी का इलाज और ऑपरेशन शुरू होने से संबंधित मरीजों और उसके स्वजनों को बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। अस्पताल प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार डीसी ने भी इस दिशा में हरी झंडी दे दी है। डीएमएफटी फंड से सारी प्रक्रियाएं पूर्ण की जाएगी। वर्तमान में हड्डी रोग विशेषज्ञ व सर्जन के रुप में डॉ. डेविड पदस्थापित हैं। एक्स-रे टेक्नेशियन के रुप में सुधांशु और उर्मिला मरांडी कार्यरत हैं। हड्डियों के ऑपरेशन में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। आर्थोपेडिक सर्जरी शुरू होने से जीवन बेहतर होगा। हड्डियों के ऑपरेशन के लिए शीघ्र ही उपकरणों की खरीदारी करेंगे।

बालू को ले अनिश्चितकालीन चक्का जाम कल से

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। एनजीटी की बाध्यता खत्म होने के बावजूद भी बालू बंद रहने के कारण प्रखंड क्षेत्र के आवास योजना के लाभुक, मजदूर, ट्रैक्टर मालिक काफी परेशान है। इसको लेकर 25 नवंबर को लाभुक, मजदूर और ट्रैक्टर मालिक अनिश्चितकालीन चक्का जाम करने का निर्णय लिया है। चक्का जाम को लेकर सीओ संजय कुमार सिंहा एवं थाना प्रभारी को आवेदन दिया गया है। आवेदन में कहा गया है कि एनजीटी समाप्त होने के बावजूद भी अभीतक नदी से बालू उठाव की अनुमति नहीं मिली है।

बालू का उठाव बंद रहने के कारण सरकारी योजना का कार्य पूर्ण रूप से बंद पड़ा हुआ है। खासकर अबुआ आवास योजना के लाभुक सबसे ज्यादा परेशान है। आवास पूर्ण नहीं होने के कारण वेलोग झोपड़ी में रह रहे हैं। साथ ही मजदूरों को भी काम नहीं मिल पा रहा है, जिस कारण वे अन्य राज्य पलायन कर रहे हैं।

स्थानीय मनोज यादव, मुकेश मंडल, पिंकू मंडल, सोमेन टूडू, राजेंद्र हेम्ब्रम के अलावा सैकड़ों ग्रामीणों ने बताया कि बालू बंद रहने के कारण बीते 14 नवंबर को चक्का जाम किया गया था। इसके बाद अधिकारियों द्वारा आश्वासन दिया गया था कि 23 नवंबर तक बालू चालू कर दिया जाएगा।

आश्वासन का समय बीतने के बाद भी इस दिशा में किसी प्रकार की पहल नहीं हुई। इसलिए ग्रामीणों ने पुनः निर्णय लिया है कि आगामी 25 नवंबर से अनिश्चितकालीन चक्का जाम किया जाएगा।

गोरखपुर से पुलिस के हत्थे चढ़ा पेपर लीक का मास्टरमाइण्ड

नेपाल ले जाकर रटवाया था प्रश्नपत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। जेएसएससी-सीजीएल पेपर लीक मामले में महीनों से फरार चल रहा मुख्य आरोपी विनय साह उर्फ हरिहर सिंह आखिरकार पुलिस की गिरफ्त में आ गया। उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने उसे गोरखपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र के हनुमंत नगर कॉलोनी से गिरफ्तार किया। विनय पूर्वोत्तर रेलवे के यांत्रिक कारखाना में सेक्शन इंजीनियर था और सरकारी नौकरी की आड़ में लंबे समय से फरारी काट रहा था।

झारखंड क्राइम ब्रांच ने जनवरी 2025 में उसके खिलाफ बीएनएस की गंभीर धाराओं और प्रतियोगी परीक्षा अधिनियम 2023 के तहत मामला दर्ज किया था। फरारी के दौरान वह लगातार ठिकाना बदलता रहा और नेपाली सिम कार्ड का इस्तेमाल कर अपनी लोकेशन छिपाता रहा। उसकी गिरफ्तारी के बाद रेलवे विभाग में भी हलचल तेज हो गई है।

सूत्रों का कहना है कि झारखंड पुलिस की विशेष टीम लगातार यूपी एसटीएफ के संपर्क में थी। सीओ एसटीएफ धर्मेश शाही के नेतृत्व में टीम कई दिनों से विनय की गतिविधियों की निगरानी कर रही थी। गुरुवार को उसके यांत्रिक कारखाना क्षेत्र में छिपे होने की सूचना मिली, जिसके बाद घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। रांची क्राइम ब्रांच से सत्यापन के बाद उसकी पहचान की पुष्टि हुई।

पूछताछ के दौरान विनय ने कबूल किया कि 22 सितंबर 2024 को आयोजित जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा का प्रश्नपत्र उसने मनोज कुमार, शशिभूषण दीक्षित और संदीप त्रिपाठी के साथ मिलकर लीक कराया था। गिरोह ने रांची के जे स्क्योर होटल में इसकी पूरी साजिश रची थी। परीक्षा से पहले दर्जनों अभ्यर्थियों को मोतिहारी-रक्सौल बॉर्डर के रास्ते नेपाल ले जाकर प्रश्नपत्र रटवाए गए। इसके बदले मनोज ने विनय के खाते में एक लाख रुपये भेजे थे। गिरफ्तारी के समय उसके पास से एक नेपाली और एक भारतीय सिम कार्ड बरामद हुए। अब झारखंड पुलिस ट्रांजिट रिमांड लेकर उसे रांची लाएगी, जहां विस्तृत पूछताछ की जाएगी। विनय मूल रूप से रांची का रहने वाला है और गोरखपुर में नकली पहचान के साथ रह रहा था।

जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपी विनय साह की गिरफ्तारी पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। मरांडी ने कहा कि यह गिरफ्तारी कई गंभीर सवाल खड़े करती है और सरकार को इसका जवाब देना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि जिस कार्रवाई को झारखंड पुलिस और पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता सरकार के दबाव में नहीं कर पाए, उसे यूपी सरकार की एसटीएफ ने अंजाम दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि हाई कोर्ट में सुनवाई पूरी होने के बाद ही गिरफ्तारी क्यों हुई और राज्य पुलिस एक साल से फरार आरोपी तक क्यों नहीं पहुंच सकी।

मरांडी ने दावा किया कि मामले का मुख्य अभियुक्त अनीश अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व डीजीपी ने कथित रूप से मोटी रकम लेकर उसकी गिरफ्तारी टाल दी, ताकि डिजिटल साक्ष्य नष्ट किए जा सकें। उनका यह भी कहना है कि नेपाल, हजारीबाग और रांची में जिन छात्रों को प्रश्नपत्र रटवाए गए, उनके बयान सरकार के दबाव में बदले जा रहे हैं। उन्होंने सीआईडी टीम को दो बार बदले जाने पर भी सवाल उठाए।

मरांडी ने कहा कि विनय साह ने राष्ट्रीय मीडिया के सामने पूरा खुलासा किया है, इसलिए राज्य सरकार को जांच सीबीआई को सौंप देनी चाहिए, ताकि सच सामने आ सके। उन्होंने कहा कि भाजपा बेरोजगार युवाओं की न्याय की लड़ाई में साथ खड़ी रहेगी।

ठगी का हिस्सा पहुंचा जमशेदपुर बैंक के खाते में

मैनेजर ने करायी खाता को फ्रीज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। साइबर अपराध की दुनिया में डिजिटल अरेस्ट के जरिए देशभर में दहशत फैलाने वाले गिरोहों के तार अब जमशेदपुर से गहरे जुड़ते जा रहे हैं। हाल ही में गुरुग्राम के एक वरिष्ठ नागरिक को डिजिटल अरेस्ट कर करोड़ों की ठगी का प्रयास किया गया, जिसमें ठगी की गई रकम का एक बड़ा हिस्सा 20 लाख रुपये सीधे जमशेदपुर पहुंचा। गनीमत रही कि बैंक मैनेजर की तत्परता से पीड़ित के जीवन भर की कमाई (करीब 6 करोड़ रुपये) लुटने से बच गई।

घटना 11 और 12 नवंबर की है। गुरुग्राम के गैलेरिया मार्केट स्थित एक्सिस बैंक के रिलेशनशिप मैनेजर मीत सबरवाल ने देखा कि उनके एक बुजुर्ग ग्राहक के खाते से अचानक बड़ी रकम ट्रांसफर हो रही है। ग्राहक ने 5.9 करोड़ रुपये के म्यूचुअल फंड तोड़े थे और खाते में पैसे आते ही 20 लाख रुपये जमशेदपुर के एक एसबीआई खाते में और 44 लाख रुपये मुंबई के बांद्रा स्थित खाते में ट्रांसफर कर दिए। सबरवाल को शक हुआ क्योंकि इतने कम समय में यह लेनदेन असामान्य था। जब उन्होंने बुजुर्ग से संपर्क किया, तो वे डर के मारे फोन नहीं उठा रहे थे। बाद में पता चला कि खुद को मुंबई पुलिस और सीबीआई अधिकारी बताकर साइबर ठगों ने उन्हें डिजिटल अरेस्ट कर रखा था और जेल भेजने का डर दिखाकर पैसे ट्रांसफर करवा रहे थे।

बैंक मैनेजर ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जमशेदपुर एसबीआई और मुंबई एक्सिस बैंक से संपर्क कर दोनों ट्रांजेक्शन होल्ड करवा दिए और खाते फ्रीज करा दिए। पुलिस जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि जमशेदपुर में जिस खाते में 20 लाख रुपये आए थे, वह संभवतः एक म्यूल अकाउंट था। हालिया पुलिसिया कार्रवाई से पता चलता है कि साइबर अपराधी अब जमशेदपुर के युवाओं को अपना मोहरा बना रहे हैं। कदमा और गोलमुरी जैसे इलाकों से हाल ही में कई ऐसे युवकों की गिरफ्तारी हुई है।

नये श्रम कानून के विरोध में सीटू ने मानव श्रृखला बनाकर जताया विरोध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। केंद्र सरकार ने देश के श्रम कानूनों में बड़े बदलाव करते हुए 29 पुरानी श्रम व्यवस्थाओं को खत्म कर चार नए लेबर कोड लागू किए हैं। इसका भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) से जुड़े मजदूर संगठन भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र ने विरोध किया है।

धनबाद में चल रहे भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र (सीटू) के तीन दिवसीय आठवें राज्य सम्मेलन के दूसरे दिन शनिवार को चार नए लेबर कोड के विरोध में प्रस्ताव पारित किया गया। दूसरी ओर, नई श्रमशक्ति नीति 2025 एवं चार श्रम संहिता (लेबर कोड) के विरोध में एक किलोमीटर लंबा मानव श्रृंखला बनाकर मोदी सरकार का पुतला दहन किया गया। नेतृत्व सीटू के राष्ट्रीय महासचिव तपन सेन ने किया। सीटू के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य तपन सेन ने शनिवार को कोयला नगर गेस्ट हाउस में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई चार लेबर कोड से श्रमिकों को भारी परेशानी होगी। यह कानून पूरी तरह से पूंजीपतियों के हित में बनाया गया है।

इस मुद्दे पर 26 नवंबर से देशव्यापी आंदोलन की रणनीति तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि एमडीओ माडल के तहत खदानों का संचालन निजीकरण से भी अधिक खतरनाक साबित होगा। इससे देश की खनन व्यवस्था पूरी तरह पूंजीपतियों के हाथ में चली जाएगी। केंद्र सरकार कारपोरेट घरानों के इशारे पर काम कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि आउटसोर्सिंग कंपनियों पर ईडी की कार्रवाई महज दिखावा है। आज तक किसी भी कार्रवाई का ठोस परिणाम सामने नहीं आया। मौके पर राष्ट्रीय सचिव सुदीप दत्ता एवं राज्य सचिव मानस चटर्जी उपस्थित थे। प्रतिनिधि सत्र की अध्यक्षता भवन सिंह, प्रकाश विप्लव, सुरेश प्रसाद गुप्ता, सुंदरलाल महतो, एवं पूनम कुमारी ने संयुक्त रूप से की। राज्य महासचिव विश्वजीत देव द्वारा पेश राजनीतिक-सांगठनिक प्रतिवेदन पर कुल 38 यूनियनों के प्रतिनिधियों ने चर्चा में भाग लिया। बहस के दौरान केंद्र सरकार की नई श्रमशक्ति नीति 2025 और लेबर कोड वापस लेने, सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण के विरोध तथा किसान-मजदूर एकता को मजबूत करने के लिए 26 नवंबर को कार्यस्थलों व जिला मुख्यालयों पर जुझारू विरोध-प्रदर्शन करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। केंद्र सरकार ने देश के श्रम कानूनों में बड़े बदलाव करते हुए 29 पुरानी श्रम व्यवस्थाओं को खत्म कर चार नए लेबर कोड लागू किए हैं। इनके नाम हैं-वेज कोड 2019, औद्योगिक संबंध कोड 2020, सामाजिक सुरक्षा कोड 2020 और ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड 2020। इन कोड के तहत वेतन, काम के घंटे, छुट्टियां, नौकरी सुरक्षा, नियुक्ति पत्र, सामाजिक सुरक्षा, ग्रेच्युटी, ओवरटाइम, ठेका कर्मचारियों और गिग वर्कर्स से जुड़े नियमों में व्यापक बदलाव किए गए हैं। सरकार का दावा है कि इससे रोजगार में पारदर्शिता और श्रमिकों को अधिकार मिलेंगे, जबकि ट्रेड यूनियन इसे पूंजीपतियों के हित में बनाया गया कानून बता रही हैं। यह कानून देशभर में लागू होने की प्रक्रिया के साथ 2025 से चरणबद्ध रूप से प्रभावी हो रहा है।

लक्ष्य सेन ने जीता इस सत्र का अपना पहला खिताब

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के विजेता बने; तनाका को हराया

सिडनी, एजेंसी। लक्ष्य ने पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इस सत्र का अपना पहला खिताब जीत लिया। लक्ष्य ने पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। 24 साल के लक्ष्य से शानदार लय बरकरार रखते हुए 26 वर्षीय तनाका को 38 मिनट तक चले मैच में 21-15, 21-11 से हराया। लक्ष्य के लिए पिछले समय से चीजें सही नहीं चल रही थीं और वह पेरिस ओलंपिक 2024 में चौथे स्थान पर रहे थे। 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने इससे पहले अपना आखिरी सुपर 300 खिताब पिछले साल लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल में जीता था। वह सितंबर में हांगकांग सुपर 500 टूर्नामेंट में जीत के करीब थे, लेकिन उपविजेता रहे थे।

लक्ष्य ने नहीं गंवाया एक भी गेम

इस वर्ष ऑर्लियंस मास्टर्स सुपर 300 खिताब जीतने वाले विश्व के 26वें नंबर के खिलाड़ी तनाका का सामना करते हुए लक्ष्य ने शानदार नियंत्रण और तेज तर्रार खेल का नमूना पेश किया तथा एक भी गेम गंवाए बिना मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ मौजूदा राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन लक्ष्य इस सत्र में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय बन गए। इससे पहले आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट जीता था। भारत के अन्य खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हांगकांग और चीन मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे थे, जबकि किदांबी श्रीकांत भी साल की शुरुआत में मलयेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे थे।

गुवाहाटी टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म, राहुल-जायसवाल ने नहीं गिरने दिया एक भी विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया वर्सेस साउथ अफ्रीका दूसरा टेस्ट गुवाहाटी में खेला जा रहा है। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने साउथ अफ्रीका के 489 रनों के सामने बिना विकेट खोए 9 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने 6.1 ओवर में एक भी विकेट नहीं गिरने दिया। जायसवाल 7 तो राहुल 2 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले सनुरन मुथुसामी ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक जड़ते हुए 109 रनों की शानदार पारी खेली, वहीं मार्को येन्सन अपने शतक से चूक गए और 93 रनों पर आउट हुए। साउथ अफ्रीका ने पहले दिन 6 विकेट के नुकसान पर 247 रन बनाए थे, दूसरे दिन आखिरी चार बल्लेबाजों ने मिलकर 242 रन जोड़े। भारत के लिए कुलदीप यादव ने सर्वाधिक 4 विकेट चटकाए, वहीं रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को 2-2 विकेट मिले। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी ऑलआउट करने के बाद यशस्वी और राहुल ने सधी हुई बल्लेबाजी की। खराब रोशनी के कारण थोड़ी दिक्कतें हो रही थी, लेकिन इन दोनों सलामी बल्लेबाजों ने सुनिश्चित किया कि दक्षिण अफ्रीका को कोई सफलता नहीं मिल सके। तीसरे दिन भारतीय बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका पर बढ़त लेने के इरादे से उतरेंगे।

एशिया ओशिनिया 100 किमी अल्ट्रा चैंपियनशिप में अमर का कमाल, राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ बने विजेता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अमर सिंह देवंदा ने बैंकॉक में आयोजित एशिया ओशिनिया 100 किमी अल्ट्रा चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। देवंदा ने 6:59:37 (छह घंटे, 59 मिनट और 37 सेकंड) का राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय निकालकर जीत हासिल की। इस प्रतियोगिता का आयोजन इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ अल्ट्रारनर्स ने किया था। अमर इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 11 सदस्यीय भारतीय दल का हिस्सा हैं।भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'अमर सिंह देवंदा ने भारत के लिए इतिहास रच दिया। उन्होंने 6:59:37 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ एशिया ओशिनिया 100 किमी अल्ट्रा चैम्पियनशिप जीत ली।' भारतीय टीम के अन्य सदस्यों में सौरव कुमार रंजन, गीनो एंटनी, वेलु पेरुमल, योगेश सनप, जयद्रथ, आरती झंवर, रणजी सिंह, सिंधु उमेश, नामग्याल ल्हामो और तेनजिन डोल्मा शामिल हैं।

साहिबजादा ने रचा इतिहास, ये रिकॉर्ड बनाने वाले पाकिस्तान के पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 क्रिकेट में विस्फोटक बल्लेबाजी की मिसाल बनने वाले पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान ने श्रीलंका के खिलाफ ट्राई-नेशन टी20आई सीरीज में एक नई उपलब्धि हासिल कर ली। रावलपिंडी में खेले गए मैच में उन्होंने न केवल पाकिस्तान को 27 गेंदें बाकी रहते शानदार जीत दिलाई बल्कि साथ ही 20 फॉर्मेट में एक कैलेंडर साल में 100 से अधिक छक्के लगाने वाले पाकिस्तान के पहले और दुनिया के 12वें बल्लेबाज़ बनकर इतिहास रच दिया। उनकी नाबाद 80 रन की पारी ने पाकिस्तान को सीरीज में लगातार दूसरी जीत दिलाने के साथ उन्हें सुर्खियों में ला दिया।श्रीलंका के खिलाफ इस मुकाबले में साहिबज़ादा फरहान पूरी तरह अलग ही लय में नज़र आए। 45 गेंदों पर नाबाद 80 रन की पारी के दौरान उन्होंने 5 छक्के जड़े और इसी के साथ उनके साल 2025 में कुल छक्कों की संख्या 102 हो गई। इस सूची में उनसे आगे केवल दो खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के करणबीर सिंह (122) और वेस्टइंडीज़ के निकोलस पूरन (103) हैं।फरहान ने यह उपलब्धि पाकिस्तान क्रिकेट में पहली बार हासिल की है, जो उनकी लगातार बेहतर होती फॉर्म और आक्रामक अंदाज़ का बड़ा प्रमाण है। फरहान ने इस साल टी20 क्रिकेट में 4 शतक और 11 अर्धशतक, करणबीर ने 2 शतक और 13 फिफ्टी, जबकि पूरन ने 1 शतक और 14 फिफ्टी बनाई हैं। फरहान की 80* रन की पारी श्रीलंका के खिलाफ टी20 में पाकिस्तान की ओर से सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। यह रिकॉर्ड पहले शोएब मलिक के नाम था, जिन्होंने 2007 टी20 वर्ल्ड कप में 57 रन बनाए थे। फरहान ने न सिर्फ रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि श्रीलंका के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाकर मैच को एकतरफा बना दिया।

इंग्लैंड पीछे नहीं हटेगा

पर्थ में हार के बाद हेड कोच मैकुलम ने 'बैजबॉल' का किया समर्थन

पर्थ, एजेंसी। इंग्लैंड के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि पर्थ में एशेज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 8 विकेट से करारी हार के बाद उनकी टीम अपने 'बैजबॉल' दृष्टिकोण से पीछे नहीं हटेगी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट सिर्फ दो दिन में खत्म हो गया जिससे यह 1921 के बाद एशेज का सबसे छोटा टेस्ट बन गया। दूसरे दिन की शुरुआत में मेहमान टीम अच्छी स्थिति में थी, लेकिन हार के साथ खत्म दिन का अंत हुआ। दूसरे दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9/123 था, कप्तान बेन स्टोक्स की शानदार बॉलिंग से ऑस्ट्रेलिया 132 रन पर आउट हो गई और थ्री लायंस ने 40 रन की लीड ले ली, जिससे वे 14 साल में ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर अपनी पहली टेस्ट जीत हासिल करने की स्थिति में आ गए। इंग्लैंड ने अच्छी शुरुआत की जिससे उन्हें 9 विकेट बाकी रहते 105 रन की लीड मिल गई। हालांकि, उनकी बैटिंग तब लड़खड़ा गई जब उन्होंने 18.2 ओवर के अंदर अपने बाकी सभी विकेट खो दिए और अच्छी शुरुआत के बाद अपने टोटल में सिर्फ 99 रन और जोड़े। इससे ऑस्ट्रेलिया को 205 रन का टारगेट चेज करना पड़ा। लक्ष्य का पीछा करते हुए ट्रैविस हेड ने एशेज इतिहास की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक खेली जिसमें सिर्फ 83 गेंदों पर 123 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की लीड लेने में मदद मिली। पहला टेस्ट हारने के बाद हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि नतीजे से दुख होगा, लेकिन उन्हें भरोसा है कि इंग्लैंड पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा और वह आने वाले ब्रिस्बेन टेस्ट पर फोकस करेगा। मैकुलम ने कहा, 'हम कुछ समय से चीजों पर बहुत ज्यादा रिएक्ट करने से बचने की कोशिश कर रहे हैं। हम जानते हैं कि इससे दुख होगा और इससे सिर्फ हमें ही नहीं, बल्कि इस क्रिकेट टीम को फॉलो करने वाले सभी इंग्लिश लोगों को भी नुकसान होगा।

आईपीएल की नीलामी से पहले संजू सैमसन बने कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। संजू सैमसन, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में केरल टीम की कप्तानी करेंगे. इस टूर्नामेंट का आगाज 26 नवंबर से होने जा रहा है. सैमसन पिछले दिनों आईपीएल ट्रेड को लेकर चर्चा में रहे, जो अब राजस्थान रॉयल्स का साथ छोड़ चेन्नई सुपर किंग्स में आ गए हैं. अब आईपीएल ऑक्शन से पूर्व वो सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में केरल टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे. केरल के स्क्वाड में संजू के भाई सैली सैमसन को भी जगह मिली है. दोनों भाइयों की जोड़ी इससे पहले केरल क्रिकेट लीग में एकसाथ खेलती दिखी थी.

गिल चोटिल: राहुल टीम इंडिया के बन सकते हैं वनडे कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल की गर्दन की गंभीर तकलीफ के कारण उनके साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली वनडे और टी–20 सीरीज से बाहर होने की संभावना है। ऐसे में केएल राहुल टीम इंडिया की कप्तानी संभाल सकते हैं। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 30 नवंबर को रांची में खेला जाएगा। कोलकाता टेस्ट में बढ़ी गिल की चोट गिल को 14 से 16 नवंबर के बीच कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट के दूसरे दिन बैटिंग करते समय गर्दन में अकड़न महसूस हुई थी। तकलीफ बढ़ने पर उन्हें बीच में ही बल्लेबाजी छोड़नी पड़ी। यह मुकाबला तीन ही दिनों में खत्म हो गया था और भारत को हार का सामना करना पड़ा था। गिल गुवाहाटी में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट का हिस्सा नहीं हैं। हालांकि वह टीम के साथ गुवाहाटी तक गए थे, लेकिन बाद में वहां से मुंबई लौट आए। फिलहाल वह मुंबई में लगातार स्कैन और विशेषज्ञों से परामर्श ले रहे हैं। गर्दन की चोट नस या मांसपेशियों से जुड़ी समस्या बीसीसीआई अधिकारियों के मुताबिक गिल की चोट सामान्य नहीं है। यह मांसपेशियों या नसों से जुड़ी जटिल समस्या हो सकती है। गिल को दर्द कम करने के लिए इंजेक्शन दिया गया है और उन्हें आराम की सलाह मिली है। संभावना है कि वह 9 दिसंबर से शुरू होने वाली टी20 सीरीज भी मिस कर सकते हैं।

स्मृति मंधाना-पलाश मुच्छल की टीम के बीच खेला गया क्रिकेट मैच

शादी से पहले अनोखा सेलीब्रेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मृति मंधाना और पलाश मुच्छल ने अपनी शादी से ठीक पहले यानी प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन में एक-दूसरे के खिलाफ क्रिकेट मैच खेला। स्मृति मंधाना ने इस मैच में टीम ब्राइड की कप्तानी की जबकि टीम ग्रुम की कप्तानी पलाश मुच्छल ने की और इस मैच का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस मैच में स्मृति मंधाना की भारतीय महिला क्रिकेट टीम की साथी खिलाड़ियों ने साथ ही पलाश के करीब दोस्तों ने हिस्सा लिया। स्मृति की टीम में शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, राधा यादव और ऋचा घोष शामिल थीं। ये मैच दोस्ताना जरूर था, लेकिन इसमें कड़ा मुकाबला देखने को मिला जिसमें दोनों टीमों ने पूरे उत्साह के साथ परफॉर्म किया। आखिकार इस मैच में स्मृति मंधाना की टीम को जीत मिली और जीत के बाद उनकी टीम ने जमकर जश्न मनाया। इस वक्त स्मृति मंधाना की शादी में शामिल होने के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कई खिलाड़ी मौजूद हैं। इससे पहले मंधाना ने अपनी हल्दी सेरेमनी में अपने साथी खिलाड़ियों के साथ जबरदस्त डांस किया था जिसमें शेफाली, ऋचा, श्रेयांका पाटिल, रेणुका, शिवाली शिंदे, राधा यादव और जेमिमा शामिल थीं।

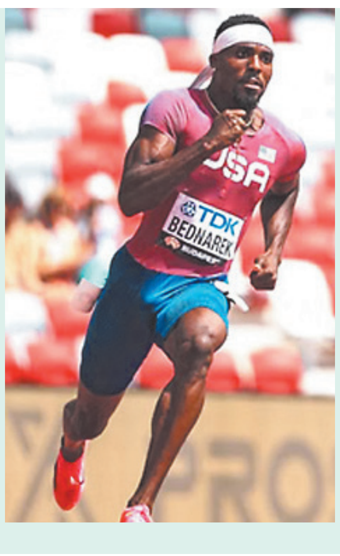

टाटा स्टील वर्ल्ड 25 के कोलकाता

इंटरनेशनल इवेंट ऐंबेसडर बने ओलंपिक स्टार केनी बेडनारक

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता (टीएसडब्ल्यू 25 के) के 10वें संस्करण के लिए आयोजकों ने दुनिया के दिग्गज धावक और डबल ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट केनी बेडनारक को इंटरनेशनल इवेंट ऐंबेसडर नियुक्त किया है।

टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता (टीएसडब्ल्यू 25 के) के 10वें संस्करण के लिए आयोजकों ने दुनिया के दिग्गज धावक और डबल ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट केनी बेडनारक को इंटरनेशनल इवेंट ऐंबेसडर नियुक्त किया है। यह प्रतिष्ठित दौड़ 21 दिसंबर 2025 को आयोजित होगी, जिसे वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल का दर्जा प्राप्त है। 27 वर्षीय बेडनारक, जिन्हें खेल जगत में प्यार से 'कुंग फू केनी' कहा जाता है–200 मीटर में टोक्यो

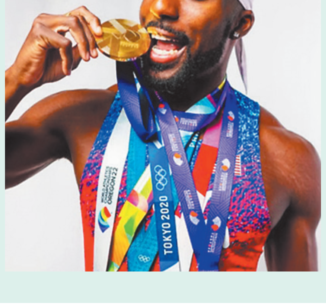

2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में सिल्वर जीतने के अलावा टोक्यो में हुई 2025 विश्व चैंपियनशिप में गोल्ड और सिल्वर अपने नाम कर चुके हैं। दुनिया के सबसे स्थिर और भरोसेमंद स्प्रिंटर्स में उनकी गिनती होती है। कठिन बचपन, गोद लिए जाने और संघर्षों के बाद अमेरिकी धावक का सामुदायिक कॉलेज से वैश्विक एथलेटिक्स के शीर्ष मंच तक पहुंचना प्रेरणादायक सफर है। बेडनारक कहते हैं– 'ज़िंदगी ने सिखाया है कि मंज़िल से ज्यादा सफर मायने रखता है। हर कदम आपको बनाता है। कोलकाता की ऊर्जा और इस दौड़ का सामुदायिक भाव मुझे बेहद प्रेरित करता है। उनके नाम 100 मीटर (9.79 सेकेंड, 2025), 200 मीटर (19.57 सेकेंड, 2024) और 400 मीटर (44.73 सेकेंड, 2019) में शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शन दर्ज हैं।

टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट (कॉरपोरेट सर्विसेज) डीबी सुंदर रमम ने कहा,10वें संस्करण में केनी का स्वागत हमारे लिए गौरव की बात है। उनका सफर दृढ़ता और संकल्प का प्रतीक है–वे मूल्य जो इस इवेंट और टाटा स्टील दोनों की सोच से मेल खाते हैं। प्रोकैम इंटरनेशनल के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर विवेक सिंह ने कहा, इस जश्न में केनी का जुड़ना बेहद प्रेरक है। उत्कृष्टता की राह पर उनका धैर्य और निरंतरता इस इवेंट की भावना को और मजबूत करते हैं। हम कोलकाता में उनका स्वागत करने को उत्साहित हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में बच्ची की हत्या कर यमुना में फेंकी लाश, दुष्कर्म की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के वजीराबाद इलाके में 12 वर्षीय बच्ची की हत्या कर शव यमुना के किनारे फेंकने का मामला सामने आया है। पुलिस इस मामले में दुष्कर्म की आशंका जता रही है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर में धाराएं जोड़ी जाएंगी। जानकारी के अनुसार, बच्ची अपनी बड़ी बहन के परिवार के साथ वजीराबाद में रहती थी। दोनों बहनें आसपास की फैक्ट्रियों में भोजन के टिफिन पहुंचाने का काम करती थीं। मृतका की 20 वर्षीय बहन ने बताया कि उसकी छोटी बहन गुरुवार रात टिफिन देने और रुपये लेने फैक्ट्री गई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। देर रात लगभग 12 बजे उसने पुलिस को पीसीआर कॉल कर गुमशुदगी की सूचना दी। पुलिस अधिकारी के अनुसार, एसआई जोगिंदर की टीम ने तुरंत तलाश शुरू की और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच की। फुटेज में बच्ची एक फैक्ट्री से निकलती दिखी, लेकिन आगे कोई स्पष्ट सुराग नहीं मिला। शनिवार सुबह पीसीआर को यमुना किनारे एक शव मिलने की सूचना मिली। बहन ने मौके पर पहुंचकर शव की पहचान अपनी बहन के रूप में की। पूछताछ में सामने आया है कि बच्ची का परिवार रिजवान को भी टिफिन देता था। बच्ची जब फैक्ट्री में पहुंची तो रिजवान ने रुपये नहीं होने की बात कही। इसके बाद बच्ची चली गई और करीब एक मिनट के बाद रिजवान भी बाहर चला गया। उसने बच्ची को एक दुकान पर खड़ा देखा और रुपये देने के बहाने उसे अपने साथ पुश्ते पर ले गया। इसके बाद सड़क की दूसरी तरफ ले जाकर दुष्कर्म की कोशिश करने लगा। इस पर बच्ची ने शोर मचाया और माता-पिता को बताने की धमकी दी। इस पर आरोपी ने पीड़िता की गला दबाकर हत्या कर दी।

दिल्ली में 4 महीने की गर्भवती बहू ने की सास की हत्या, फिर घर में ही जलाई लाश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के वजीराबाद इलाके में प्रॉपर्टी विवाद के चलते एक गर्भवती बहू ने कथित तौर पर अपनी सास की हत्या कर सबूत मिटाने के लिए शव को जला दिया। इसके बाद उसने पुलिस को गुमराह करने के लिए लूटपाट की मनगढ़ंत कहानी सुना दी। मामले का खुलासा होने पर वजीराबाद थाना पुलिस ने शनिवार को आरोपी बहू आफरीन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, 65 वर्षीय नसरीन अपने तीन बेटों और बहुओं के साथ संगम विहार स्थित फ्लैट में रहती थीं। बुधवार को घर में मंझले बेटे की पत्नी आफरीन और नसरीन ही मौजूद थीं। उसी दौरान फर्स्ट फ्लोर पर आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल और पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आफरीन ने दावा किया कि कुछ युवक लूटपाट करने आए थे और विरोध करने पर सास की हत्या कर फरार हो गए। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की तो कई महत्वपूर्ण सुराग मिले। घटनास्थल से खून से सनी हथौड़ी बरामद हुई, कमरे में केरोसिन की तेज गंध मिली और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में किसी बाहरी व्यक्ति के आने-जाने की पुष्टि नहीं हुई। पूछताछ में आफरीन लगातार अपने बयान बदलती रही, जिसके बाद कड़ी पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार कर लिया। डीसीपी राजा बांठिया के अनुसार, आफरीन ने बताया कि सास प्रॉपर्टी छोटे बेटे रिजवान के नाम करने वाली थीं, जिसको लेकर उन दोनों में विवाद था। मौका पाते ही आफरीन ने सास नसरीन को डिप्रेशन की दवा पीसकर दूध में मिलाकर पिला दी। बेहोश होने पर उसने हथौड़ी से हमला कर उनकी हत्या कर दी और मामले को लूट का रूप देने के लिए शव पर केरोसिन डालकर आग लगा दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

5 डॉक्टरों ने जुटाए 26 लाख रुपये, कई शहरों में धमाके की साजिश

दिल्ली ब्लास्ट को लेकर खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी।
व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल केस के मुख्य आरोपी मुजम्मिल गनी ने एनआईए की पूछताछ में कई खुलासे किए हैं। उसने बताया कि 5 डॉक्टरों ने मिलकर 26 लाख रुपये की फंडिंग जुटाई थी, ताकि देश के कई शहरों में एक साथ बड़े आतंकी हमले किए जा सकें। इस नेटवर्क ने करीब दो साल विस्फोटक सामग्री और रिमोट ट्रिगर डिवाइस जुटाने में लगाए। अधिकारियों के मुताबिक, गनी ने कबूल किया कि उसने खुद 5 लाख रुपये दिए थे। आदिल अहमद राथर ने 8 लाख रुपये और उनके भाई मुजफ्फर अहमद राथर ने 6 लाख रुपये दिए। शाहीन शाहिद ने 5 लाख रुपये और डॉ. उमर उन-नबी मोहम्मद ने 2 लाख रुपये का योगदान दिया। पूरी रकम उमर को सौंपी गई थी, जिससे यह संकेत मिलता है कि हमले को अंजाम देने की जिम्मेदारी उसी के पास थी।

मुजम्मिल गनी ने कबूल किया कि उसने गुरुग्राम और नूह से करीब 3 लाख रुपये में 26 क्विंटल एनपीके फर्टिलाइजर खरीदा था। एनआईए अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया। उन्होंने कहा, गनी पर फर्टिलाइजर और अन्य केमिकल जुटाने की जिम्मेदारी थी। ये लोग रातोंरात विस्फोटक नहीं बना रहे थे, बल्कि बहुत सोची-समझी योजना के तहत काम कर रहे थे। यह फर्टिलाइजर उमर उन-नबी की निगरानी में विस्फोटक में बदली गई। उमर ने ही रिमोट डेटोनेटर और सर्किटरी का इंतजाम किया था। जांचकर्ताओं के अनुसार, अमोनियम नाइट्रेट और यूरिया भी

बड़ी मात्रा में जमा किया गया था। हमले को लेकर जिम्मेदारियों का साफ बंटवारा किया गया था। तकनीकी चीजें उमर देख रहा था।

रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक तीन डॉक्टर (मुजम्मिल गनी, शाहीन शाहिद और आदिल राथर) गिरफ्तार किए जा चुके हैं। आदिल के भाई मुजफ्फर राथर पर भी नेटवर्क का हिस्सा होने का शक है। वह फिलहाल अफगानिस्तान में बताया जा रहा है। अल-फलाह मेडिकल कॉलेज में उमर, गनी और शाहिद के साथ काम करने वाले निसार उल-हसन की तलाश भी जारी है। बताया जा रहा है कि 10 नवंबर को लाल किले के बाहर ह्युंडई आइ20 कार में रखे विस्फोटकों को उमर ने ही डेटोनेट किया था। एनआईए अधिकारी ने बताया कि आरोपी का कबूलनामा पहले बिखरे पड़े सुरागों को जोड़ने में बहुत मददगार साबित हुआ। उन्होंने कहा, जितनी मात्रा में सामग्री बरामद हुई है, उससे साफ है कि ये सिर्फ एक हमले की नहीं, बल्कि कई शहरों में सिलसिलेवार धमाकों की योजना थी। इतनी बड़ी मात्रा एक ही धमाके के लिए नहीं हो सकती।

लाल किला ब्लास्ट में कई नए खुलासे

आईएसआईएस और अलकायदा को लेकर आतंकियों में थे मतभेद

नई दिल्ली, एजेंसी।
लाल किला कार बम विस्फोट मामले की जांच में खुलासा हुआ है कि जैश-ए-मोहम्मद आतंकी मॉड्यूल के सदस्यों के बीच विचारधारा, वित्त और हमले के तरीके को लेकर गंभीर मतभेद थे। आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी इस गुट के अन्य सदस्यों से अलग राय रखता था, जिसके चलते उसने अक्टूबर की शुरुआत में अपने साथी अदील राथर की शादी में भी शिरकत नहीं की थी। जांच एजेंसियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी मुजम्मिल गनई, अदील राथर और मुफ्ती इरफान वागे अक्सर उमर के विचारों से सहमत नहीं होते थे।

उमर नबी का झुकाव आईएसआईएस की विचारधारा की ओर था, जिसका लक्ष्य खिलाफत स्थापित करना और करीबी दुश्मन को निशाना बनाना होता है। उमर ने कथित तौर पर कश्मीर में खुद को बुरहान वानी और जाकिर मूसा की आतंकवादी विरासत का उत्तराधिकारी माना। बाकी गुट अल-कायदा की विचारधारा की ओर अधिक झुकाव रखता था, जो पश्चिमी संस्कृति और दूर के दुश्मनों पर हमला करने पर जोर देता है। वागे को छोड़कर, समूह के सदस्यों ने पहले अफगानिस्तान जाने की कोशिश की थी, लेकिन विफल रहे। इसके बाद उन्होंने घर पर ही लक्ष्य खोजने का फैसला किया। गुट के भीतर एक और विवाद का विषय धन के उपयोग पर उमर की जवाबदेही की कमी थी। सूत्रों के अनुसार, धन का एक बड़ा हिस्सा शाहीन शाहिद अंसारी से आया था, जो गनई का अल फलाह विश्वविद्यालय में सहयोगी थी और गिरफ्तार आरोपियों में से एक है। जांच से पता चला है कि डॉ. शाहीन शाहिद ने कथित तौर पर संगठित क्राउडफंडिंग के माध्यम से लगभग 20 लाख जुटाए थे और उसे जेएम के महिला भर्ती विंग जमात-उल-मोमिनात से जोड़ा गया था। जांच एजेंसियों को संदेह है कि उसने फरीदाबाद के लिए धन और संसाधन जुटाने में मदद की।

छिन सकता है अल फलाह यूनिवर्सिटी का माइनॉरिटी स्टेटस, किसने थमाया शोकॉज नोटिस?

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली ब्लास्ट के बाद से जांच में केंद्र में रही अल फलाह यूनिवर्सिटी के माइनॉरिटी स्टेटस पर भी अब खतरे के बादल उमड़ आए हैं। हमारे सहयोगी हिंदुस्तान टाइम्स को मिली जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान आयोग (ह्रष्टस्श्वढ्ढ) ने अल-फलाह मेडिकल कॉलेज के अल्पसंख्यक दर्जे को लेकर एक कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इससे पहले, 12 नवंबर को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (ह्रष्ट) ने भी मान्यता से जुड़े दावों को लेकर कॉलेज को नोटिस जारी किया था। नोटिस का कारण ह्रष्टस्श्वढ्ढ ने यूनिवर्सिटी से पूछा है कि उनका अल्पसंख्यक दर्जा क्यों न रद्द कर दिया जाए। यह कदम तब उठाया गया है जब जांचकर्ताओं ने 10 नवंबर को लाल किले में हुए धमाके में शामिल दो व्यक्तियों का संबंध इस संस्थान से पाया है। ट्रस्ट के ढांचे, फंडिंग (पैसे) के स्रोतों, नियुक्ति की प्रक्रियाओं और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान आयोग अधिनियम, 2004 के नियमों के पालन से जुड़े दस्तावेज मांगे गए हैं। आयोग ने ट्रस्ट डीड, मैनेजमेंट की संरचना, एडमिशन के आंकड़े, शिक्षकों की नियुक्तियां, गवर्निंग बॉडी की बैठकों के विवरण और पिछले तीन सालों के वित्तीय विवरण के मूल रिकॉर्ड भी मांगे हैं।

तापमान में आएगी ज्यादा गिरावट

कड़ाके की ठंड दे रही दस्तक

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश के कई हिस्सों में ठंड बढ़ती जा रही है। इस बीच, बारिश के भी आसार नजर आ रहे हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, चक्रवाती सर्कुलेशन के प्रभाव से एक निम्न दाब क्षेत्र बन गया है। यह सिस्टम उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ते हुए 24 नवंबर तक बंगाल की खाड़ी पर अवसाद में बदलेगा। अगले 48 घंटों में इसके और मजबूत होने की संभावना है। इसके प्रभाव से अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में 27 नवंबर तक भारी बारिश होने की संभावना है, जिसमें 24 और 25 नवंबर को कुछ स्थानों पर अति भारी बारिश हो सकती है। तमिलनाडु में 23 से 25 नवंबर, केरल में 23 से 26 नवंबर और लक्षद्वीप में 23 नवंबर को भारी बारिश की चेतावनी है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, लक्षद्वीप और दक्षिण कर्नाटक के कई हिस्सों में 26 नवंबर तक गरज-चमक के साथ बारिश और आंधी की संभावना है। वहीं, उत्तर भारत में ठंड बढ़ रही है।

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड के कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे बना हुआ है। मैदानी इलाकों में सबसे कम तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस मध्य प्रदेश के राजगढ़ में दर्ज किया गया। अगले चार दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री की और गिरावट होगी। मध्य व पश्चिम भारत में अगले दो दिनों में 2 डिग्री तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। उत्तर-पूर्व भारत और उत्तर प्रदेश में अगले पांच दिनों तक सुबह-शाम हल्के से मध्यम कोहरे की चपेट में रहेंगे। इसे देखते हुए मौसम विभाग की ओर से सलाह दी गई है कि सुबह और शाम को यात्रा करते समय अतिरिक्त सावधानी बरती जाए।

मुंबई में भी ठंड का अहसास

मुंबई में सुबह के वक्त ठंडक महसूस होने लगी है। शनिवार को तापमान 21 डिग्री सेंटीग्रेड से थोड़ा नीचे चला गया। नवंबर की आम गर्मी में यह एक ताजा बदलाव था। साफ आसमान और हल्की हवाओं ने सर्दियों से पहले के हल्के एहसास को और बढ़ा दिया। सुबह जल्दी उठने वालों को सर्दियों जैसा महसूस हुआ। शहर पर छाई स्मॉग की पतली परत ने शांत शुरुआत को थोड़ा कम कर दिया, जिससे दृश्यता कम हो गई और मुंबई की वायु गुणवत्ता की चिंताएं बढ़ गईं। आईएमडी के अनुसार, आज दिनभर आसमान साफ रहेगा और दोपहर तक तापमान बढ़कर लगभग 33 डिग्री सेंटीग्रेड हो जाएगा। अगले कुछ दिनों तक सुबह ठंडी रहने की उम्मीद है। वायु गुणवत्ता में कोई बड़ी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। नागरिकों को मास्क और एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करने की सलाह दी जा सकती है। झारखंड में मौसम इन दिनों बेहद सुहाना बना हुआ है। सुबह के समय हल्की धुंध और कोहरे की परत छाई रहती है। लेकिन सूरज निकलते ही धूप की गर्माहट ने ठंडक को कम कर दिया है। राजधानी रांची में अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 14 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया।

ब्रिटिश स्वास्थ्य मंत्री की चौंकाने वाली चेतावनी: ब्रिटेन में प्रवासी-विरोध के नाम पर बढ़ा नस्लवाद

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में नस्लवाद को लेकर बहस फिर तेज हो गई है। प्रधानमंत्री कीयर स्टार्मर ने रिफॉर्म यूके के नेता निगेल फराज से उन पर लगाए गए नस्लवाद, स्कूल के समय यहूदियों के खिलाफ टिप्पणियों और विदेशियों पर की गई आपत्तिजनक बातों के बारे में सफाई मांगी है। फराज ने सभी आरोपों को नकार दिया। कुछ सप्ताह पहले ही रिफॉर्म यूके की सांसद सारा पोचिन एक विज्ञापन में सिर्फ अश्वेत और एशियाई लोगों के दिखने पर आपत्ति जताकर विवाद में आई थीं। फराज ने उनकी टिप्पणी को भद्दी तो कहा, लेकिन नस्लवादी मानने से इंकार कर दिया। यह विवाद दिखाता है कि आज भी नस्लवादी कहलाना एक बड़ा सामाजिक कलंक है, लेकिन क्या यह कलंक कमज़ोर हो रहा है? नस्लवाद का अध्ययन करने वाले विशेषज्ञों का मानना है कि हां आज नस्लवादी बातों को पहले जितना गंभीर नहीं माना जा रहा। ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने हाल ही में कहा कि स्वास्थ्यकर्मी बढ़ते नस्लवाद का सामना कर रहे हैं और यह 1970-80 के दशक के घिनौने नस्लवाद जैसा लगने लगा है। उनके अनुसार, आज नस्लवादी होना सामाजिक रूप से स्वीकार्य जैसा प्रतीत होता है। नफरत अपराधों के आंकड़े और कई रिपोर्टें दिखाती हैं कि नस्लवाद तेजी से फैल रहा है। कई घटनाओं में लोग खुलेआम ऐसे बयान दे रहे हैं जो पिछले दशकों में संभव नहीं थे।

टैरिफ की धमकी देकर 8 में से 5 युद्धों को रुकवाया

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने 8 में से 5 युद्धों को रोकने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि यूएस दुनिया भर के देशों से टैरिफ के रूप में खरबों डॉलर कमा रहा है, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फायदा हुआ है। ट्रुथ सोशल पर एक लंबे पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, हम विदेशों से टैरिफ और निवेश के रूप में खरबों डॉलर कमा रहे हैं। मैंने आठ में से पांच युद्धों को टैरिफ की धमकी के जरिए रोका है। अगर वे लड़ना बंद नहीं करेंगे या फिर शुरू करेंगे तो टैरिफ लगा दूंगा।

डोनाल्ड ट्रंप भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव को रोकने का दावा कई बार कर चुके हैं। हालांकि, भारत ने कभी भी ट्रंप की उस सीजफायर समझौते में भूमिका की पुष्टि

नहीं की है। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन पर तंज कसते हुए ट्रंप ने दावा किया कि अभी महंगाई लगभग शून्य है, जबकि स्लिपी जो बाइडेन के समय यह अमेरिकी इतिहास में सबसे खराब स्तर पर थी। उन्होंने लिखा, स्टॉक मार्केट ने 9 महीनों में 48वीं बार ऑल टाइम हाई छुआ है। जिन देशों ने वर्षों से अपने टैरिफ के जरिए अमेरिका को लूटा है, अब हमारा कोर्ट सिस्टम आपको हमारे देश को बर्बाद करने की इजाजत नहीं देगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने जोर देकर कहा कि अभी अमेरिका अपनी पूरी इतिहास में सबसे अमीर, सबसे मजबूत और सबसे सम्मानित देश है। इसके पीछे का कारण 5 नवंबर 2024 (अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की तारीख) और टैरिफ हैं। ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम का उपयोग करते हुए टैरिफ लगाए हैं। इनमें बेसलाइन 10 प्रतिशत टैरिफ सभी आयात पर है, जबकि बड़े व्यापार घाटे वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाए गए हैं, जो 15 प्रतिशत से 41 प्रतिशत तक या इससे अधिक हैं। चीन पर कुल 54 प्रतिशत, भारत-ब्राजील पर 50 प्रतिशत, यूरोपीय संघ-जापान पर 15 प्रतिशत और कनाडा पर 35 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। स्टील, एल्यूमीनियम, तांबा पर 50 प्रतिशत और कारों पर 25 प्रतिशत जैसे प्रोडक्ट स्पेशल टैरिफ भी हैं।

एलियन के बारे में जानते थे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति एचडब्ल्यू बुश?

वाशिंगटन, एजेंसी। एलियन्स की मौजूदगी आज भी पूरी दुनिया के लिए रहस्य बनी हुई है। हॉलीवुड फिल्मों से लेकर विज्ञान की दुनिया में इसे लेकर कई बड़े दावे किए जा चुके हैं। वहीं, अब एक नई डॉक्यूमेंट्री में भी दावा किया गया है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति एचडब्ल्यू बुश को इसके बारे में जानकारी थी। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, नई डॉक्यूमेंट्री में दावा किया गया है कि 1964 में न्यू मेक्सिको में एक एलियन का एनकाउंटर कर दिया गया था। यह एनकाउंटर अमेरिका के होलोमैन एयर फोर्स बेस पर हुआ था। इसकी जानकारी अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश (राष्ट्रपति कार्यकाल 1989-1993 तक) को दी गई थी। इस डॉक्यूमेंट्री का नाम द ऐज ऑफ है। इस डॉक्यूमेंट्री में एक खगोल भौतिक विज्ञानी एरिक डेविस का इंटरव्यू शामिल है, जिसमें वो कहते दिखाई दे रहे हैं कि 2003 में एक निजी बातचीत के दौरान पूर्व राष्ट्रपति ने उन्हें इस घटना के बारे में बताया था। बता दें कि एरिक डेविस एडवांस एयरोस्पेस थ्रेट आईडेंटिफिकेशन प्रोग्राम के सलाहकार रह चुके हैं।

भारत-इस्राइल व्यापार: पीयूष गोयल की उच्चस्तरीय वार्ता में फ्री ट्रेड प्रक्रिया शुरू

निवेश बढ़ने के संकेत

यरूशलम, एजेंसी।
केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का तीन दिवसीय इस्राइल दौरा दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों में एक बड़े मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। गोयल ने बताया कि 20 साल बाद किसी भारतीय उद्योग मंत्री का इस्राइल दौरा बेहद सफल रहा है और इससे भारत-इस्राइल द्विपक्षीय व्यापार और निवेश में नई ऊर्जा आने की उम्मीद है। गोयल ने बताया कि उनकी इस्राइल के अर्थव्यवस्था और उद्योग मंत्री निर बारकात के साथ गहन चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने यह तय किया कि आने वाले समय में आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे। भारतीय उद्योग मंत्री ने भारत में इस्राइली व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल की

यात्रा और अब भारतीय प्रतिनिधिमंडल के इस्राइल आने को बड़ी सफलता बताया। गोयल ने कहा कि यह यात्रा भविष्य में दोनों देशों के बीच निवेश, टेक्नोलॉजी और औद्योगिक सहयोग को नई दिशा देगी। गोयल ने जानकारी दी कि भारत और इजरायल के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के लिए टर्म्स ऑफ रेफरेंस पर हस्ताक्षर हो चुके हैं और अब औपचारिक वार्ताएं शुरू होंगी। उन्होंने कहा स्नञ्ज की बातचीत शुरू होने से व्यापार, तकनीक और निवेश में जबरदस्त बढ़ोतरी होगी। गोयल ने अपने दौरे के दौरान पेरेस सेंटर फॉर पीस एंड इनोवेशन में इजरायल के इनोवेशन मॉडल की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि इजरायल ने हर संकट को चुनौती की तरह लिया और उसे अवसर में बदला।चाहे सुरक्षा, स्वास्थ्य, इलेक्ट्रॉनिक्स या कृषि तकनीक, इजरायल ने कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। गोयल ने बताया कि उनकी कुछ महत्वपूर्ण बैठकों का दौर कल भी जारी रहेगा। वे इसकी जानकारी भारत लौटने के बाद साझा करेंगे। केन्द्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पियूष गोयल इन दिनों इस्राइल के दौरे पर हैं। जहां उन्होंने भारत और इस्राइल के बीच प्रस्तावित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को दो चरणों में लागू करने की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत और इस्राइल अपने प्रस्तावित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को दो चरणों में लागू करने पर विचार कर रहे हैं, ताकि दोनों देशों के व्यापारिक समुदाय को जल्दी लाभ मिल सके। गोयल ने कहा कि दोनों देश पहले कम कठिनाई वाले क्षेत्रों यानी जल्दी लाभ देने वाले क्षेत्रों पर ध्यान देंगे और संवेदनशील मुद्दों को चर्चा में शामिल नहीं करेंगे। उनका उद्देश्य एफटीए का पहला चरण जल्दी पूरा कर व्यापारियों को जल्दी लाभ पहुंचाना है। बता दें कि गुरुवार को दोनों देशों ने बातचीत की रूपरेखा पर हस्ताक्षर कर एफटीए पर बातचीत की आधिकारिक शुरुआत की। ञ्जश्रक्र में माल पर शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को हटाना, निवेश को बढ़ावा देना, कस्टम प्रक्रियाओं को आसान बनाना, नवाचार और तकनीक हस्तांतरण में सहयोग बढ़ाना, और सेवा व्यापार को बढ़ावा देना शामिल है। एफटीए को लेकर न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत के दौरान गोयल ने बताया कि इस्राइल की कृषि में ड्रिप इरिगेशन जैसी तकनीक ने सीमित जमीन, पानी और संसाधनों के बावजूद शानदार सफलता हासिल की है। भारत इससे सीख सकता है।

झारखंड सशस्त्र पुलिस बोकारो मना रहा 63वां स्थापना दिवस

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड सशस्त्र पुलिस (जैप-4) बोकारो की स्थापना का 63वां उत्सव सेक्टर-12 स्थित जैप-4 ग्राउंड में पूरे उत्साह, गरिमा और परंपरागत शान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत परेड निरीक्षण से हुई, जिसमें जैप के कमांडेंट शंभू कुमार सिंह ने परेड की सलामी ली और जवानों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने झारखंड सशस्त्र पुलिस की गौरवशाली विरासत और राज्य की सुरक्षा में इसके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। जैप-4 की स्थापना वर्ष 1962 में तत्कालीन बिहार सरकार द्वारा की गई थी, जब इस वाहिनी के गठन की अधिसूचना जारी की गई थी। स्थापना के शुरूआती दो वर्षों तक इसका मुख्यालय जमालपुर में रहा। बाद में इसे स्थानांतरित कर आरा में मुख्यालय स्थापित किया गया। वर्ष 1970 में इस वाहिनी को बोकारो में स्थायी रूप से स्थानांतरित किया गया और तब से यह यहां से ही पूरे राज्य में कानून-व्यवस्था और विशेष अभियानों में अपनी भूमिका निभा रही है। कमांडेंट शंभू कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि यह वाहिनी नक्सल-विरोधी अभियानों में अपनी वीरता, अनुशासन और पराक्रम के लिए जानी जाती है। उन्होंने बताया कि झारखंड में केंद्रीय सशस्त्र बलों के आने से काफी पहले ही जैप-4 ने सीमित संसाधनों के बावजूद नक्सलियों के खिलाफ बड़े और सफल अभियान चलाए। कठोर परिस्थितियों में, जोखिम भरे क्षेत्रों में कार्य करते हुए इस वाहिनी ने अपने अदम्य साहस और समर्पण का परिचय दिया। यही कारण है कि आज राज्य में नक्सलवाद लगभग समाप्ति की कगार पर है। उन्होंने कहा कि जैप-4 ने न केवल झारखंड, बल्कि बिहार में भी विभिन्न महत्वपूर्ण अभियानों में अपनी सेवा दी है। वर्षों से यह वाहिनी राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ मानी जाती रही है। स्थापना दिवस के कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, परेड और वीर जवानों को सम्मानित किए जाने का भी सिलसिला चला। समारोह में बड़ी संख्या में अधिकारी, जवान और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

धनबाद वन प्रमंडल का नया भवन व अतिथि गृह बनकर तैयार

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद वन प्रमंडल को लगभग 69 वर्ष बाद अपना अलग कार्यालय भवन मिलेगा. बिरसा मुंडा पार्क नावाडीह के समीप पहाड़ी के पास धनबाद वन प्रमंडल का नया कार्यालय बनकर तैयार हो चुका है. वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार 27 नवंबर को बने नये भवन का उद्घाटन होगा. यह इको फ्रेंडली ग्रीन बिल्डिंग होगी. बता दें कि वर्ष 1956 से धनबाद वन प्रमंडल का कार्यालय कंबाइंड बिल्डिंग के दूसरे तल पर चल रहा है. यहीं पर चार कमरों में पूरा विभाग कार्यरत है. इसमें से एक कमरे में वन प्रमंडल पदाधिकारी बैठते हैं. दूसरे में सहायक वन प्रमंडल पदाधिकारी, दो छोटे कमरों में विभाग के दूसरे कर्मी बैठते हैं. जगह की काफी कमी है. लंबे समय से अलग कार्यालय बनाने के लिए पत्राचार किया जा रहा था. वित्तीय वर्ष 2023-24 में नावाडीह में वन विभाग की भूमि पर कार्यालय भवन बनाने की योजना को मंजूरी दी गयी. अप्रैल 2024 में नावाडीह के समीप वन प्रमंडल के भवनों का निर्माण कार्य शुरू हुआ था. लगभग 95 लाख रुपये की लागत से दो भवन बनाये गये हैं.

सेल में दुर्घटना से हो रही मौतों की जिम्मेदारी तय किया जाए : बीएकेएस

दुर्घटना से हुई मौतों का जिक्र भी उनकी वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट में होनी चाहिए

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने इस्पात सचिव को पत्र लिखकर सेल में दुर्घटना की जिम्मेदारी तय करने की मांग की है । जिसके तहत दुर्घटना उपरांत प्रत्येक मौत का जिक्र सेल चेयरमैन सहित सभी ऊच्च अधिकारियों के वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट में करने , पीआरपी, प्रमोशन से लिंक कराने का भी मांग किया गया है। गौरतलब है कि जनवरी 2025 से अभी तक सेल की सभी यूनिटो में 14 ठेका श्रमिको तथा नियमित कर्मचारियों की मौत विभिन्न दुर्घटनाओं में हो गई है । सभी दुर्घटनाओं को ऊचित सुरक्षा उपाय कर रोका जा सकता था लेकिन लगातार सुरक्षा अवहेलना, लापरवाही के कारण लगातार दुर्घटनाएँ हो रही है जिसमें ठेका श्रमिकों और नियमित कर्मचारियों की मौत हो रही है। विश्व की अन्य इस्पात कंपनियाँ रक्तहीन इस्पात उत्पादन पर जोर दे रही है तो सेल में खुन से सना इस्पात उत्पादन हो रहा है। पत्र ने कहा गया ही कि सिर्फ वर्ष 2025 में ही अभी तक सेल के अलग अलग इकाइयों 13 श्रमिकों की दुर्घटना में मौत हो चुकी है। बीएकेएसके अध्यक्ष ने कहा ही कि जब रिकॉर्ड उत्पादन का श्रेय चेयरमैन , डायरेक्टर , डीआई, ईडी , सीजीएम लेते है तथा उसी के आधार पर उनको पदोन्नति तथा पीआरपी भी मिलता है। ऐसे में दुर्घटना से हुई मौतो का जिक्र भी उनकी वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट मे होनी चाहिए। उसके साथ साथ पदोन्नति , वार्षिक इंक्रिमेंट और पीआरपी का लिंक भी दुर्घटनाओं के साथ होनी चाहिए । अगर इस्पात मंत्रालय कुछ सार्थक और कड़े कदम नही उठाती है तो हमारी यूनियन दुर्घटनाओं की स्वतंत्र जांच तथा जवाबदेही तय करने के लिए न्यायालय की शरण में जायेगी ।

रफ़्तार का कहर, हाइवा घर पर पलटा, पिता-पुत्री की मौत

सरायकेला/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरायकेला जिले में रफ़्तार का एक और भयावह चेहरा देखने को मिला है। कांड्रा थाना क्षेत्र के हुदु पंचायत अंतर्गत पालोबेड़ा गांव में रविवार तड़के गिट्टी से भरा एक अनियंत्रित हाईवा एक मिट्टी के घर पर पलट गया, जिसमें सो रहे पिता और मासूम बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान 30 वर्षीय बीरबल मुर्मू और उनकी डेढ़ वर्षीय बेटी अनुश्री मुर्मू के रूप में हुई है। हादसे के वक्त घर के अंदर मौजूद बीरबल की पत्नी बाल-बाल बच गईं, हालांकि उन्हें हल्की चोटें आई हैं। गांव मातम में डूब गया और हर तरफ चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों के अनुसार लीडिंग कंस्ट्रक्शन के वाहनों की तेज रफ़्तार और लापरवाही लगातार दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। ग्रामीणों ने कंपनी पर कड़ी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग करते हुए सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनका कहना है कि कंपनी का ट्रक गांव से तेज गति से गुजरता है कई बार शिकायत की लेकिन न तो कंपनी और न ही प्रशासन ने रोकथाम के उपाय किए। सूचना मिलते ही कांड्रा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराने में

जुट गई। पुलिस ने हाईवा को जब्त कर लिया है और चालक की भूमिका की जांच शुरू कर दी है। प्रशासनिक अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी और मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस हृदयविदारक हादसे ने एक बार फिर ग्रामीण सड़कों पर दौड़ते भारी वाहनों की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इको पार्क का काम शुरू करने का विरोध

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सीसीएल कथारा जीएम ग्राउंड के समीप चिह्नित स्थल पर कोयला मंत्रालय व भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित इको पार्क का निर्माण कार्य शुरू कराने पहुंचे मजिस्ट्रेट और सीसीएल अधिकारियों को ग्रामीणों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा. काम शुरू कराने के लिए मजिस्ट्रेट कनिष्क कुमार, सीसीएल कथारा के क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी सुनील कुमार गुप्ता, इको पार्क बनाने वाले संबंधित कंपनी के प्रतिनिधि आदि पहुंचे थे. सूचना पाकर बोडिया बस्ती ग्रामीण पहुंचे और कहा कि उक्त जमीन हमलोगों की है. सीसीएल प्रबंधन इस पर कब्जा कर इको पार्क बनाना चाहता है. पूर्वजों द्वारा सीसीएल को दी गयी जमीन के बदले अभी तक पूर्ण रूप से मुआवजा व नौकरी नहीं दिया गया है. इसके लिए दशकों से लड़ाई लड़ रहे हैं. इधर, सीसीएल अधिकारियों ने कहा कि सीसीएल अधिग्रहित की गयी जमीन पर इको पार्क निर्माण करा रहा है. इस बीच ग्रामीणों की ओर से मिली शिकायत पर गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने फोन पर बेरमो एसडीएम मुकेश मछूआ से बात की. मामले में प्रबंधन एवं ग्रामीणों के साथ बैठक कराने की बात कही, जिसमें वह भी शामिल रहेंगे.

बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ ने श्रम कानून में बदलाव बताया को ऐतिहासिक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय मजदूर संघ से संबंध बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ की बैठक यूनियन कार्यालय 3डी 175 में हुई, जिसकी अध्यक्षता कार्यकारी अध्यक्ष राम सुमेर सिंह एवं संचालन यूनियन के महामंत्री विनोद कुमार ने किया। बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ सम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ ने चारों श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन का स्वागत किया तथा प्रधानमंत्री एवं श्रम मंत्री का आभार व्यक्त किया। आज बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ के कार्यालय में केंद्रीय श्रम सलाहकार बोर्ड के सदस्य रंजय कुमार ने संविदा कर्मियों संग बैठक कर यह बताया कि भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) भारत सरकार के ऐतिहासिक निर्णय का हृदयपूर्वक स्वागत करता है। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लंबे समय से प्रतीक्षित चार श्रम संहिताओं को लागू किया गया है। ये संहिताएँ देश के समस्त श्रमिक वर्ग को गरिमा, सुरक्षा और उन्नत कल्याण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आगे उन्होंने यह भी बताया की चारों श्रम संहिताएँ श्रम बाजार की नई और उभरती वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए रूपांतरित की गई हैं। निर्धारित रोजगार की सीमाओं से आगे वेतन कवरेज का विस्तार तथा असंगठित एवं नव-विकसित क्षेत्रों तक सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाना आधुनिक कार्यबल की आकांक्षाओं के अनुरूप दूरदर्शी सुधारों को दशार्ता है। बीएमएस पूरे देश में श्रम संहिताओं के प्रभावी और सुगम कार्यान्वयन के लिए पूर्ण सहयोग देने के प्रति प्रतिबद्ध है। हम सरकार एवं सभी संबंधित पक्षों के साथ संवाद जारी रखेंगे ताकि श्रमिकों का कल्याण श्रम शासन का केंद्रबिंदु बना रहे। बीएमएस का मानना है कि यह भारत की एक न्यायसंगत, समावेशी और सशक्त श्रमिक व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। बैठक में मुख्य रूप से यूनियन के उपाध्यक्ष तपन कुमार गिरी मंत्री शशि भूषण सिंह रमेश कुमार मिश्रा दिगु कर्मकार अरविंद कुमार सिंह, जी सी ठाकुर, सुभाष कर्मकार,रवि कुमार सिंह गजेन्द्र कुमार,लाल भूषण, अफ्तार आदि की उपस्थिति रही।

नया लेबर कोड लागू करना मजदूर विरोधीः ब्रजेंद्र सिंह

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ऑल इंडिया इंटक के सचिव और झारखंड प्रदेश इंटक के उपाध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा है की नया लेबर कोड लागू करना मजदूर के हक में नहीं है, केंद्र सरकार के द्वारा कुछ वर्षो से मजदूर विरोधी रवैया देखी जा रही थी लेकिन अंतत 21 नवंबर को केंद्र सरकार द्वारा चार नए लेबर कोड को लाकर यह साबित कर दिया है की वर्तमान केंद्र सरकार मजदूर विरोधी है, किसान विरोधी है और वह सिर्फ उद्योगपतियों को फायदा के लिए ही इस तरह का कानून बनाया है ।नया लेबर कोड लागू होने से मजदूरों की सैलरी ग्रेच्युटी और पेंशन पर भी प्रभाव पड़ेगा उनको घर ले जाने के लिए वेतन भी कम हो जाएंगे यहां तक की इसका सीधा-सीधा असर ग्रेच्युटी पर भी पड़ेगा। श्री सिंह ने आगे कहा है की जो नया कानून बनाया गया है वह 300 से कम मजदूर वाले फैक्ट्री को फायदा दिलाने के लिए बनी है ताकि उनके करीबी लोगों को फायदा हो और उद्योगपति लाभान्वित हो सके तथा मजदूरों को किसी तरह का फायदा नहीं होगा। नया कानून लागू होने पर द्विपक्षीय वार्ता भी संभव नहीं हो पाएगा, क्योंकि वह एक से ज्यादा यूनियन को वार्ता के लिए बुलाएंगे ही नहीं और जहां एक से ज्यादा यूनियन रहेगी वहां अपने मनपसंद यूनियन को ही तर्जिह देंगे और उनसे वार्ता करेंगे । नए कानून से किसी भी उद्योग में अगर मजदूरों के द्वारा छोटी सी भी गलती होगी तो उसे बर्खास्त भी किया जा सकता है। केंद्र सरकार से मांग करते हैं की नई लेबर कोड को संशोधित कर मजदूर हक में लाया जाए ताकि मजदूर लाभान्वित हो सके।

सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाना पहली प्राथमिकता

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखण्ड राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष और सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत रविवार को बलियापुर प्रखंड अंतर्गत हाई स्कूल करमाटांड प्रांगण में विशाल जनसेवा शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम आपकी योजना - आपकी सरकार - आपके द्वार के तहत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है।

शिविर में बलियापुर के अंचलाधिकारी मुरारी नायक और करमाटांड के मुखिया सुलोचना देवी की सक्रिय उपस्थिति रही, जिन्होंने ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया। कार्यक्रम स्थल पर करमाटांड और आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुँचे और एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों से संबंधित सेवाओं और योजनाओं का लाभ लिया। शिविर में मौके पर ही विभिन्न प्रमाण पत्रों के लिए आवेदन लिए गए तथा कई आवेदनों का त्वरित निष्पादन किया गया। इस दौरान पात्र लाभुकों के बीच धोती-साड़ी-लूंगी, कंबल, और स्वेटर जैसी परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। बलियापुर अंचलाधिकारी मुरारी नायक ने ग्रामीणों से अपील की कि वे सेवा का अधिकार सप्ताह का लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि मईया सम्मान योजना तथा अबूआ आवास योजना से संबंधित स्टॉलों पर सर्वाधिक भीड़ देखी गई, जिससे इन योजनाओं के प्रति ग्रामीण जनता की अत्यधिक रुचि प्रकट होती है। अंचलाधिकारी ने कहा, कि ग्रामीणों द्वारा जमा किए गए सभी आवेदनों को त्वरित और पारदर्शी तरीके से जाँच को जाएगी।

जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय के बिष्टुपुर कैंपस में रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का शुभारंभ विश्वविद्यालय की डीएसडब्ल्यू डॉ. किश्वर आरा ने किया. उन्होंने छात्राओं को रक्तदान के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि रक्तदान समाज के लिए जीवनदायिनी आशा है और युवाओं की इसमें बढ़ती भागीदारी उनके सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरुकता को दशार्ती है. हालांकि अंतिम रूप से कितने यूनिट रक्त का संग्रह किया गया, इसकी जानकारी विवि प्रबंधन द्वारा नहीं दी गयी है. कार्यक्रम को सफल बनाने में कुल सचिव डॉ. सलोमी कुजूर, एनएसएस कोऑर्डिनेटर डॉ. ग्लोरिया पूर्ति, एनएसएस ऑफिसर डॉ. सुनीता कुमारी, डॉ. छगनलाल अग्रवाल, एनसीसी ऑफिसर प्रीति सोनकर के साथ ही एनएसएस और एनसीसी की स्वयंसेविकाओं का अहम योगदान था.

बोकारो हवाई अड्डा से व्यावसायिक उड़ान सेवा शुरू करने की मांग

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो हवाई अड्डा अविलंब चालू किए जाने को लेकर नागरिक अधिकार मंच द्वारा आज मंच के केंद्रीय अध्यक्ष शशि भूषण ओझा 'मुकुल' के नेतृत्व में बोकारो हवाईअड्डा के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन किया गया। संबोधित करते हुए मुकुल ने कहा कि हवाईअड्डा का 85% कार्य तो पांच साल पहले ही पूरा हो चुका था तथा बाकी बचा 15% कार्य ही विलंब का कारण है जो जानबूझकर नहीं किया गया । मुकुल ने आगे कहा कि आश्चर्य इस बात का है कि पांच सालों में दो एंबुलेंस नहीं खरीदी जा सकी, आग बुझाने वाली दो गाड़ी चाहिए तो बस एक ही खरीदी गई, सतनपुर पहाड़ी पर लाइट नहीं लगी और आजतक भी ये सब नहीं हुआ है । इसके बाउंड्री से सटी झोपड़ पट्टियों को कुछ दिनों पहले उजाड़ा गया था मगर फिर वे बसने लगी हैं । ऐसा नहीं कि मंच को बोकारो के डीसी पर भरोसा नहीं है क्योंकि मंच को

लगरहा है कि ये चाह तो रहे हैं कि हवाईअड्डा का लंबित कार्य जल्द पूरा हो मगर दूसरी एजेंसियां इन्हें पूरा सहयोग नहीं कर रही हैं । डीसी ने पुनः कहा है कि वे 15 दिसबर तक एयरपोर्ट के बचे हुए कार्यो को पूरा कर लेंगे जिसे ध्यान में रखते हुए मंच ने उन्हें 1 जनवरी 26 तक का समय दिया कि वे तब तक करा लें । डीसी को चाहिए कि वे प्रमुख सामाजिक संस्थाओं और जन प्रतिनिधियों तथा हवाईअड्डा से संबंधित सभी संस्थाओं को एक साथ बैठावें ताकि जनता का उनपर भरोसा बढ़े । आगे कहा कि अगर सारा कार्य 1 जनवरी 26 तक पूरा हो जाएगा तो मंच द्वारा डीसी से मिलकर उन्हें बधाई दिया जाएगा नहीं तो बड़े आंदोलन की शुरूआत की जाएगी। आज के प्रदर्शन में मुख्य रूप से शशि भूषण ओझा 'मुकुल', मृणाल चौबे, रघुवर प्रसाद, अर्जुन नायक, नीरज सिंहा, वीरेंद्र चौबे, द्वारिका सिंह मुन्ना, अक्षय दुबे, संतोष दुबे, अनिल कुमार, वैद्य गणेश साव, अभय कुमार गोलू, लक्ष्मण शर्मा, ललित कुमार, विजय गुप्ता, सतीश सिंह, शशि भूषण पासवान, उमेश मिश्र, दीपक कुमार, पप्पू चौबे, मनीष झा, मंजय सिंह, नंद कुमार पांडे सहित मंच के कई पदाधिकारी एवं समाजसेवी उपस्थित हुए।

अखिल भारतीय कंस्ट्रक्शन मजदूर महासंघ की दो दिवसीय बैठक संपन्न

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अखिल भारतीय कंस्ट्रक्शन मजदूर महासंघ, भारतीय मजदूर संघ की औद्योगिक इकाई, के पूर्वी क्षेत्र पदाधिकारी की बैठक विश्वकर्मा भवन कार्यालय पुलिस लाइन के सभागार में 22 एवं 23 नवंबर को दो दिवसीय बैठक संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता, भवन निर्माण एवं संनिर्माण कामगार यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष बृज किशोर राम एवं संचालन प्रदेश महामंत्री धर्मजीत चौधरी ने किया।इस बैठक में मुख्य रूप से अखिल भारतीय कंस्ट्रक्शन मजदूर महासंघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री मुरारी प्रसाद, भारतीय मजदूर संघ के क्षेत्रीय संगठन मंत्री धर्मदास शुक्ला भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश संगठन मंत्री बृजेश कुमार एवं भवन निर्माण के झारखंड के प्रभारी अंगद उपाध्याय की उपस्थिति हुई।इस बैठक में झारखंड, बिहार , उड़ीसा एवं बंगाल के प्रदेश पदाधिकारी की उपस्थिति हुई।इस बैठक में मुख्य रूप से संगठनात्मक चर्चा प्रदेश की बैठक की विद्यमान स्थिति पर विस्तृत चर्चा, आगामी आंदोलन , विश्वकर्मा संकेत सूची, महिला सहभागिता, अभ्यास वर्ग, स्टेट वेलफेयर बोर्ड विविध आयामों पर योजना, गत दिनों में संगठन द्वारा किए गए कार्यो की समीक्षा, अखिल भारतीय मजदूर संघ अधिवेशन आदि अन्य विषयों पर चर्चा किया गया। साथ ही केंद्र सरकार के द्वारा ले गए चार लेबर कोर्ट का अखिल भारतीय कंस्ट्रक्शन मजदूर महासंघ ने स्वागत किया है।इस बैठक में मुख्य रूप से के रूप में बाघमारा प्रखंड के पूर्व 20 सूत्री अध्यक्ष आदरणीय गुड्डू ।घोष जी का आगमन हुआ जिनको संगठन की ओर से अंग वस्त्र देकर स्वागत किया गया। इसी क्रम में धनबाद विधायक राज सिन्हा का आगमन भी हुई जिन्हें उत्कृष्ट विधायक होने पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी गई साथ ही उन्हें अंग वस्त्र मोमेंटो आदि देकर स्वागत किया गया। जिसमें भारतीय मजदूर संघ झा. प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह प्रभारी ई सी एल बीसीसीएल और सीएमपीएफ माधव सिंह ए बी के एम एस के मंत्री,के.के. सिंह, धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ की ओर से सुशील कुमार सिंह, उमेश कुमार सिंह, सुशील कुमार सिंह, रमेश कुमार चौबे, नवनीत कुमार सिंह राघवेंद्र पांडेय, मनोज कुमार साव, उपस्थित थे। बैठक में मुख्य रूप से पप्पू विश्वकर्मा डॉ मनोज कोड राम प्रकाश दास सुनंदा , शीतला महतो, विश्वनाथ पंडित, राजेश कुमार, अरुण लंका, सुनील कुमार डॉक्टर मोहंती आदि उपस्थित थे।

हांन्गकांग इंटरनेशनल क्लासिक 2025 में बोकारो की रेशमा कुमारी ने जीता कांस्य पदक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। हांगकांग में 15 से 23 नवंबर 2025 तक आयोजित प्रतिष्ठित हॉन्ग कोंग इंटरनेशनल क्लासिक लॉन बॉल चैंपियनशिप 2025 में भारत की ओर से प्रतिनिधित्व कर रहीं झारखंड की उभरती लॉन बॉल खिलाड़ी रेशमा कुमारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला पेयर्स वर्ग में कांस्य पदक जीत हासिल की है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिली इस सफलता ने भारत, झारखंड और विशेष रूप से बोकारो जिले का गौरव बढ़ाया है। उपायुक्त अजय नाथ झा ने इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि रेशमा की लगन, मेहनत और श्रेष्ठ प्रदर्शन ने जिले और राज्य का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन ने भी रेशमा को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि उनकी सफलता से जिले के

युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी तथा लॉन बॉल खेल को नई दिशा मिलेगी। रेशमा कुमारी की यह उपलब्धि बोकारो और झारखंड के लिए गर्व का विषय है। आने वाले वर्षों में उनके द्वारा और भी बड़ी सफलताएं अर्जित किए जाने की आशा की जाती है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK